मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

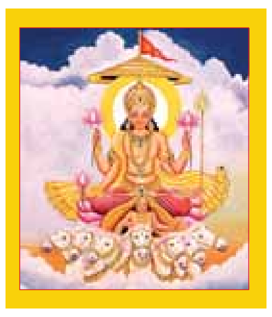

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए अधिकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक अखबार

जागरूक जनता

श्रीराम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net
/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

चैत्र, पक्ष - शुक्ल, तिथि - नवमी , संवत 2078 | पृष्ठ : 8+8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-7, अंक-8, 21 अप्रैल - 27 अप्रैल, 2021 | मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

जागरूक जनता @ उत्तर प्रदेश की अयोध्या में जन्मभूमि पर रामलला अपने भाईयों के साथ बालरूप में विराजित हैं। ये रामलला की वही मूर्तियां हैं, जिनकी 1992 के बाद से टेंट-तिरपाल में रखकर पूजा की जाती रही है। अब यहां भव्य राममंदिर बन रहा है। मंदिर का शिलान्यास वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधि विधान और पूजा-अर्चना के साथ किया था।

जयपुर में बनेगा राज्य का सबसे बड़ा अस्थायी कोविड सेंटर

राजधानी में 500 बेड का कोविड केयर सेंटर बनेगा; यहां ऐसे लोगों को रखा जाएगा जिनके यहां होम आइसोलेशन की व्यवस्था नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में बढ़ते कोरोना केसों ने गहलोत सरकार की चिंता बढ़ा दी है। राजधानी जयपुर में अभी सबसे ज्यादा तेजी से केस मिल रहे हैं। वहीं अस्पतालों पर इलाज करवाने वालों का लोड भी बढ़ता जा रहा है। ऐसी स्थिति को देखते हुए गहलोत सरकार अब प्रदेश का सबसे बड़ा अस्थायी कोविड केयर सेंटर बनाने की तैयारी में जुट गई। इस सेंटर के लिए आज कलेक्टर अंतर सिंह नेहरा, कोविड मैनेजमेंट के लिए लगाए गए नोडल ऑफिसर गौरव गोयल ने शहर में दो स्थानों पर दौरा किया। सीतापुरा स्थित जेईसीसी सेंटर और टोंक रोड बीलवा स्थित राधा स्वामी सत्संग भवन। इसमें सत्संग भवन की जगह ज्यादा ठीक लगी। यहां करीब 500 बेड का सेंटर बनाने के लिए जगह देखी और संभावना है कि जल्द ही यहां काम शुरू करवाया जा सकता है।

7 लाख वर्गफीट एरिया में है सत्संग भवन

बढ़ते कोरोना मरीज और अस्पतालों में बेड की कमी को देखते हुए बीलवा में यह सेंटर बनाना ज्यादा उपयुक्त लग रहा है। यह सेंटर 7 लाख वर्गफुट एरिया में फैला है, जहां 5 हजार बेड लगाकर अस्थाई कोविड केयर सेंटर बनाया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि पहले चरण में 500 बेड लगाकर इसकी शुरुआत की योजना है। यहां पर्याप्त पीने के लिए पानी, शौच आदि के लिए टॉयलेट की व्यवस्था पहले से है। इसके अलावा यहां एक मेगा किचन भी है, जहां मरीजों के लिए सुबह, दोपहर और शाम के लिए शुद्ध-ताजा भोजन बनाकर उन्हें खिलाया जा सकता है। इसके अलावा यहां पर्याप्त मात्रा में पंखे व अन्य सुविधाएं भी मौजूद हैं।

ये होंगी व्यवस्थाएं

मौके का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों ने बताया कि परिसर में ऐसे कोरोना संक्रमितों को रखा जाएगा, जो बिना लक्षण या कम लक्षण वाले हैं और जिनके यहां होम आइसोलेशन की व्यवस्था नहीं या सुविधाएं नहीं हैं। इसके अलावा उन मरीजों को भी यहां रखा जाएगा, जिन्हें ऑक्सीजन की जरूरत नहीं होगी। हालांकि इस सेंटर पर वैकल्पिक तौर पर ऑक्सीजन वाले बेड की व्यवस्था भी रखी जाएगी। बेड कैसे तैयार किए जाए इसके लिए दिल्ली और इंदौर में बने कोविड सेंटर जानकारी जुटाई जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के नाम संबोधन

देश को लॉकडाउन से बचाना है-मोदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। देश में कोरोना के बिगड़ते हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को संबोधित किया। मोदी ने अपने संबोधन में इलाज और दवाइयों को लेकर सरकारी कोशिशों का ब्यौरा दिया, तो वहीं ऑक्सीजन का इंतजाम करने पर सरकार के फोकस पर भी बात की। मोदी के संबोधन में 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को वैक्सीन देने का जिक्र भी था। मोदी के इस संबोधन में सबसे बड़ी बात लॉकडाउन को लेकर थी। पिछले साल खुद देश में लॉकडाउन का ऐलान करने वाले मोदी ने इस बार कहा कि देश को लॉकडाउन से बचाना है। राज्य सरकारें भी इसे आखिरी विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करें। उन्होंने राज्य सरकारों से लोगों के बीच भरोसा बनाए रखने की कोशिश करने को भी कहा, ताकि अचानक पलायन जैसे हालात न बनें।

देश में कोरोना की दूसरी लहर आने से हालात बिगड़े

मोदी ने कहा, 'कोरोना के खिलाफ देश आज फिर एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रहा है। कुछ हफ्ते पहले तक स्थिति संभली हुई थी। अब यह दूसरी लहर तूफान बनकर आ गई। जो पीड़ा आप लोगों ने सही है, जो पीड़ा सह रहे हैं, उसका मुझे पूरा एहसास है। जिन लोगों ने बीते दिनों में अपनों को खोया है, मैं सभी देशवासियों की तरफ से उनके प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। परिवार के एक सदस्य के रूप में मैं आपके दुख में शामिल हूं। चुनौती बड़ी है, लेकिन हमें मिलकर अपने संकल्प, हौसले और तैयारी के साथ इसे पार करना है।'

राज्य सरकारें लोगों का भरोसा जगाए रखें-मोदी

'**वैक्सीनेशन** को 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए ओपन करने से शहरी वर्कफोर्स को तेजी से वैक्सीन मिलेगी। श्रमिकों को भी तेजी से टीके मिलेंगे। मेरा राज्य प्रशासन से आग्रह है कि वो श्रमिकों का भरोसा जगाए रखें। उनसे आग्रह करें कि वे जहां हैं, वहीं रहें। राज्यों का यह भरोसा, उनकी बहुत मदद करेगा कि वे जिस शहर में हैं, वहीं पर अगले कुछ दिनों में वैक्सीन भी लगेगी और उनका काम भी बंद नहीं होगा।'

देश में दुनिया की सबसे सस्ती वैक्सीन

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'पिछले साल जब कोरोना के कुछ ही मरीज सामने आए थे, उसी समय प्रभावी वैक्सीन के लिए काम शुरू हो गया था। वैज्ञानिकों ने दिन-रात एक कर वैक्सीन बनाई है। सबसे सस्ती वैक्सीन भारत में है।

18 साल से ऊपर के सभी लोगों को वैक्सीन लगेगी

1 मई के बाद से 18 साल से ज्यादा उम्र के किसी भी व्यक्ति को वैक्सीनेट किया जा सकेगा। अब भारत में जो वैक्सीन बनेगी, उसका आधा हिस्सा राज्यों और अस्पतालों को भी मिलेगा। पहले की तरह ही सरकारी अस्पतालों में मुफ्त वैक्सीन मिलती रहेगी। इसका फायदा हमारे गरीब परिवारों, मध्यमवर्ग, निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों को मिल सकेगा। हम सभी का प्रयास जीवन बचाने के लिए तो है ही, प्रयास का तरीका यही रखा जा रहा है कि आर्थिक गतिविधियां और आजीविका कम से कम प्रभावित हों।'

पहली बार एक दिन में 85,843 जांचें, इनमें 12,201 संक्रमित मिले, स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. गर्ग पॉजिटिव

जांच कराने वालों में से हर 7वां व्यक्ति पॉजिटिव, जयपुर, जोधपुर और कोटा में सबसे ज्यादा केस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार को कोरोना का फिर नया रिकॉर्ड बना है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे के अंदर कोरोना के 12,201 संक्रमित केस मिले हैं। जयपुर, जोधपुर कोटा में एक हजार से ऊपर केस मिले हैं। प्रदेश में आज कोरोना से 64 लोगों की जान चली गई। कोरोना की जद में अब गहलोत सरकार में चिकित्सा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग भी आ गए हैं। पॉजिटिव आने के बाद उन्होंने खुद यह जानकारी दी। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने जयपुर में नया कोविड सेंटर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं दूसरी तरफ चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने एक बार फिर केन्द्र सरकार पर ऑक्सीजन के मामले में निशाना साधा है।

इधर से उधर भटकता रहा ब्राह्मण का शव! क्यों मर रही हैं संवेदनाएं!

शिव दयाल मिश्रा

सटीक

इस संसार में जो जन्म लेता है वह निश्चित रूप से एक दिन मृत्यु को प्राप्त होता है। असल में जीवन को झूठ कहें या सत्य, यह एक ऐसा काल है जिसमें अपने कर्मों के फल को भोगने का समय मिलता है (शास्त्रोक्त मान्यताओं के अनुसार)। लेकिन मृत्यु के भी कई रूप हैं। सामान्य मृत्यु और अकाल मृत्यु। हत्या और आत्म हत्या। मृत्यु के साथ ही शरीर से जीवात्मा निकल जाती है और पड़ा रहता है तो मृत शरीर, जिसे शव कहा जाता है। यहां बात चल रही है संवेदनाओं की। मनुष्य जब मर जाता है तो उसकी तरफ से तो दुनिया में कुछ भी हो। उसका तो सब खत्म। मगर, स्वार्थी आदमी की संवेदनाएं भी दिन प्रतिदिन मरती ही जा रही है। कोई दुर्घटना में अगर घायल पड़ा हो और उसे चिकित्सा की जरूरत हो तो उसे अस्पताल पहुंचाने के बजाए लोग सेल्फी लेते रहते हैं या फिर देखकर भी अनदेखा करके निकल जाते हैं। इसी प्रकार किसी हादसे में चाहे वह प्राकृतिक हो या कृत्रिम। किसी की मौत हो जाती है तो मृतक के शव को मोहरा बनाकर लोग अपनी स्वार्थ सिद्धि में लग जाते हैं। सड़कों पर जाम लगा देते हैं और मांगने लगते हैं मुआवजा। जैसे तो मृत शरीर से कर्जा चुका जाता हो। कितने ही लोग हमदर्द बनकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकते रहते हैं। कितनी बुरी बात है एक ब्राह्मण का शव एक सप्ताह से भी ज्यादा समय तक अपने अंतिम संस्कार के लिए तरसता है। शव कहां से कहां पहुंचा दिया जाता है। एक ब्राह्मण पुजारी के शव का अंतिम संस्कार भी सत्ता और विपक्ष के खेल की भेंट चढ़ गया। बड़े-बड़े लोग सिविल लाइंस फाटक पर संवेदना प्रकट करते रहे। मृतक के परिजनों की सहायता के लिए मांग करते रहे। मगर सामाजिक दायित्व और संस्कृति को ताक पर रख दिया सिर्फ अपने स्वार्थ के लिए। न्याय मांगना चाहिए, न्याय मांगना गलत नहीं है, मगर संवेदनाओं को मार कर नहीं। अमूमन किसी की मृत्यु हो जाती है तो उसके अंतिम संस्कार के लिए 'जल्दी करो, जल्दी करो' की आवाजें सुनाई देती हैं। मगर जब किसी का शव स्वार्थी लोगों के हत्थे चढ़ जाता है तो 'जल्दी नहीं जल्दी नहीं पहले हमारे मांगें पूरी करो' की आवाजें सुनाई देती है। यूं तो संवेदनाएं चारों तरफ ही दम तोड़ती नजर आने लगी है। मगर, करौली और दौसा जिलों में कई तरह की संवेदनहीनता के किस्से सामने आ चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में कई हादसे ब्राह्मणों के साथ हो चुके हैं। करौली (कैलादेवी) के पास कुछ वर्षों पूर्व एक ब्राह्मण के हाथ इसलिए काट दिए गए, क्योकि वह जमीन को बेचने के लिए रजिस्ट्री पर दस्तखत नहीं कर रहा था। उसके बाद दूसरे केस में फिर वही जमीन का मामला और ब्राह्मण को जिंदा जला दिया गया। अब फिर से वही दास्तान दोहराई गई, मंदिर माफी की जमीन को लेकर एक ब्राह्मण की मौत। ये तो ताजा मामले हैं। कितनी ही बार वहां अनदेखी संवेदनाएं मरती रही हैं जिनका किसी को पता ही नहीं चलता। देखिए विडंबना एक ब्राह्मण का शव ऐसी परिस्थितियों में पहुंच गया जहां वह अपने अंतिम संस्कार के लिए भी तरसता रहा। मर गई ना संवेदनाएं। ये घटनाएं ऐसे क्षेत्र की हैं जहां अधिकांशतः लोकसभा और विधानसभा की सीटें रिजर्व कोटे से आती हैं। जहां हमेशा एक जाति का राजनीतिक दबदबा बना रहता है पार्टी चाहे कोई भी हो।

shivdayalmishra@gmail.com

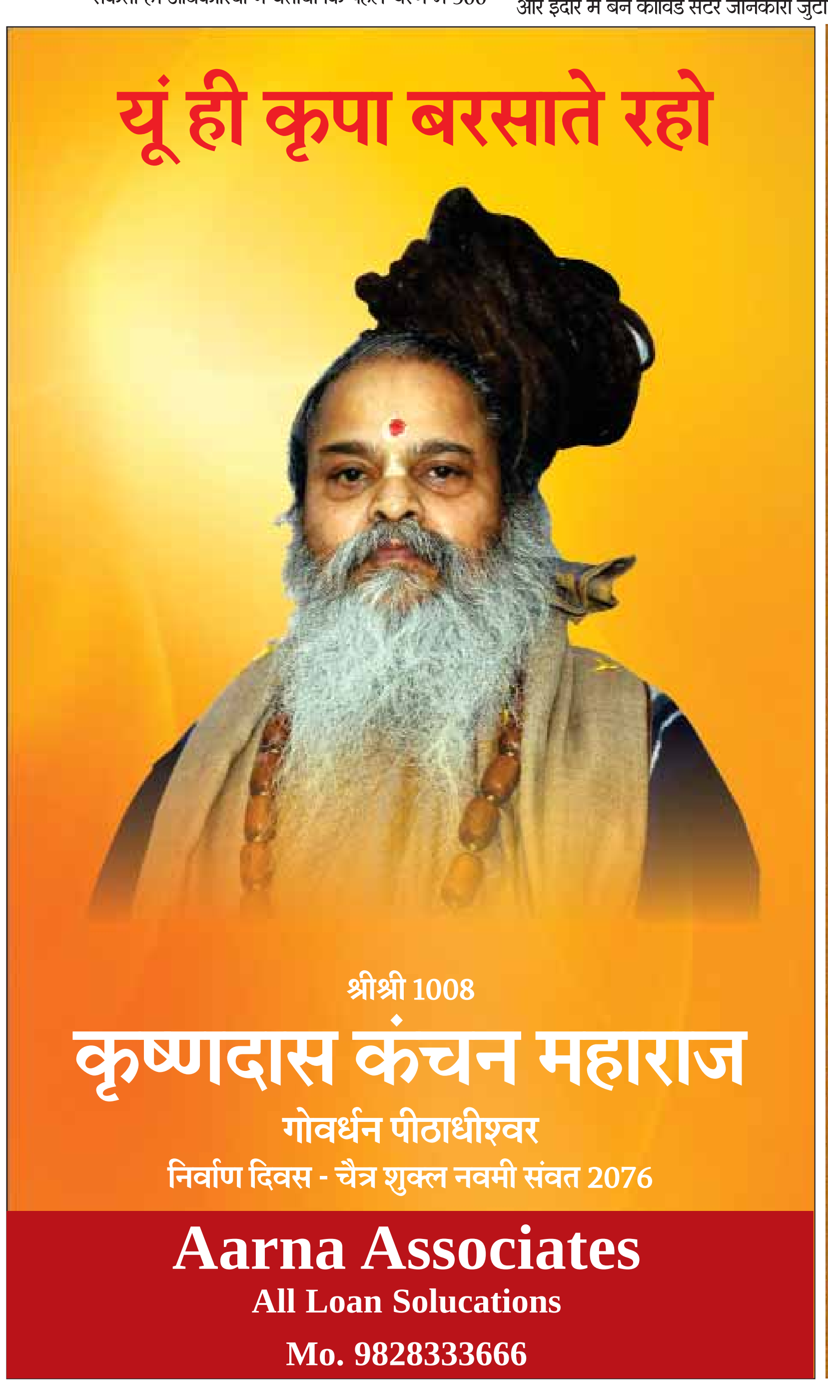

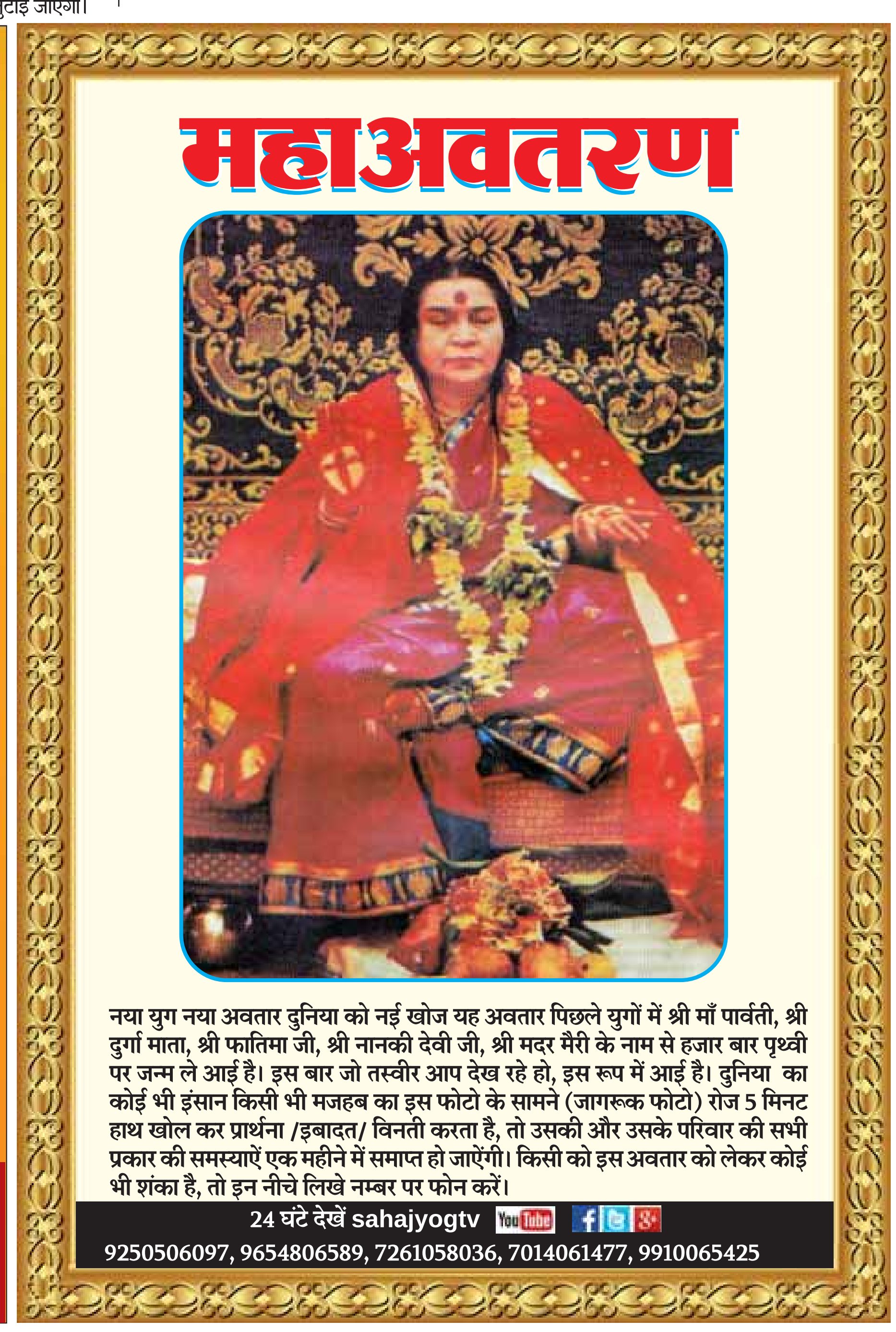

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	37°C	21°C
जोधपुर	38°C	21°C
अजमेर	36°C	20°C
उदयपुर	35°C	21°C

सूर्योदय ▸ प्रात : 05:53 बजे सूर्यास्त ▸ सांय : 06:32 बजे चन्द्रोदय ▸ 12 : 49 बजे चन्द्रास्त ▸ 01 : 39 बजे

जागरूक खबरें

भगवा रक्षा दल में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल में प्रवीण कुमार सैनी को हरिद्वार (उत्तराखंड) का कार्यकारी जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने उपरोक्त निर्णय की जानकारी एक विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रवीण कुमार सैनी एक माह में जिला कार्यकारिणी बनाकर नवल सिंह तोमर (प्रदेश अध्यक्ष) उत्तराखंड के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। इसी प्रकार गिरधर सिंह को जैसलमेर जिला प्रभारी पद पर एवं लोकेश गर्ग को दल में भीलवाड़ा जिला प्रभारी पद पर मनोनीत किया गया है। दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की है कि ये पदाधिकारी संगठन की वृद्धि के लिए अनुशासित पदाधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निभाएंगे और अगली सूचना तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे।

श्री जगदम्बा मातेश्वरी मन्दिर समिति ने किया पौधारोपण

जयपुर @ जागरूक जनता। नया खेड़ा स्थित श्री जगदम्बा मातेश्वरी मंदिर में पौधरोपण कार्यक्रम के तहत एसडीएम मदन सिंह चौहान ने पौधे लगाए। समिति उपाध्यक्ष मुकुल सिंह साँचोरा ने बताया कि सौरभ नर्सरी द्वारा रात रानी गुड़हल गुलाब मोगरा आदि कई प्रकार के फुलवारी वाले पौधे मन्दिर परिसर में लगाने के लिए भेंट किये। भाजपा के अलवर जिलाध्यक्ष भूपेश सिंह राजावत भी मौजूद रहे। समिति अध्यक्ष भवर सिंह सचिव नवरतन सिंह इंद्र सिंह हेमंत सिंह भागीरथ सिंह सुरेन्द्र सिंह करन सिंह महेंद्र सिंह टोनी रघुवीर सिंह गणपत सिंह श्रवण सिंह सभी ने मिलकर पौधरोपण किया।

करोना वैक्सीनेशन में 400 ने लगवाया टीका

जयपुर @ जागरूक जनता। पूर्व पार्षद मंजू शर्मा के नेतृत्व में निवारू रोड स्थित जागृति विद्या मंदिर सी.सै. स्कूल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क कोरोना वैक्सीनेशन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्याधर नगर विस कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल, 108 महंत विष्णुदास महाराज नागा शिव हनुमान मंदिर के अलावा अन्य वार्डों के पार्षदों ने भग लिया। शिविर में 400 वयक्तियों ने टीका लगवाया।

जयपुर समेत सभी स्टेशनों पर बंद की दूसरे नंबर गेट से एंट्री, प्लेटफार्म पर बनाए सर्कल

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में बढ़ते कोरोना केसों और राज्य सरकार की ओर से लगाए लॉकडाउन को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने भी सख्ती का निर्णय किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे प्रशासन ने अब जयपुर जंक्शन सहित अन्य स्टेशनों पर दूसरे नंबर के एंट्री गेट से यात्रियों के प्रवेश-निकासी को बंद करने के निर्देश दिए है। साथ ही स्टेशनों पर आने वाले यात्रियों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग की पालन हो इसके लिए प्लेटफार्म पर गोले बनाने के निर्देश दिए हैं। अभी तक जयपुर जंक्शन सहित दूसरे सब स्टेशन जैसे गांधी नगर, दुर्गापुरा सहित अन्य स्टेशनों पर यात्रियों को आने-जाने के लिए लाइन के दोनों तरफ से प्रवेश की सुविधा है। जयपुर जंक्शन पर मुख्य गेट के अलावा दूसरा गेट हसनपुरा वाली साइड है, लेकिन अब इस गेट को यात्रियों के आवागमन के लिए बंद किया जा रहा है। इसी तरह गांधी नगर रेलवे स्टेशन पर भी टोंक रोड से प्रवेश और निकासी करने वाले यात्रियों को आने-जाने से रोका जाएगा। इसी तरह दुर्गापुरा सब स्टेशन पर दूसरी तरह से आने वाले मार्ग से यात्रियों को एंट्री नहीं दी जाएगी।

3 मई तक पटवारियों का धरना स्थगित

जयपुर @ जागरूक जनता। ग्रेड पे 3600 किए जाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे पटवारियों ने अपना धरना फिलहाल स्थगित कर दिया है। कोविड को देखते हुए राजस्थान पटवार संघ ने यह निर्णय लिया है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र निमिवाल ने कहा कि शहीद स्मारक पर चल रहा उनका धरना 3 मई तक के लिए स्थगित किया गया है। गौरतलब है कि 15 फरवरी से पटवार संघ का धरना शहीद स्मारक पर चल रहा था।

कोरोना : एक ही दिन में किए दस हजार से ज्यादा चालान

राजस्थान एपिडेमिक अध्यादेश के तहत 13 लाख 61 हजार चालान

जयपुर @ जागरूक जनता। महानिदेशक पुलिस एम एल लाठर ने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए गाइडलाइन का उल्लंघन कर दूसरे लोगों के स्वास्थ्य को खतरे में डालने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।लाठर ने बताया कि राजस्थान पुलिस द्वारा कोरोना के संक्रमण की रोकथाम के लिए निर्धारित प्रावधानों के तहत प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए राजस्थान एपिडेमिक अध्यादेश के तहत अब तक 13 लाख 61 हजार से अधिक व्यक्तियों का चालान किया जा चुका हैं। रविवार को कुल 10 हजार 873 चालान किए गए। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए लागू हैल्थ प्रोटोकॉल के अनुसार मास्क लगाना, निर्धारित भौतिक दूरी रखना एवं हाथों की सफाई सहित अन्य सतर्कताएं बरतना आवश्यक हैं। महानिदेशक ने बताया कि अब तक सार्वजनिक स्थलों पर मास्क नहीं लगाने पर 3 लाख 93 हजार, बिना मास्क पहने लोगों को सामान बेचने पर 16 हजार 391, निर्धारित सुरक्षित भौतिक दूरी नहीं रखने पर 9 लाख 40 हजार 868 व्यक्तियों के चालान किए गए है। रविवार को सार्वजनिक स्थलों पर मास्क नहीं लगाने पर 1285, बिना मास्क पहने लोगों को सामान बेचने पर 139, निर्धारित सुरक्षित भौतिक दूरी नहीं रखने पर 8911 व्यक्तियों के चालान किए गए हैं। सार्वजनिक स्थलों पर थूकने, शराब का सेवन करने एवं सार्वजनिक स्थलों पर गुटखा-तम्बाकू का सेवन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जा रही हैं। निषेधाज्ञा तथा क्वारंटाईन मापदण्डों का उल्लघंन करने पर अब तक 4 हजार 2 एफआईआर दर्ज कर अब तक 10 हजार 366 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। रविवार को 24 एफआईआर दर्ज कर 37 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। निषेधाज्ञा व एमवी एक्ट के तहत अब तक 19 लाख 8 हजार 32 वाहनों का चालान एवं 2 लाख 3 हजार 416 वाहनों को जब्त किया गया एवं 37 करोड़ 39 लाख रुपये से अधिक जुर्माना वसूल किया जा चुका हैं। रविवार को 4716 मोटर वाहनों का चालान किया गया एवं 495 वाहनों को सीज किया गया साथ ही 6 लाख 76 हजार 450 रूपये की राषि का जुर्माना वसूल किया गया। सोशल मीडिया के दुरुपयोग के मामलों में अब तक 234 मुकदमे दर्ज कर 309 असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियोग दर्ज किया है एवं 273 को गिरफ्तार किया गया हैं।

सवाई रामसिंह द्वितीय के शासनकाल में उनकी महारानी गुलाब कंवर धीरावतजी ने करीब सवा सौ साल पहले इस मंदिर का निर्माण करवाया

छोटी काशी में भी विराजे है राम जानकी संग तीनों भाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। छोटी काशी यानी जयपुर के चांदपोल बाजार स्थित भगवान रामचंद्र जी का मंदिर भी अपनी प्रसिद्धि के लिए जाना जाता है। इस वैभवशाली मंदिर की खासियत यहां का बेजोड़ शिल्प है। मंदिर का विशाल जगमोहन और सुंदर खंभे सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इन खंभों पर की गई बारीक कारीगरी प्राचीन शिल्प का बेहतरीन उदाहरण है। बताया जाता है कि मंदिर की जगह पहले बगीचा और शिव जी का मंदिर था। सवाई रामसिंह द्वितीय के शासनकाल में उनकी महारानी गुलाब कंवर धीरावतजी ने करीब सवा सौ साल पहले इस मंदिर का निर्माण करवाया था। खास बात यह है कि महारानी ने इसमें अपने निजी खर्च को व्यय किया था। इस विशाल में चार बड़े चौक बनाए गए हैं। मंदिर में भगवान रामचंद्र के साथ माता जानकी, भ्राता लक्ष्मण भरत, शत्रुघ्न की प्रतिमाएं भी विराजमान हैं। जो भी पर्यटक गुलाबी नगरी यानी जयपुर के शिल्प की झलक देखने के लिए यहां आते हैं, वे इस मंदिर में भी उत्साह के साथ भ्रमण करते हैं।

जयपुर व गांधीनगर स्टेशन पीपीपी मोड पर होंगे विकसित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे बोर्ड ने राजस्थान के उदयपुर के बाद जयपुर और गांधीनगर स्टेशनों के भी निजीकरण का निर्णय ले लिया है। इन स्टेशनों का इंडियन रेलवे स्टेशन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (आईआरएसडीसी) पीपीपी मोड के तहत विकास करेगा। जिसके तहत यहां वेटिंग एरिया, सर्कुलेटिंग एरिया में पार्किंग, होटल, रेस्टोरेंट, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, टेरेस, कवर्ड पिक अप एंड ड्रॉप एरिया, राजस्थानी संस्कृति और पेंटिंग्स बनाए जाएंगे। निजी कंपनी को स्टेशन डेवलपमेंट और मेंटीनेंस से जुड़े काम 99 साल को लीज पर दिए जाएंगे। जबकि ऑपरेशन और सिक्योरिटी रेलवे के ही अधीन रहेगा। निजी कंपनी को 99 साल की लीज पर काम सौंपा जाएगा। यानि वो इसे विकसित कर मेंटेन भी करेंगी। इसे लेकर 19 अप्रैल को रेलवे बोर्ड उत्तर पश्चिम रेलवे के जीएम आनंद प्रकाश, आईआरएसडीसी के चीफ इंजीनियर, डिप्टी सीई सहित अन्य अधिकारियो के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर चर्चा करेंगे। जिसमें बोर्ड को इसकी डीपीआर कब तक बनाई जाएगी, इसकी भी जानकारी दी जाएगी।

सुविधाएं बढ़ जाएंगी लेकिन महंगी भी होंगी

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैठक में डीपीआर पर चर्चा होगी। यानी यह तय किया जाएगा कि स्टेशन पर किस तरह का विकास किया जाए और यात्रियों को किस तरह की सुविधाएं दी जाएं। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुख्य रूप से पार्किंग, वेटिंग एरिया, होटल और रेस्टोरेंट को विकसित करने पर ज्यादा जोर जाएगा। दोनों स्टेशनों पर सुविधाएं तो बढ़ जाएंगी, लेकिन खानपान, वेटिंग एरिया और पार्किंग महंगी हो जाएंगी। हाल ही में आईआरएसडीसी ने उदयपुर स्टेशन की डीपीआर रेलवे को सौंप दी है। लेकिन एक महीने बाद भी अभी उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। ऐसे में अभी कोई कार्य शुरू नहीं हो पाया है।

रामनवमी आजः भक्त घर पर रहकर ही मनाएंगे राम जन्म उत्सव

रामनवमी पर अश्लेषा नक्षत्र व पंचग्रही संयोग मंगलकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। चैत्र शुक्ल नवरात्र की नवमी पर 21 अप्रेल को रामनवमी मनाई जाएगी। इस बार पांच ग्रहों का शुभ संयोग बन रहा है। ज्योतिषियों के अनुसार यह संयोग इस दिन की शुभता में वृद्धिकारक होगा। कोरोना महामारी के कारण इस बार भक्त मंदिरों में दर्शन नहीं कर पाएंगे और अपने स्तर पर ही पूजा-अर्चना करेंगे। वहीं, मंदिरों में विशेष पूजा होगी।

पं. अक्षय शास्त्री के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में राजा दशरथ के यहां माता कौशल्या के गर्भ से जन्म लिया था। इसी कारण इस तिथि को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। भगवान श्रीराम का जन्म कर्क लग्न और अभिजीत मुहूर्त में मध्यान्ह 12 बजे हुआ था। संयोगवश इस दिन अश्लेषा नक्षत्र, लग्न में स्वग्रही चंद्रमा, सप्तम भाव में स्वग्रही शनि, दशम भाव में सूर्य, बुध और शुक्र है और दिन बुधवार रहेगा। चंद्रमा में शनि स्वग्रही होने से मानसिक कष्टों का निवारण होगा। इसलिए इस दिन व्रत व पूजन करने से व्यक्तियों को विशेष फल मिलेगा। ग्रहों की यह युति योति इस दिन को मंगलकारी बनाएगी। इस दिन की गई पूजा और खरीदारी समृद्धिदायक और शुभता लाने वाली होगी।

रामनवमी पूजा मुहूर्त

- 11.22 से 1.55 - अवधि - 2 घंटे 34 मिनट
राम नवमी मध्याह्न क्षण - 12.38 बजे
नवमी तिथि का प्रारंभ - 21 अप्रेल को 12.43 बजे
नवमी तिथि का समापन - 21 अप्रेल को 12.35 बजे

घर-घर हुई माता की पूजा, कन्या-बटुकों की मनुहार

महाअष्टमी मनाई

जयपुर @ जागरूक जनता। चैत्र शुक्ल अष्टमी पर मंगलवार को महाअष्टमी मनाई गई। घर–घर माता की ज्योत देखी गई, वहीं माता पूजन किया गया। कन्या व बटुक पूजन कर भोजन कराया गया। कोरोना के चलते कन्याओं को भोजन के लिए घर भेजने का लोग आग्रह भी करते नजर आए। आमेर शिला माता मंदिर सहित अन्य मंदिरों में अष्टमी की विशेष पूजा–अर्चना की गई। शिला माता मंदिर में अष्टमी की पूजा–अर्चना के बाद नवरात्र पूर्णाहुति हुई। 22 अप्रेल को दशमी पर सुबह 10.30 बजे नवरात्रा उत्थापना होगा। हालांकि मंदिर में भक्तों के प्रवेश पर पाबंदी है। कनक घाटी रोड स्थित मनसा माता मंदिर में गोविंददेवजी मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने पुष्य नक्षत्र में महाअष्टमी तिथि पूजन के बाद मां अन्नपूर्णा का पूजन किया। सोलह प्रकार की संधि पूजा हुई। शाम को केला, ककड़ी, कद्दू और गन्ने से बलिदान की रस्म पूरी की। मां मनसा के चरणों में 108 प्रकार के नील कमल अर्पित किए गए। बुधवार को अश्लेषा नक्षत्र में भगवान राम और हनुमान जी का पूजन कर कन्याओं को भोजन करवाया जाएगा। दुर्गापुरा स्थित प्राचीन दुर्गामाता मंदिर, घाटगेट श्मशान के काली माता मंदिर, झालाना डूंगरी के देवी मंदिर, राजापार्क के वैष्णोदेवी सहित अन्य देवी मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का प्रवेश निषेध रहा।

एसएमएस के चरक भवन में भी होगा कोरोना मरीजों का उपचार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में कोविड-19 संक्रमण का कहर बढ़ने के बाद राज्य सरकार ने बड़ा निर्णय लेते हुए सवाईमानसिंह अस्पताल के एक हिस्से को कोविड संक्रमितों के उपचार के लिए आरक्षित किया है। जल्द ही यहां चरक भवन में संक्रमितों का उपचार किया जाएगा। अभी इस भवन की 250 पलंग क्षमता है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ.सुधीर भंडारी के अनुसार जल्द ही इस भवन में संक्रमितों का उपचार शुरू किया जाएगा। दरअसल, प्रदेश में संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ने के बाद सबसे बड़े कोविड अस्पताल आरयूएचएस और जयपुरिया भी अब करीब करीब फुल होने को हैं। इसे देखते हुए आरयूएचएस के पास ही स्थित स्पाइनल इंजरी सेंटर के 100 पलंग भी आरयूएचएस के संक्रमितों के लिए रखे गए हैं। ईएसआई अस्पताल को भी पूर्व में कोविड डेडिकेटड किया गया है।

प्रदेश में संक्रमण बढ़ने के बाद सरकार का निर्णय, 250 पलंग क्षमता है इस भवन की, जल्द शुरू होगा यहां इलाज

नेत्र, ईएनटी और त्वचा रोग विभाग दूसरे हिस्से में

एसएमएस के इस चरक भवन में अभी नेत्र, ईएनटी और त्वचा रोगों का इलाज होता है। इनके आउटडोर और वार्ड सहित ओटी भी यहीं है। सोमवार को अस्पताल प्रशासन इन विभागों को अस्थायी तौर पर अस्पताल के दूसरे हिस्से में स्थानान्तरित करने में जुटा रहा। ईएनटी के वार्ड पहले से ही मुख्य भवन में हैं।

घर घर औषधि योजना

जुलाई से नि :शुल्क बांटे जाएंगे औषधीय पौधे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास पर करीब साढ़े तीन घंट तक कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की मैराथन बैठक में पेयजल परियोजना के साथ ही राज्य में कोरोना संक्रमण की स्थिति पर चर्चा की। बैठक में 'घर-घर औषधि' योजना के प्रदेश स्तर पर क्रियान्वयन का भी निर्णय लिया। इसके तहत औषधीय पौधों की पौधशालाएं विकसित कर तुलसी, गिलोय, अश्वगंधा आदि पौधे नर्सरी से जनता को जुलाई से निशुल्क उपलब्ध करवाए जाएंगे। ये बहु उपयोगी औषधीय पौधे वन विभाग की पौधशालाओं में तैयार कर इच्छुक परिवारों को निःशुल्क उपलब्ध करवाए जाएंगे। योजना को जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं, विभिन्न विभागों एवं संस्थानों, औद्योगिक घरानों आदि के सहयोग से जन-अभियान के रूप में क्रियान्वित किया जाएगा। योजना का नोडल विभाग वन विभाग होगा। योजना के क्रियान्वयन के लिए जिलों में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स गठित की जाएगी, जबकि राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया जाएगा। यह कमेटी हर तीसरे महीने में योजना की समीक्षा करेगी। योजना के मूल्यांकन के लिए वन विभाग द्वारा एक तंत्र स्थापित किया जाएगा। योजना के तहत जुलाई माह से जिला प्रशासन द्वारा पौध-वितरण के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा आमजन को वन औषधियों एवं औषधीय पौधों की उपयोगिता एवं इनके संरक्षण-संवर्धन के बारे में जागरूक किया जाएगा। जुलाई में मनाए जाने वाले वन महोत्सव की थीम भी 'घर-घर औषधि' योजना रहेगी।

पेयजल परियोजना को लेकर लिया अहम निर्णय

बैठक में 'ईसरदा-दौसा वृहद पेयजल परियोजना' को जल्दी पूरी करने के लिए इसका बाह्य वित्त पोषण एएफडी से ऋण लेने के स्थान पर राज्य निधि से किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इससे पेयजल समस्या से ग्रस्त दौसा, सवाई माधोपुर जिलों के 6 कस्बों एवं 1256 गांवों को पेयजल आपूर्ति के लिए जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में केन्द्र सरकार की ओर से उपलब्ध राशि के अतिरिक्त शेष राशि राज्य निधि से उपलब्ध करवाकर इस परियोजना का कार्य जल्द शुरू किया जा सकेगा। इससे जुड़ा प्रस्तावित कार्य दिसम्बर 2021 से शुरू करके जुलाई 2024 तक पूर्ण कराने का लक्ष्य तय किया गया है।

ANCHOR

फ्री में सीख सकेंगे एंटरप्रेन्योरशिप के बेसिक्स

अब घर बैठे बन सकेंगे वाइल्ड लाइफ नेचरलिस्ट

ट्रिपलआईटी कोटा प्रदान करेगा ट्रेनिंग

सफल स्टूडेंट्स को मिलेगा सर्टिफिकेट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एंटरप्रेन्योरशिप के बेसिक्स सीखने हो या फिर फोटोग्राफी की जानकारी लेनी हो या फिर वाइल्ड लाइफ नेचरलिस्ट बनना हो कही जाने की जरूरत नहीं। आप सब कुछ घर बैठे सीख सकते हैं और आपको इसकी ट्रेनिंग देगी ट्रिपलआईटी कोटा । खास बात यह है कि घर रहते हुए जब आपका मन करे अपने लैपटॉप, कम्प्यूटर या एंड्रायॅड मोबाइल क्लास अटैंड कर सकते हैं। कोर्स में समय की कोई बाध्यता नहीं है। जी हां प्रदेश के निजी,सरकारी इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को ट्रिपलआईटी कोटा निशुल्क रूप मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज की ट्रेनिंग देगी।

फिलहाल यह कोर्सेज हैं निशुल्क उपलब्ध

इंग्लिश फॉर पर्सनल एंड प्रोफेशनल डवलपमेंट छह सप्ताह
इंट्रोडक्शन ऑफ फोटोग्राफी 4 सप्ताह
वाइल्ड लाइफ नेचुरलिस्ट 8 सप्ताह
बेसिक्स ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप 5 सप्ताह
जल्द ही यह कोर्सेज भी होंगे शुरू
बेसिक्स ऑफ मशीन लर्निंग
क्राफ्ट्स ऑफ राजस्थान

कॉलेज शिक्षा के साथ हुआ एमओयू

आपको बता दें कि मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज के लिए कॉलेज आयुक्तालय का हाल ही में ट्रिपलआईटी कोटा के साथ एकएमओयू हुआ है। जो स्टूडेट्स इन कोर्सेज में एडमिशन लेना चाहते हैं उन्हें मई से सितंबर के बैच के लिए कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के वेबपोर्टल पर उपलब्ध लिंक के जरिए अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। ट्रिपलआईटी कोटा की टीम ई लर्निंग एंड डाटा एनेलिस्ट्स लैब के माध्यमसे ट्रिपलआइटी कोटाके ईएलडीए पोर्टल पर स्टूडेंट्स को इन कोर्सेज का प्रशिक्षण प्रदान करेगी।

कॉलेजों को दिए निर्देश

आयुक्तालय ने राज्य के सभी कॉलेजों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं कि वह इन कोर्सेज के बारे में अपने स्टूडेंट्स को जानकारी दें। स्टूडेंट्स के व्हाट्सएप ग्रुप पर,कॉलेज के नोटिसबोर्ड पर इसकी सूचना दी जाए जिससे अधिक से अधिक स्टूडेंट्स इन कोर्सेज का फायदा उठा सकें।

टीचर्स भी कर सकेंगे कोर्स

स्टूडेंट्स के साथ साथ टीचर्स भी इन कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं। एक स्टूडेंट या टीचर्स एक बार में एक से अधिक कोर्सेज के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकता है। रजिस्ट्रेशन के बाद अप्रेल के अंतिम सप्ताह से यह कोर्स ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। कोर्सेज में आवेदन की कोई अंतिम तिथि नहीं है लेकिन सीट सीमित होने के कारण मई से सितंबर 2021 बैच में एडमिशन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर ही होगा।

कोर्स पूरा होने पर मिलेगा सर्टिफिकेट

कोर्स पूरा स्टूडेंट्स और टीचर्स को ट्रिपलआईटी कोटा सर्टिफिकेट भी देगा। कोर्स करने के लिए लैपटॉप कम्प्यूटर या एंड्रायॅड मोबाइल और इंटरनेट की व्यवस्था स्टूडेंट्स को खुद करनी होगी। कोर्स में एडमिशन लेने के बाद उसमें दिए सभी लैसन वीडियो देखने होंगे जिससे कोर्स को समझा जा सके। हर लेसन या वीडियो के बाद उसमें कुछ ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न पूछे जाएंगे जिसके जवाब अनिवार्य होगा जिससे कोर्स से संबंधित स्टूडेंट का असेसमेंट होता रहेगा। कोर्स में वहीं सफल माना जाएगा जो हर कोर्स में न्यूनतम 40% अंक आएगा। उसे सर्टिफिकेट मिलेगा। हर सवाल को सॉल्व करने के लिए कुछ तीन अवसर मिलेंगे। यदि आंसर गलत होता है तो उसे ठीक करने के लिए 2 अवसर और दिए जाएंगे। तीन अवसर पूरा होते ही आसंर स्वतः ही लॉक हो जाएगा।

घर बैठे ना केवल कॉलेज स्टूडेंट्स बल्कि टीचर्स अपनी स्किल्स को और निखार सकें इसे ध्यान में रखते हुए हमने ट्रिपलआईटी कोटा के साथ एमओयू किया है। सभी कोर्सेज निशुल्क हैं, कोर्स पूरा होने पर ट्रिपलआईटी कोटा भी प्रदान करेगा। **संदेश नायक,** कॉलेज शिक्षा आयुक्त

जागरूक खबरें

आरपीएससी ने स्थगित किए 3 मई से 7 मई तक के साक्षात्कार

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य में लगातार बढ़ते संक्रमण के कारण आरपीएससी की ओर से आयोजित राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा प्रतियोगी परीक्षा 2018 के 3 से 7 मई तक होने वाले इंटरव्यू भी स्थगित कर दिए गए हैं। आयोग इससे पूर्व 19 से 30 अप्रैल तक के इंटरव्यू पहले ही स्थगित कर चुका है। अब आयोग इंटरव्यू की तिथि आगामी दिनों में तय करेगा। आयोग उप सचिव बीएल खटीक ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। आयोग ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं (टीएसपी, नॉन टीएसपी) (कार्मिक क-4/2 विभाग) संयुक्तप्रतियोगी परीक्षा 2018 के पदों के लिए 3 से 7 मई 2021 तक आयोजित किए जाने वाले इंटरव्यू कोविड महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए स्थगित किए हैं। इंटरव्यू का अगला कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा। इससे पूर्व आयोग 19 से 30 अप्रैल 2021 तक आयोजित किए जाने वाले इंटरव्यू 16 अप्रैल 2021 को ही स्थगित किए जा चुके हैं।

3 मई तक वर्क फ्रॉम होम रहेंगे शिक्षक

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए सरकार की ओर से लागू किए गए जन अनुशासन पखवाड़ा के तहत प्रदेश की सभी शिक्षण संस्थाएं 3 मई तक बंद रहेंगी। इस दौरान शिक्षण संस्थाएं और स्कूलों में वर्क फ्रॉम होम के आदेश जारी किए गए हैं। शिक्षा मंत्री और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के इस संबंध में निर्देश देने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में आदेश जारी किए। गौरतलब है कि सरकार की ओर से देर रात जारी की गई गाइडलाइन को लेकर शिक्षकों में असमंजस की स्थिति थी। गाइडलाइन में स्कूल बंद रखे जाने की बात कही गई थी लेकिन शिक्षकों को स्कूल आना है अथवा नहीं यह स्पष्ट नहीं था जिससे सोमवार सुबह से ही असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। प्रदेश के कई जिलों में स्कूल खुले और शिक्षक स्कूल आ गए। जिसके बाद इसके बाद गोविंद डोटासरा ने शिक्षकों के लिए नए आदेश जारी किए। गौरतलब है कि अनुशासन पखवाड़े के तहत जारी गाइडलाइन 19 अप्रैल से लेकर 3 मई तक लागू रहेगी।

भाजपा फिर शुरू करेगी सेवा ही संगठन अभियान, पूनियां ने किया वर्चुअल संवाद

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 3 मई सुबह 5 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगा दिया है। इसे ऐसे में गरीब और वंचित लोगों को सुविधा मुहैया कराने के लिहाज से भाजपा दोबारा सेवा ही संगठन अभियान के तहत काम करेगी। इसे लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने सोमवार को वर्चुअल माध्यम से पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ संवाद कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पूनियां ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा राजस्थान के कार्यकर्ता सेवा ही संगठन के तहत कोविड की विषम परिस्थितियों में कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए दोबारा सेवा कार्यों में जुट जाएं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देशानुसार कोरोना कालखण्ड में सेवा कार्यों के लिए पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को एक सामाजिक संगठन के तौर पर सक्रियता के साथ कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के लिए हेल्पडेस्क, मरीजों को अस्पतालों और दवाइयों के लिए मदद करना, ब्लड-प्लाज्मा डोनेशन में मदद, बूथ स्तर तक इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए आमजन को जागरूक करना, भोजन िद मदद कार्य विशेष कार्ययोजना में शामिल करने की जरूरत है।

घातक बीमारियां भी सहज योग से ठीक हो जाती हैं - डॉ. बंसल

जयपुर @ जागरूक जनता। आज के इस भागमभाग के युग में आदमी से शांति दूर हो चली है और उसे मानसिक बीमारियों के अलावा शारीरिक बीमारियों ने भी घेर लिया है। सहज योग के माध्यम से इन तमाम बीमारियों से मुक्ति मिल सकती है। यह कहना है सहज योग के विशेषज्ञ और धर्म ध्वजा वाहक डॉ. आई.एस. बंसल का। डॉ. बंसल ने बताया कि सहज योग की जानकारी यू-ट्यूब चैनल के माध्यम से भी दी जा रही है। डॉ. बंसल ने कहा कि सतयुग का प्रारंभ हो चुका है। आम आदमी सहज योग के माध्यम से अपना जीवन सुखी करने में सक्षम होगा। आज कोरोना वायरस संक्रमण से आमजन पूरी तरह प्रभावित है। सभी चिकित्सकीय पद्धतियां अपने स्तर पर कोरोना से निपटने के लिए दिन रात लगी हुई है। ऐसे में सहज योग से आप स्वयं अपने आप को तमाम मुक्ति दिलाने में सहायक होगा।

कोरोना टीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें केन्द्र-गहलोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि केन्द्र सरकार को 18 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों को कोरोना टीका लगाने की अनुमति देने के निर्णय के मद्देनजर अब टीकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। केन्द्र सरकार के देश में एक मई से 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी लोगों को कोराना का टीका लगाने की घोषणाा के बाद गहलोत ने मंगलवार को यह बात कही। गहलोत ने कहा कि अंत में केन्द्र सरकार ने 18 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों को टीका लगाने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। अब उसे टीकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीका लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि हम आने वाले दिनों में राज्यों में टीका वितरण के लिए एक तर्कसंगत और पारदर्शी रणनीति की आशा करते हैं।

उधर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनिया ने कहा कि एक मई से 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग का टीकाकरण प्रारम्भ होने जा रहा है। वहीं वैक्सीन निर्माता से अब राज्य सरकार सीधे तय कीमत पर टीका खरीद सकती है। इससे हमारे मुख्यमंत्री की शिकायत भी दूर हो जाएगी। उन्होंने सभी वयस्कों से कोराना का टीका लगाने का आग्रह किया। पूनिया ने कहा कि आज हमारे देश ने पूरे विश्व में कोविड-19 से लडने में सर्वाधिक सफलतम मापदंड पेश किए हैं, चाहे पूरे विश्व को वैक्सीन सप्लाई करना हो फिर चाहे अपने देश में 12 करोड़ से अधिक लोगों को अभी तक वैक्सीन लगाना हो। ऐसे मे राजनीति लाभ के लिए अनर्गल बयानबाजी नहीं की जानी चाहिए।

निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करें अफसर

समय पर शुरू हो प्रोजेक्ट-गहलोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की पहली बैठक हुई। वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए हुई बैठक में गहलोत ने राज्य में निवेश में आ रही अड़चनों को दूर कर नए प्रोजेक्ट्स समयबद्ध तरीके से शुरू करने और राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रदेश में दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और दिल्ली-मुंबई फ्रेट कॉरिडोर से लगते हुए क्षेत्रों के विकास और गैस ग्रिड का काम तेजी से पूरा करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उद्यमों को पैकेज, रियायत, छूट तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में आए प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसके अलावा रिप्स-2019 के तहत विशेष सुविधा पुंज की मांग के संबंध में प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। गहलोत ने राजस्थान उद्यम एकल खिड़की सामर्थ्यकारी और अनुज्ञापन (संशोधन) अधिनियम, 2020 के अंतर्गत गठित विनिधान बोर्ड (बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट) की पहली बैठक में कहा कि राज्य सरकार ने निवेश बढ़ाने के लिए पिछले दो साल में कई महत्वपूर्ण नीतियां एवं कार्यक्रम लागू किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने पर्यटन नीति बनाई है। इस बार बजट में 500 करोड़ रूपए का आवंटन पर्यटन विकास कोष के लिए किया गया है। यह राशि प्रदेश की ट्यूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर ब्रांडिंग करने तथा पर्यटन की आधारभूत संरचना के विकास एवं निवेश पर खर्च की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योग एवं निवेश से जुड़े विभाग पर्यटन विभाग के साथ मिलकर कार्य-योजना बनाएं एवं पर्यटन के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के लिए कार्य करें।

हल्के लक्षण दिखने के बाद टेस्ट में राहुल पॉजिटिव, आइसोलेट हुए

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि हल्के सिम्पटम होने के बाद आज मेरी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस दौरान जो कोई भी मेरे संपर्क में आए हों, वे कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें और सुरक्षित रहें। राहुल पिछले कई दिनों से केरल, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु चुनाव में रैलियां कर रहे थे।

ब्रह्मांड नायक प्रभु श्रीराम
देखें पेज 5

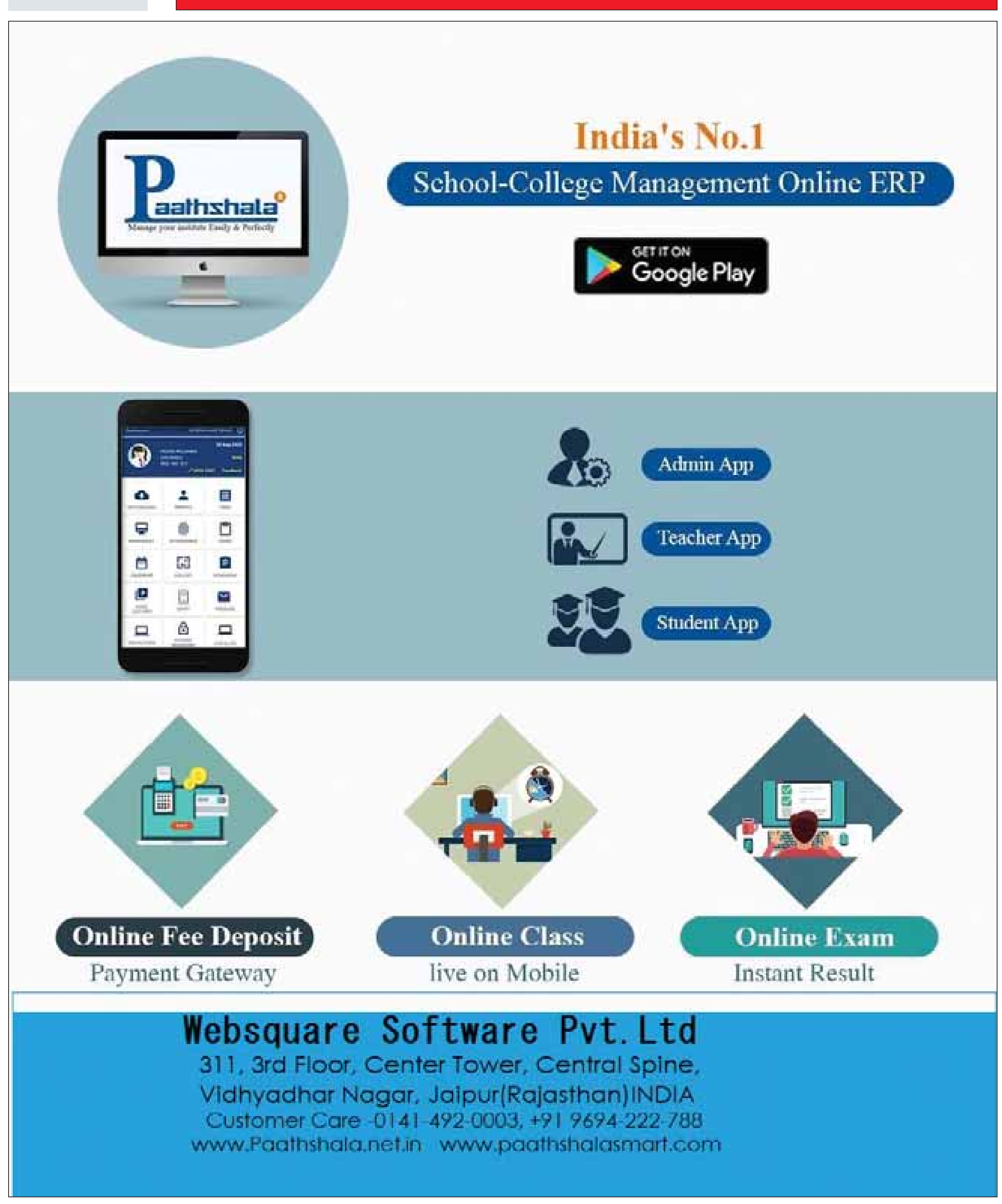

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

बुधवार, अप्रैल
21/04/2021

सूर्योदय : 05:53 **सूर्यास्त :** 18:32
चन्द्रोदय : 12:49 **चन्द्रास्त :** 01:39
शक सम्वत: 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** चैत्र **पूर्णिमांत :** चैत्र **सूर्य राशि :** मेष **चन्द्र राशि :** कर्क **पक्ष:** शुक्ल **तिथि :** नवमी, 24:31 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1943 प्लव **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत :** 2077 परिधावी **द्रिक ऋतु :** ग्रीष्म **वैदिक ऋतु :** वसन्त **द्रिक अयन :** उत्तरायण **वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग तथा करण

नक्षत्र : पुष्य, 07:53 तक
योग : शुला, 18:33 तक
प्रथम करण : बालवा, 12:40 तक
द्वितिय करण : कौवाला, 24:31 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	: 04:28 ए एम, अप्रैल 22 से
प्रातः सन्ध्या	: 04:50 ए एम, अप्रैल 22 से
विजय मुहूर्त	: 02:35 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	: 06:41 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	: 06:54 पी एम से
रवि योग	: 07:59 ए एम से
निशिता मुहूर्त	: 12:03 ए एम, अप्रैल 22 से

दिन का चौघड़िया

लाभ	: 05:52 - 07:27
अमृत	: 07:27 - 09:02
काल काल वेला	: 09:02 - 10:37
शुभ	: 10:37 - 12:12
रोग वार वेला	: 12:12 - 13:47
उद्वेग	: 13:47 - 15:21
चार	: 15:21 - 16:56
लाभ	: 16:56 - 18:31

रात का चौघड़िया

उद्वेग	: 18:31 - 19:56
शुभ	: 19:56 - 21:21
अमृत	: 21:21 - 22:46
चार	: 22:46 - 24:11
रोग	: 24:11 - 25:36
काल	: 25:36 - 27:01
लाभ	: 27:01 - 28:26
उद्वेग	: 28:26 - 29:51

निवास और शूल

होमाहुति	: शुक्र
दिशा शूल	: उत्तर
चन्द्र वास	: उत्तर
राहु वास	: दक्षिण-पश्चिम

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज नवमी तिथि को करें कौन सा कार्य

नवमी रिक्ता तिथि है इसलिए इस दिन कोई भी नया, मांगलिक कार्य वर्जित है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

सम्पादकीय

परीक्षाओं का सम्मान

रा**कोरोना** ने अपना प्रहार बढ़ा दिया है और उसके नतीजे आए दिन सामने आने लगे हैं। अंततः केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित और 10वीं की परीक्षाओं को रद्द करने पर मजबूर हो गया। संक्रमण के बढ़ने के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो बैठक प्रस्तावित थी, उसके पहले ही यह अंदाजा लगने लगा था कि सरकार बड़ा फैसला करने वाली है। जब देश में प्रतिदिन संक्रमण के मामले दो लाख के करीब पहुंच गए हैं, तब सामूहिक रूप से एक साथ बैठाकर बच्चों की परीक्षा लेना कतई सही नहीं होता। दसवीं की परीक्षा को पहले ही बहुत टाल दिया गया था, लेकिन अब उसे टालना नामुमकिन था, इसलिए उसे रद्द करने में ही सरकार ने सबकी भलाई समझी। 12वीं की परीक्षा चूंकि आगे की पेशेवर पढ़ाई के लिए जरूरी होती है, इसलिए उसके लिए सरकार उचित ही इंतजार करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक व केंद्रीय शिक्षा सचिव और अन्य शीर्ष अधिकारियों की बैठक में लिए गए फैसलों का स्वागत करना चाहिए। सुरक्षा के तमाम इंतजामों के बावूजद 4 मई से 14 जून के बीच परीक्षा लेना खतरे से खाली नहीं होता। अब राज्यों को भी अपने यहां बोर्ड परीक्षाओं के बारे में फैसला लेने में आसानी होगी। महत्वपूर्ण फैसले के अनुसार, आंतरिक मूल्यांकन से ही छात्रों को दसवीं में पास कर दिया जाएगा। जाहिर है, उन बच्चों के साथ यह नाइंसाइफी है, जो वर्षों से इस परीक्षा के लिए तैयारी कर रहे थे। निकट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब दसवीं की परीक्षा रद्द कर दी गई है, वरना दसवीं की परीक्षा का पारिवारिक-शैक्षणिक तनाव पांचवीं-छठी कक्षा से ही शुरू हो जाता है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि अभी दसवीं की परीक्षा से वंचित बच्चों को दोबारा मौका नहीं मिलेगा। जब कोरोना का असर कम होगा, तब सरकार दसवीं की परीक्षा कराएगी और उसमें वे तमाम बच्चे शामिल हो सकेंगे, जो आंतरिक मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं होंगे। जहां तक 12वीं की परीक्षा का सवाल है, तो सरकार 1 जून को देश में कोरोना का हाल देखने के बाद फैसला लेगी।

समय आ गया है, अब शिक्षा अधिकारियों को पारंपरिक परीक्षा के बेहतर विकल्प पर सोचना पड़ेगा। परीक्षाओं को रद्द करते चलना देश की शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए ठीक नहीं है। जिन नेताओं ने विद्यार्थियों के हित में परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की है, उन्हें भी परीक्षा के ऐसे ढांचे पर विचार करना चाहिए, जिससे कोरोना जैसी आपदाओं के समय भी छात्रों की सही परीक्षा ली जा सके और उनका यथोचित मूल्यांकन किया जा सके। दसवीं पास करने जा रहे विद्यार्थियों के मूल्यांकन की पद्धति भी पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को संतुष्ट किया जा सके। सरकार और बोर्ड को आंतरिक मूल्यांकन के पैमाने भी तय करने होंगे, जिस पर सभी स्कूलों को चलने के लिए पाबंद करना होगा। सरकार के इस फैसले से छात्रों के बीच यह भी संदेश गया है कि पढ़ाई के दौरान हर परीक्षा को गंभीरता से लेना चाहिए। हो सकता है, भविष्य हमें फाइनल परीक्षा का मौका ही न दे और पहले के प्रदर्शन के आधार पर ही स्कूल या बोर्ड चालू मूल्यांकन करने लगें। अतः विपरीत हालात में लिया गया सरकार का यह फैसला विद्यार्थियों के लिए सबक है, जिसकी रोशनी आगे हमेशा काम आएगी।

श्मशानों के बाहर अपने परिजनों के अंतिम संस्कार का इंतजार कर रहे लोग बेबसी के आंसू बहाते रहे। ऑक्सीजन नहीं मिलने पर बीमार लोग दम तोड़ते रहे, सैकड़ों की संख्या में मरीज ऑक्सीजन और वेंटीलेटर का इंतजार करते रहे, और दूसरी तरफ कुंभ मेले में शामिल हजारों श्रद्धालु गंगा के पावन पानी में अपने पाप धोते रहे।

जिंदगी से भी ज्यादा जरूरी है आस्था और वोट!

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार

कोरोना की दूसरी लहर की अनदेखी राजस्थान समेत उन राज्यों में भी की गई, जहां विधानसभा चुनाव या उपचुनाव हो रहे हैं। तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत चुनावी रैलियों में झोंक दी और मौत और मायूसी से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया।

जिं**दगी** से भी ज्यादा जरूरी है ईश्वर में आस्था और जनप्रतिनिधि चुनने के लिए वोट! जी हां, पिछले दिनों जिस किसी ने हमारे देश की तस्वीर पर नजर डाली, तो उसे यही मंजर नजर आया होगा। एक तरफ कोरोना वायरस से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर प्रतिदिन दो लाख के पार पहुंच गई, दूसरी तरफ कुंभ मेले में शामिल हजारों श्रद्धालु गंगा के पावन पानी में अपने पाप धोते रहे और जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां राजनेताओं की रैलियों में सैकड़ों-हजारों लोगों का हुजूम अपने पसंदीदा नेता और पार्टी के लिए जयकारे करता रहा।

मेरा भारत महान!

क्या हुआ जो श्मशानों के बाहर अपने परिजनों के अंतिम संस्कार का इंतजार कर रहे लोग बेबसी के आंसू बहाते रहे। क्या हुआ जो ऑक्सीजन नहीं मिलने पर बीमार लोग दम तोड़ते रहे। सैकड़ों की संख्या में मरीज ऑक्सीजन और वेंटीलेटर का इंतजार करते रहे। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि देश के कई राज्यों में कोविड वैक्सीन का स्टॉक ही खत्म हो गया। बच्चे, बड़े, बूढ़े, औरतें सब कोरोना की गिरफ्त में आते रहे और मजदूर तबका एक बार फिर सड़कों पर आ गया। रोजी-रोटी के लाले पड़ने लगे। लोग घर छोड़कर पलायन करने लगे। किसी सामाजिक और धार्मिक समारोह में 50 से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर पाबंदी लगा दी गई और अंतिम संस्कार में सिर्फ 20 लोगों को शामिल होने की इजाजत दी गई।

लेकिन जिन लोगों को हमने चुना, जिनके हाथों में हमने अपनी जिंदगी की कमान सौंपी, वे राजनीतिक आस्था के समंदर में डुबकियां लगाते रहे। और जिन लोगों का फर्ज था कि वे व्यवस्था से सवाल करें कि आखिर बेबस, असहाय जनता को मरने के लिए क्यों छोड़ दिया गया है, उन लोगों ने अपने बिलों से बाहर झांकने की जुर्रत भी नहीं की। समूचा मीडिया और तमाम प्रतिपक्षी पार्टियां मिलकर भी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा नहीं कर पाए।

किसी ने यह नहीं पूछा कि जब अंतिम संस्कार में सिर्फ 20 लोगों को शामिल होने की अनुमति है, तो चुनावी रैलियों में हजारों लोग कैसे जुटाए जा सकते हैं। किसी ने यह सवाल नहीं किया कि जब बोर्ड की परीक्षाएं टाली जा सकती हैं, तो कोरोना लहर की दूसरी लहर के बीच लाखों लोगों को कुंभ में जुटने की इजाजत कैसे दी जा सकती है। वह भी उस स्थिति में जब सारे विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कोरोना की दूसरी लहर पहले से ज्यादा खतरनाक है। संतों के अखाड़े कहीं नाराज नहीं हो जाएं, इस डर से सरकार ने कुंभ मेले को रोकने का कोई प्रयास नहीं किया। आखिरकार जब कुंभ मेले के बीच निर्वाणी अखाड़े के महामंडलेश्वर कपिल देव की कोरोना संक्रमण से मौत हो गई, तो साधु-संतों की चिंता बढ़ गई। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए अखाड़ा परिषद के दूसरे बड़े निरंजनी अखाड़े ने 15 दिन पहले ऐलान किया कि उनके लिए कुंभ मेला खत्म हो चुका है। लेकिन इस दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथसिंह रावत गंगा नदी के प्रति अपनी आस्था का इजहार करते हुए कहते रहे कि 'मां गंगा के प्रवाह और आशीर्वाद से कोरोना का संक्रमण दूर ही रहेगा। मां गंगा इसे फैलने नहीं देंगी। ईश्वर में आस्था वायरस को खत्म कर देगी। मुझे इसका पूरा भरोसा है।' जाहिर है कि कुंभ में लोगों के जमावड़े को वे निरापद मानते हैं, क्योंकि इसमें शामिल लोगों पर ऊपर बैठे देवता अपनी कृपा बरसा रहे हैं! इसी कृपा के सहारे लोगों का विशाल हुजूम कुंभ मेले में नदियों में डुबकी लगाता रहा। नदियों के पानी में श्रद्धालु अपने पाप धोते रहे और कोविड के केस तूफानी गति से बढ़ते हुए पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते चले गए।

देश में मुख्यधारा के मीडिया ने कुंभ मेले के नाम पर बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने पर दबे स्वर में आवाज उठाई, हालांकि यह आवाज इतनी कमजोर थी कि खुद को भी शायद सुनाई नहीं दे, ऐसे में सरकार तक इस आवाज के पहुंचने की उम्मीद करना ही बेमानी है। लेकिन विदेशी मीडिया ने लगातार इस पर सवाल उठाए और इस तरह के जमावड़े को कोरोना का 'सुपर स्प्रेडर' बताया। 'वाशिंगटन पोस्ट' ने तो यहां तक लिखा कि 'कोविड संक्रमण ने भारत को निगल लिया है, लेकिन लोग अभी भी गंगा नदी में बिना मास्क पहने डुबकी लगा रहे हैं।' 'टाइम' मैगजीन ने लिखा, 'कुंभ की तस्वीरों से पता चलता है कि गंगा में नहाने के लिए लोगों की भारी भीड़ जमा है। लेकिन पुलिस के पास लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करवाने का कोई अधिकार नहीं है।' बाद में उत्तराखंड के पुलिस महानिरीक्षक ने स्वीकार भी किया कि पुलिस ने अगर कुंभ में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करवाने की कोशिश की होती, तो भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी।

कोरोना की दूसरी लहर की अनदेखी राजस्थान समेत उन राज्यों में भी की गई, जहां विधानसभा चुनाव या उपचुनाव हो रहे हैं। तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत चुनावी रैलियों में झोंक दी और मौत और मायूसी से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया। अब इस सवाल का कोई महत्व नहीं रह जाता कि राजनीतिक पार्टियों की इन रैलियों में कितने लोग मास्क पहने थे। इन रैलियों में सोशल डिस्टेंसिंग की किस हद तक धज्जियां उड़ाई गईं, यह हम सबने देखा। यहां तक कि खुद प्रधानमंत्री की रैलियों में भी कोविड प्रोटोकॉल का खुला उल्लंघन किया गया। दूसरी तरफ मीडिया का एक बड़ा वर्ग उन्हें 'वैक्सीन गुरु' की उपाधि से विभूषित करता रहा, लेकिन किसी ने यह सवाल नहीं किया कि देश के कुछ राज्य लगातार वैक्सीन की कमी से क्यों जूझ रहे हैं। सत्ताधारी दल को नाराज करने का 'दुस्साहस' आखिर कौन करे?

(ये लेखक के अपने विचार है)

राशिफल

आचार्य राजेश शास्त्री
चैत्र, शुक्ल, नवमी, 2078
बुधवार, 21 अप्रैल- 27 अप्रैल, 2021

मेष — **आर्थिक** विषयों, संतान के विषय में, प्रणय संबंधों, विद्याभ्यास के क्षेत्र में समय मध्यम रहेगा।

वृषभ — **आपके** खूब प्रयास करने पर भी कामकाज में कोई-न-कोई अवरोध आ रहा हो ऐसा प्रतीत होगा।

मिथुन — **प्रणय** संबंधी विषयों के लिए समय अनुकूल रहेगा। संतान के इच्छुक जातकों के लिए भी यह आशा भरा समय है।

कर्क — **पैतृक** संपत्ति से संबंधित विवाद के समाधान के लिए अनुकूल समय है। लंबी अवधि की योजना रद्द हो सकती है।

सिंह — **धन** की चिंता दूर होगी। आय में वृद्धि होने से पैसे की तंगी में कमी आएगी। भाई-बंधुओं के साथ मिलन होगा।

कन्या — **अधीनस्थ** लोगों अथवा नौकरों से लाभ होगा। प्रोफेशनल या व्यक्ति गत कारणों से छोटी यात्रा का योग बन रहा है।

तुला — **कैरियर** संबंधी कोई भी निर्णय लेने में सतर्कता बरतें। शॉर्टकट से धन कमाने के लिए आप नवीन कार्य करेंगे।

वृश्चिक — **सप्ताह** की शुरुआत के दो दिनों में विवाह के इच्छुक व्यक्ति यों को योग्य साथी मिलने की संभावना बनेगी।

धनु — **स्वास्थ्य** का ध्यान रखना होगा। लोन लेने के कार्यों में थोड़ा विलंब होगा। मेहमानों के आगमन की संभावना है।

मकर — **परिवार** में धार्मिक काम होंगे, मांगलिक प्रसंग होने का योग है। कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण काम में भागीदारी मिलेगी।

कुंभ — **सरकारी** मामलों को लेकर कोई परेशानी हो सकती है। पुत्रों के साथ मतभेद हो सकते हैं।

मीन — **व्यापार** में सावधानी रखें नुकसान हो सकती है। भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। शत्रु से परेशानी होगी।

आखिर वह कैसी मां, जो बच्चों को माने बोझ

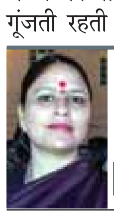

जागरूक जनता
jagrukjanta.in
विचार
क्षमा शर्मा

हा**ल** ही में दिल्ली के हरिनगर इलाके से एक खबर आई। आठ साल के बच्चे को सौतेली मां के अत्याचार से दिल्ली महिला आयोग ने बचाया। इस बच्चे को सौतेली मां रोज बहुत मारती थी। उसकी चीखें गूंजती रहती थीं। आखिरकार, एक दिन पड़ोसियों से रहा नहीं गया और उन्होंने पुलिस और महिला आयोग को सूचित किया। महिला आयोग की टीम जब वहां पहुंची, तब भी बच्चे के रोने-चीखने की आवाजें आ रही थीं। जब इस बच्चे को बाहर लाया गया, तब उसके हाथ, पांव नीले पड़े हुए थे। शरीर में जगह-जगह घाव थे। पहले बच्चा डर के मारे कुछ नहीं बोल रहा था, लेकिन जब उसकी काउंसलिंग की गई, तब उसने सारी बातें बताईं। भला हो उन पड़ोसियों का, जो बच्चे के दुख से इतने दुखी हुए, वरना लोग अनसुना करके ही निकल जाते हैं। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा भी कि यह उनके कार्य क्षेत्र में नहीं आता है, लेकिन एक बच्चे को हर हाल में बचाना उनका फर्ज था। बरसों पहले बनी फिल्म अमर प्रेम तो हममें से बहुत से लोगों ने देखी होगी। जहां सौतेली मां के अत्याचारों से तंग आकर बच्चा फिल्म की नायिका के पास आता है, वही उसका ख्याल रखती है। बीमार पड़ने पर इलाज कराती है, जबकि उसके माता-पिता यह नहीं चाहते कि बच्चा एक नाचने-गाने वाली के संपर्क में रहे। जब यह बच्चा बड़ा होकर अपने पांवों पर खड़ा हो जाता है, तब उस नायिका को ढूंढ़ता है। उसे मां कहकर पुकारता है और अपने साथ ले जाता है। सौतेली मां के अत्याचार के किस्से हमारे अनेक ग्रंथों, लोककथाओं में भी भरे पड़े हैं। लेकिन आजकल न ऐसी कहानियां लिखी जाती हैं, और न ही फिल्मों में सौतली मां कोई विषय बनता है। विमर्शों की धक्कमपेल में सौतेली मां पर कहानी लिखते ही रचनाकार को औरतों के विरुद्ध लिखने वाला घोषित कर दिया जाएगा। कहा जाएगा कि औरतें तो ऐसा कर ही नहीं सकतीं। यह सब लिखना तो स्त्री विरोधियों का काम है। विमर्श जिस तरह का पाटा फेरते हैं, उसमें बहुत बार अपराधी को भी देवता की श्रेणी मिल जाती है। वरना क्या संसार से सौतेली माएं खत्म हो गई हैं या उनके अत्याचार? मगर आजकल ये बातें ज्यादा खबर नहीं बनतीं। सच तो यह है कि अपने देश में हर साल खून की कमी के कारण ही तीन लाख से ज्यादा औरतें मर जाती हैं। अन्य बीमारियों से भी बहुत सी औरतें दम तोड़ती होंगी। आखिर इनके बच्चे भी होते होंगे। इन बच्चों के पिता दूसरा विवाह भी करते होंगे। मां की अनुपस्थिति में इन बच्चों पर क्या बीतती होगी? पहले तो इन्हें दादी, नानी, बुआ, ताई, मौसी, मामी पाल लेती थीं, लेकिन इन दिनों तो बहुत सी महिलाएं अपने बच्चों को पालना ही बोझ समझती हैं, तो भला दूसरों के बच्चों को कौन पाले? देखने में तो यह भी आया है कि बहुत बार बेहद नजदीकी रिश्तेदार महिलाएं भी सौतेली मां बनकर, बच्चों पर इतने भयानक अत्याचार करती हैं कि रोंगटे खड़े हो जाते हैं। सालों पहले हिंदी के एक बड़े अखबार ने खबर छापी थी कि एक मां अपने पीछे एक बच्चा छोड़ गई। बच्चे के पिता ने बच्चे की सगी मौसी से विवाह कर लिया। सगी मौसी ने इस छोटे बालक पर इतने अत्याचार किए कि जब संवाददाता उस बच्चे से मिलने गया, तो अपने आंसू न रोक सका। मौसी मारपीट तो करती ही थी, बच्चे को भूखा रखती और एक दिन बच्चे की आंखों में बिजली का करंट लगा दिया, जिससे वह दृष्टिहीन हो गया। जब संवाददाता इससे मिला, तो वह अस्पताल में था। उसकी दादी उसके पास बैठी रो रही थी। बच्चे के हाथों में चॉकलेट थी। इतनी तकलीफ में भी उसने संवाददाता से पूछा, अंकल, आप चॉकलेट खाओगे। हर धर्म और समुदाय में बच्चे सौतेली मां के अत्याचारों से प्रताड़ित होते हैं। ऐसे अत्याचार का समाधान यही है कि समाज को बच्चों के प्रति ज्यादा संवेदनशील और सतर्क रहना चाहिए। कई बार सौतेली मां बहुत अच्छी भी होती हैं। बच्चों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार करती हैं। एक मां ऐसी भी मिली, जिसने अपने बच्चे को जन्म नहीं दिया। उसका कहना था कि जब मेरे ये दो बच्चे हैं ही, तो इन्हें ही ठीक से पाल लूं, यही बड़ी बात होगी। ऐसी माताओं को समाज की बहुत तारीफ भी मिलती है। बच्चे भी बड़े होकर इनका बहुत आदर करते हैं।

विमर्शों की धक्कमपेल में सौतेली मां पर कहानी लिखते ही रचनाकार को औरतों के विरुद्ध लिखने वाला घोषित कर दिया जाएगा। कहा जाएगा कि औरतें तो ऐसा कर ही नहीं सकतीं। यह सब लिखना तो स्त्री विरोधियों का काम है। विमर्श जिस तरह का पाटा फेरते हैं, उसमें बहुत बार अपराधी को भी देवता की श्रेणी मिल जाती है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

हवा में वायरस

वै**ज्ञानिकों** ने यह बताया है कि कोरोना वायरस मुख्य रूप से हवा के माध्यम से प्रसारित हो रहा है और यह वायरस लंबी दूरी तय कर सकता है। तीन देशों के छह वैज्ञानिकों के अध्ययन का निचोड़ यह है कि हवा में ही वायरस का निपटारा करना पड़ेगा। चूंकि हम हवा में इस वायरस को फैलने से नहीं रोक पा रहे हैं, इसलिए यह तेजी से फैलता जा रहा है। शोधकर्ताओं में शामिल वैज्ञानिक लुईस जिमेनेज ने कहा है, 'हवाई संक्रमण का समर्थन करने वाले सुबूत मजबूत हैं और बड़ी बूंदों के जरिए संक्रमण का समर्थन करने वाले सुबूत लगभग नदारद हैं।' अब तक हम यही मान रहे थे कि यह वायरस ड्रॉप्लेट्स के जरिए ही ज्यादा फैलता है। ड्रॉप्लेट्स या बूंदों में भार होता है, इसलिए इनका हवा में दूर तक जाना नामुमकिन है, जबकि हवा में अगर वायरस विचरित हो रहा है, तो वह दूर तक जा सकता है। लुईस के अनुसार, यह जरूरी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य स्वास्थ्य एजेंसियां संक्रमण के अपने विवरण को वैज्ञानिक सुबूतों के अनुकूल करें, ताकि वायु से फैलते संक्रमण को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की टीम ने प्रकाशित शोध की समीक्षा की है और कोरोना के हवाई मार्ग या हवाई संक्रमण की प्रबलता के समर्थन में साक्ष्यों की पहचान की है। एक मामला तो ऐसा है, जिसमें एक ही व्यक्ति से 53 लोग संक्रमित हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है, निश्चित रूप से हवा के जरिए ही इतने लोगों तक संक्रमण पहुंचा होगा। मात्र किसी सतह या वस्तु को छूने से इतने लोगों को संक्रमण शायद नहीं हो सकता। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है, दुनिया में 40 प्रतिशत संक्रमण ऐसे लोगों से फैला है, जो न खांस रहे थे और न जिन्हें जुकाम था। ऐसे मौन संक्रमण ने ही पूरी दुनिया को परेशान कर रखा है। यह संक्रमण मुख्य रूप से वायु के माध्यम से ही हो रहा है। इसमें ड्रॉप्लेट्स की कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि ऐसे लोगों को भी कोरोना हुआ है, जो किसी भी संक्रमित के निकट नहीं गए थे। कुल मिलाकर, यह समझ लेना चाहिए कि हवा के जरिए होने वाले संक्रमण के सुबूत मजबूत हैं। अतः यह जरूरी है कि ऐसे संक्रमण को रोका जाए। जिनको खांसी और जुकाम है, उन्हें क्वारंटीन करने से भी ज्यादा जरूरी है, उन लोगों की पहचान करना, जिनमें लक्षण स्पष्ट नहीं हैं। जांच का कोई विकल्प नहीं है। सरकार के पास इतने संसाधन होने ही चाहिए कि वह कहीं भी किसी की जांच कर सके। कोई व्यक्ति अगर जांच कराना चाहे, तो उसे संसाधन के अभाव में कभी लौटाया न जाए। अगर कहीं डरे हुए मरीजों को बिना जांच और इलाज के लौटाया जा रहा है, तो यह कोरोना फैलाने के समान अपराध है। सरकारें मास्क संबंधी नियम कड़े कर रही हैं, लेकिन देखना होगा कि सरकारी व गैर-सरकारी, सभी लोग मास्क पहनें। जब लोगों की मौत हो रही हो, तब मास्क न पहनने के लिए बहानेबाजी भी किसी अपराध से कम नहीं। जो लोग मास्क पहनना नहीं चाहते, उन्हें घर से निकलने की जरूरत नहीं। ध्यान रहे, अमेरिकी वैज्ञानिकों ने डबल मास्क को ज्यादा बेहतर बताया है। कहीं भी अगर थोड़ी सी भी भीड़ है, तो वहां डबल मास्क पहनना चाहिए। मास्क की गुणवत्ता भी जांचनी चाहिए। ऐसा न हो कि किसी भी तरह का मास्क महज दिखाने के लिए पहन लिया जाए।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

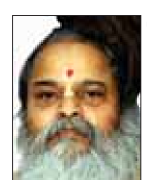

उनकी मूर्ति का ध्यान करना। 4. पादसेवन- श्रद्धापूर्वक भगवान के विग्रह की साक्षात चरण सेवा करना अथवा उनके पदकमलों का ध्यान करना। 5. अर्चन- बाहरी सामग्रियों से या मन से कल्पित् उपचारों से भगवान की पूजा करना। 6. वन्दन- भगवान के श्रीचरणों में प्रणाम करना या सब जीवों को भगवान का शरीर मानकर सबको प्रेमपूर्वक वन्दन करना। 7. दास्य- भगवान को ही अपना एक मात्र परम सेव्य स्वामी मानकर सेवक भाव से उनकी सेवा करना। सभी जीवों को प्रभु रूप समझकर उनकी यथायोग्य सेवा करना। 8. सख्य-अत्यंत भावपूर्वक भगवानव में मित्र, सखा भाव से प्रेम करना। जीव मात्र में प्रभु की अभिव्यक्ति समझकर सबसे मैत्रीपूर्ण बर्ताव करना। 9. आत्म निवेदन- अहंकार रहित अपने तन, मन, धन परिवार सहित अपने आपको, सर्वस्व को, लोक-परलोक को, भगवान के समर्पण कर देना। इनमें प्रथम तीन का संबंध भगवान के चिंतन से है, बीच के तीन का दिव्य आचरणों से और शेष तीन का समर्पण वृत्ति से है। ये भगवान की सगुणोपासना के प्रकार हैं। उपनिषदों में जिस उपासना का वर्णन है। वह प्रायः निराकार ब्रह्म की उपासना है। यह जन साधारण के अधिकार के दूर की चीज है, क्योंकि इसमें ध्यान, समाधि, कुंडलिनी जागरण, नादानुसंधान, ज्योति दर्शन आदि कई योग की जटित क्रियाओं से ब्रह्म साक्षात्कार की बातें हैं। बिना योग्य गुरु एवं पूर्व संस्कारों के इस तरह की साधना कठिन है। कठोपनिषद में यमराज ने नचिकेता को ब्रह्म विद्या का उपदेश दिया था। **क्रमशः**

जागरूक Selfie विद डॉटर-सन

पलक, स्पर्श डॉटर-सन अनिल जैन, जामडोली, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।
jagrukjantanews@gmail.com
सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-2338070

सृष्टि संचालक विराट महापुरुष की सूर्य व चन्द्रमा के समान ये दोनों आंखें, संपूर्ण मानव सभ्यता को प्रेरणा देती रहेंगी। मर्यादा पुरुषोत्तम राम युग-युगाब्द तक याद किए जाएंगे। भगवान श्रीराम राघवेन्द्र थे। इनका जन्म अयोध्या में हुआ। वे समस्त भारत भू-मंडल के चक्रवर्ती सम्राट कहलाते थे। सूर्यवंशीय श्रीराम चैत्र शुक्ल, नवमी, दिन को ठीक 12 बजे अभिजित मुहूर्त में अवतीर्ण हुए। भगवान श्रीराम की कुंडली में सूर्य, मंगल, गुरु, शनि उच्च राशिगत तथा चन्द्र स्वक्षेत्री थे। भगवान राम का जन्म चर लग्न में हुआ। उनकी जन्म पत्रिका के चारों केन्द्रों में उच्च के ग्रह पंच महापुरुष के योग का निर्माण कर रहे है। वृहस्पति से हंस योग, शनि से शष योग, मंगल से रूचक योग का निर्माण हो रहा है। लग्नस्थ कर्क राशि गत गुरु और चंद्र गजकेसरी योग। कर्क लग्न में सप्तमस्थ उच्च राशिगत मंगल पंचमेश और राज्येश बन कर प्रबल राजयोग बना रहा है। सूर्य उच्च राशिगत होकर राज्य भाव (कर्म भाव) में होने से भगवान राम चक्रवर्ती बने। उन्होंने युगों तक राज्य किया। भगवान श्रीरामचन्द्र जी की जन्म कुंडली पर अपनी अल्प बुद्धि से ज्योतिषीय विवेचना का प्रयास किया। विद्वतजनों से आग्रह है त्रुटियों को क्षमा करें। भगवान श्रीराम के जन्मदिन पर प्रस्तुत हैं बड़े विनम्र भक्तभाव से यह ज्योतिषीय कलेवर, कौतुकता से इसे निहारें। भगवान श्रीराम दीर्घकाल तक सभी जातकों की रक्षा करें।

ज्योतिषाचार्य
गोपाल शर्मा
कंचन धाम
गेण्डोली, बूंदी
jagrukjanta.net

ब्रह्माण्ड नायक प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव पर विशेष

ज्योतिष के आईने में
मर्यादा पुरुषोत्तम राम

भगवान श्रीराम की जन्म कुंडली

भगवान श्रीराम की कुंडली के दसम भवन में सूर्य उच्च राशि में विराजमान हैं। सूर्यदेव 12 कलाओं में मर्यादित हैं, फलतः श्रीराम का चरित्र मर्यादित है। इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहा गया है। वे सत्य वक्ता थे। उनके मुख से जो वचन निकल गया वह सत्य होता था, पूर्ण होता था, अमोघ होता था। महाकवि तुलसीदास जी ने रामायण में लिखा है रघुकुल रीति सदा चली आई, प्राण जाहि पर वचन नहीं जाही। सूर्य, दसम भवन में राज्य, कीर्ति का कारक ग्रह भी हैं, अस्तु प्रभु राम चाहें वे अयोध्या में रहे हों या अपने विद्याकाल में गुरु वसिष्ठ के गुरुकुल में अथवा वन में या चक्रवर्ती सम्राट के रूप में अयोध्या में रहे हों। उनकी यश, कीर्ति, न्याय व्यवस्था मानव सभ्यता में सदैव स्तुत्यनीय तथा अनंतकाल तक कीर्ति पताका दिग्दिगंत तक फहराती रहेगी। दशरथ पुत्र राम की जन्म कुंडली में चन्द्र देव स्वक्षेत्री कर्क लग्न में उच्च राशिगत देव गुरु वृहस्पति के साथ विराजमान होकर कह रहे हैं कि यह जातक तन, मन से विलक्षण प्रतिभा सम्पन्न होकर सुदर्शनीय तो होगा ही, साथ ही शील तत्व, स्वभाव कार्यकुशलता की दृष्टि से एक ऐसे विराट व्यक्तित्व का धनी होगा, जिसे विश्व मानव समाज श्रद्धामयी दृष्टि से अपलक निहारता हुआ राममय हो जाएगा।

द्वितीय भवन

भरताग्रज राम की कुंडली के द्वितीय भवन का स्वामी नवग्रहों का राजा सूर्य विराजमान है, सूर्य कुलभूषण श्रीराम इक्ष्वाकु वंश की महानता को कलकल करती गंगा की तरह सदैव यशस्वी बनाए रखेंगे। द्वितीय भवन ज्योतिषीय ग्रंथों में द्वितीय भवन से जातक के नाक, कान, नेत्र, मुख, दंत, कंठ स्वर, सौन्दर्य, प्रेम आदि से जातक के व्यक्तित्व को देखा जाता है। भगवान श्रीराम सौन्दर्य की अद्भुत प्रतिमा तथा प्रेम के अर्थ को समझने के लिए तीनों माताओं के प्रति श्रद्धा, भाइयों के प्रति अगाध स्नेह, सुमंत से लेकर समस्त अयोध्यावासियों के प्रति कर्तव्यपरायणता, सुग्रीव, विभीषण आदि अनगिनत मित्रों के प्रति चिरस्मरणीय स्नेहमूर्ति तथा भार्या जनकनंदिनी सीता के प्रति अलौकिक प्रीति ने ही उन्हें लंकापति रावण से युद्ध की अनिवार्यता स्वीकारी थी।

तृतीय भवन

पवन पुत्र हनुमानजी के इष्ट प्रभु श्रीराम की कुंडली के तृतीय भवन में कन्या राशिगत स्वक्षेत्री राहु विराजमान हैं। तृतीय भवन बन्धु, पराक्रम, शौर्य, योगाभ्यास, साहस आदि का मीमांसा का गृह है। भगवान श्रीराम का शौर्य, पराक्रम तो राम-रावण के भीषण युद्ध में परिलक्षित होकर सदैव अविस्मरणीय रहेगा। भ्रात प्रेम में तो प्रभु श्रीराम का भरत प्रेम, जो समस्त प्रेमों की ज्ञानगंगा है।

चतुर्थ भवन

कौशल्यानंदन श्रीराम की जन्म कुंडली के चतुर्थ भवन में तुला राशि में उच्च राशिगत शनिदेव विराजमान हैं। ज्योतिष ग्रंथों में चतुर्थ भवन से व्यक्ति के अन्तःकरण, सुख, शान्ति, भूमि, भवन बाग-बगीचा, निधि, दया, औदार्य, परोपकार, मातृ सुख आदि का निरूपण जातक की जीवन शैली में देखा जा सकता है। प्रभु श्रीराम की कुंडली का चतुर्थेश शुक्र, भाग्य भवन में अपनी उच्च राशि मीन में विराजमान हैं। उच्च राशिगत शनि प्रभु श्रीराम से मर्यादित जीवन के प्रति आग्रहशील हैं। भूमि, भवन का सुख तो चक्रवर्ती राजा के लिए सहज सुलभ हैं। अन्तःकरण की दृष्टि से सर्वत्र प्रेम का अनुग्रह तथा दया और औदार्यता महर्षि गौतम की पत्नी अहिल्या को श्रापमुक्त कर पाषाण से नारी रूप प्रदान करना तथा शबरी के जूठे बेर खाना औदार्यता का सुखद पक्ष है। मातात्रय कैकेयी, कौशल्या, सुमित्रा के प्रति मातृ भक्ति सदैव स्तुत्यणीय एवं प्रेरणास्पद रहेगी।

पंचम भवन

लवकुश के पिता प्रभु श्रीराम की जन्म कुंडली में पंचम भवन में वृश्चिक राशि है। वृश्चिक राशि का स्वामी मंगल सप्तम भवन में उच्च राशि में (मकर में) विराजमान हैं। पंचम भवन से जातक की संतान, स्थावर जंगम, हाथ का यश, बुद्धि चातुर्य, विवेकशीलता, सौजन्य तथा परीक्षा में यश प्राप्ति से जुड़ी है। लवकुश के रूप में महान प्रतापी पुत्र तथा स्थावर संपत्ति के रूप अयोध्या का चक्रवर्ती साम्राज्य एवं अपनी बुद्धि-विवेक के बल सीता की खोज में सुग्रीव से मित्रता, लंका विजय में लंकापति रावण के अनुज विभीषण का युद्ध के पूर्व लंकापति बनाने के लिए राजतिलक करना तथा मर्यादा में रहते हुए खर दूषण, कुम्भकरण, लंकापति रावण से लेकर अनेक

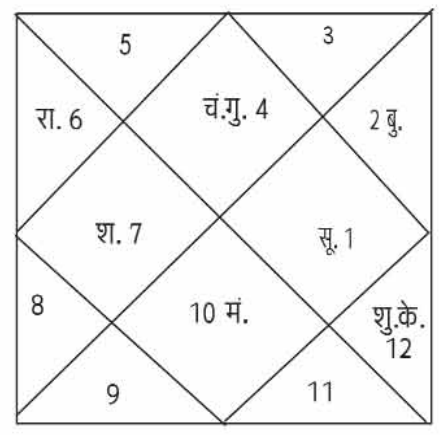

आततायी असुरों का वध कर रामराज्य की स्थापना करना बुद्धिचातुर्य की रहस्यमयी परिणिति के सिवा और क्या है?

असुर विजेता राम
षष्टम् भवन

श्रीराम की जन्म कुंडली षष्टम् भवन धनु राशि अवस्थित है। षष्टम् भवन रोग, शत्रुओं से जातक की कथा व्यथा का सांकेतिक है। इस भाव से शत्रु कष्ट के अभाव से जुड़े प्रश्नों की रहस्यमयता को उजागर करते हैं। श्रीराम की कुंडली का षष्ठेष धनु राशि के स्वामी देव गुरु वृहस्पति लग्न भवन में कर्क राशिगत चन्द्रमा के साथ अपनी उच्च राशि (कर्क) में विराजमान होकर गजकेसरी योग बना रहे हैं। जिसका सामान्य भाषा में अर्थ है : वनराज सिंह हाथियों को अपनी एक हुंकार (गर्जना) में भगा देता है। गज याने हाथी, केशरी याने सिंह। गुरु विश्वामित्र से शस्त्र शिक्षा में अनेक रहस्यमयी विद्याओं का ज्ञान प्राप्त किया। जिसका सर्वप्रथम प्रयोग ताड़का और सुबाहु के वध के रूप में घटित हुआ। श्री रामचंद्र जी ने जहां जहां अपने पग रखे, वहां उन्हें यश मिला। शत्रु विजय सीता स्वयंवर से लेकर खरदूषण तथा वानरराज बालि तथा दशानन रावण तक अनेक शक्तिशाली अपराजेय योद्धाओं का वध किया।

तुलसी की रामचरित मानस में

खरदूषण मो सम बलबन्ता। मार सकें न बिनु भगवन्ता।

रावण संहिता में दशानन रावण ने धनु राशिगत षष्टम् भवन की व्याख्या करते हुए लिखा है ऐसा जातक शत्रुओं का घमंड चूर करने वाला तथा अपने बड़ों को मान देने वाला होता है। त्रेतायुगीन राम ने धरती पर आसुरी शक्तियों का तो नाश किया, साथ ही अपने गुरुओं, ऋषियों-मुनियों को यथेष्ठ सम्मान देकर उनका मान भी बढ़ाया है।

सीता पति रघुनन्दन श्रीराम सप्तम भवन

रघुनन्दन श्रीराम की जन्म कुंडली के सप्तम भवन में मकर राशि में उच्च राशिगत भूमि पुत्र मंगल विराजमान हैं। सप्तमस्य मंगल होने से श्रीरामजी की कुण्डली मंगली बन गई। मंगल पंचमेश और राज्येश है। गजकेशरी योग की सप्तम दृष्टि दाम्पत्य जीवन को भी प्रभावित कर रही है। जनकनंदिनी सीताजी से उनका विवाह धनुषभंजन के बाद विवाह हुआ, किन्तु भूमि पुत्र मंगल उच्चासीन होकर कह रहे हैं। जातक को दाम्पत्य जीवन का सुख तो दूंगा, किन्तु अल्पकालीन।

सप्तम भवन

पारिवारिक झगड़े तथा भूत, भविष्य, वर्तमान की स्थिति का सिंहावलोकन भी किया जाता है। मंथरा की षडयंत्रमयी योजना ने कैकेयी की मति भ्रष्ट की। परिणितीवश श्रीराम को वनगमन, सीताहरण, आसुरी शक्तियों का विनाश, लंका विजय के पश्चात् अध्योध्या में राजतिलक, वैदेही सीता का त्याग, ऋषि वाल्मीकि के आश्रम में श्रीसीताराम के पुत्रों लवकुश का जन्म, जनकनंदिनी सीता का भूमि में प्रवेश। ये सारे कथानक सप्तमस्थ उच्च राशिगत मंगल की चेष्टाओं का फल है।

रघुनंदन का आयु भवन

अष्टम भवन

श्रीराम जी की कुंडली में अष्टम भवन में कुम्भ राशि का स्वामी शनि चतुर्थ भवन में अपनी उच्चराशि तुला में विराजमान है। अष्टमेश शनि जातक की दीर्घायु का परिचायक है। किन्तु सप्तमेश और अष्टमेश शनि बलवान स्थिति में होकर जातक को दीर्घायु तो देता है, वहीं दूसरी ओर दाम्पत्य जीवन में अशुभता भी लाता है। साथ ही मृत्यु स्थान भी यह निर्धारित करता है। अष्टमेश शनि चतुर्थ भवन में होने से पारिवारिक विवाद के कारण वनगमन से सुख की हानि हुई। किन्तु वहां असुरों का विनाश कर यश मिला। रण रिपु अर्थात युद्ध क्षेत्रों में शत्रुओं का वमन भी किया। पृथ्वी से प्रस्थान के बाद चिरकाल तक यशोगाथा अनेक प्रतीकों में बनी रहेगी। यह भी उनके अष्टमेश उच्च राशिगत न्याय के देवता शनि की महिमा का फल है।

भाग्य भवनस्थ शुक्र

श्री राघव की कुंडली का भाग्य भवन कम चमत्कारी नहीं है। भाग्य भवन का स्वामी नवमेश गुरु अपनी उच्च राशि कर्क में चन्द्रदेव की युति के साथ लगनस्थ है। भाग्येश गजकेशरी योग बन रहा है, लग्न भवन में। भाग्य भवन में उच्च राशिगत शुक्र चतुर्थेश तथा द्वादशेष का स्वामी है। माता से लेकर भूमि, भवन, वाहन (रथ) आदि सभी सुखों से पूरित रहे, किन्तु अपनी सप्तम् दृष्टि से पराक्रम भवन को निहारते शुक्र ने पराक्रम के प्रदर्शन का माध्यम नारी जाति को बनाया। शुक्र स्त्री ग्रह है। महर्षि गौतम की पत्नी अहिल्या की मुक्ति, रावण से युद्ध में विजयश्री प्राप्त कर अशोक वाटिका से जनक नंदिनी सीता जी की मुक्ति, बालि वध से सुग्रीव की पत्नी रोमा की मुक्ति, श्रीराम की यशोगाथा का एक पक्ष है। वहीं दूसरी ओर आसुरी शक्तियों का नाश कर ऋषियों तथा जन-जन को निर्भय जीवन दिया, यह प्रभु श्रीराम के भाग्य भवन का पुण्य प्रताप ही तो था।

दसमस्थ सूर्य बुध

रघुनंदन श्रीराम की कुंडली के दसम भाव अर्थात राज्य भवन में सूर्य के साथ बुध की युति बुध आदित्य योग तो बना रहा है, किन्तु बुध व्ययेश होने से राजतिलक होते होते 14 वर्षीय वनवास का योग बन गया। व्ययेश बुध ने राजयोग खंडित किया, क्योंकि व्ययेश जिस भवन में विराजमान होता, उसे किंचित सम्मान की हानि तो देता ही है। बुध ने ही उन्हें पिता के सुख से वंचित किया। किन्तु सूर्य उच्च राशिगत होकर राजभवन में विराजने से गौरव, ऐश्वर्य एवं नेतृत्व का स्वामी बनाया। पिता की आज्ञा से वन गये। पिता का मान बढ़ाया। आसुरी शक्तियों के विनाश हेतु वानर जाति की सेना का नेतृत्व कर विजयश्री प्राप्त की। अधिकार प्राप्ति के रूप में सम्राट बने अयोध्या के। ईश्वर प्राप्ति भी दसम भवन से देखी जाती है, तो जो स्वयं त्रिभुवनपति हो उसे अपनी भक्ति में लगाकर मोक्ष प्रदान कराने में बुध का योगदान महत्वपूर्ण है। क्योंकि द्वादश भवन मोक्ष का भवन भी है। अपनी भक्ति से अनेक साधु, संतों, भक्तों तथा पापियों को भी मोक्षगामी बनाने में पथ-पथ पर प्रेरणा दी। प्रभुता भी दसम भवन का एक गुण है। तो श्रीराम प्रभुता पाकर भी दीनों के प्रति भी सहृदय बने रहे, यही उनकी अनुग्रहमयी प्रभुता है। किन्तु स्मरणीय रहे। चतुर्थ भवन उच्चराशिगत शनि की सप्तम दृष्टि नीच राशि पर होने के कारण ही उन्हें वनवास में 14 वर्षीय वनवासी जीवन बिताना पड़ा। भले ही प्रकृति की रहस्यमयता आसुरी शक्तियों के विनाश के रूप में रूपांतरित हो गई हो। किन्तु मंगल की चतुर्थ स्वक्षेत्री दृष्टि और सूर्य के उच्च राशिगत प्रभाव से वनवास की समाप्ति के पश्चात् पुनः राज्यारोहण ग्रहों की अपनी रहस्यमयी कलात्मक शक्तियों की ओजस्वीयता है।

एकादश : लाभस्थ भवन

एकादश भवन मूलत

लाभ, संपन्नता, वाहन, वैभव, स्वतंत्र चिन्तन के रूप में ज्योतिषीय ग्रंथों में स्वीकारा गया है। जन-जन के प्रभु राम स्वतंत्र चिंतन के रूप में नैसर्गिक अर्थात प्राकृतिक संपदाओं से मुक्ति का बोध कराते हैं। भक्तवत्सल श्रीराम का मानव से लेकर समस्त जीवों के प्रति उदार भाव तो था ही, किन्तु एकादशेष शुक्रभाग्य भवन में अपनी उच्च राशि मीन में विराजने से सभी के प्रति करुणा भाव बनाए रखने के प्रति संकल्पित रहे। अवतारी होने के बाद भी अपनी मानवीय मर्यादा में बने रहे। एक पत्नी व्रतधारी होने से उन्होंने संपूर्ण नारी समाज को गरिमा प्रदान की। मित्रों को सहोदर की तरह मान दिया। शत्रुओं के प्रति भी मानवीय मूल्यों का क्षरण उन्होंने नहीं स्वीकारा। वचन बद्धता राघव की निष्ठा का अमोघ शस्त्र रही।

मोक्ष का पर्याय द्वादश भवन

सीता पति राघव की कुंडली के बारहवें भवन में मिथुन राशि की स्थापना ने मर्यादा पुरुषोत्तम राम की कथनी करनी में कहीं भी अवरोध पैदा नहीं होने दिया। द्वादश भवन से ज्ञान तन्तु, स्वभाव, शान्ति, विवेक, व्यसन, संन्यास, शत्रु की रोक तथा धन, सुख, सम्मान का व्यय आदि का लेखाजोखा देखा जाता है। द्वादश भवन में मिथुन राशि होने सीता पति राघव भावुक थे। वैदेही हरण एवं लक्ष्मण को शक्ति लगने पर वे कैसे व्यथित हुए, यह तुलसीकृत रामायण में रोमांचकारी शब्द शैली में अंकित है। वनवास में राज सत्ता से 14 वर्षों तक दूर रहे, किन्तु पिता की आज्ञा को सर्वोपरि माना। सीता हरण में सुख और सम्मान का व्यय हुआ, किन्तु अपने विवेक से वानर सेना का नेतृत्व कर शत्रुओं पर रोक ही नहीं लगाई, अपितु उनका नाश भी किया। वनवासी राम ने एक संन्यासी के रूप में 14 वर्ष वनों में बिताए। किसी भी नगर में 14 वर्षों की अवधि में उन्होंने प्रवेश नहीं किया, ऐसे थे संन्यासी राम।

वाल्मीकि रामायण और अवतारवाद

रामकथा के स्फुट रूप देशी भाषा में बुद्धकाल के थोड़े पूर्व से ही उत्तरी भारत में प्रचलित थे। ईसा से 300 वर्ष पूर्व वाल्मीकि ऋषि ने रामकथा के स्फुट रूप एवं लोकगीत को एक काव्य रूप में गुंफित किया। भगवतगीता के लेखक श्रीकृष्ण के मुख से कहलाते हैं : मैं शस्त्रधारियों में राम हूं। श्रामः षस्त्रभृतामहम् (गीता 10:31) तक राम की प्रसिद्धि केवल शस्त्रधारी योद्धा के रूप में थी। किन्तु श्रीकृष्ण को अवतार के रूप में मान्यता पहले मिल चुकी, बाद में श्रीराम को। अवतारवाद के विकास में छठी या सातवीं शताब्दी में महात्मा बुद्ध भी विष्णु के अवतार माने जाने लगे।

पुराण साहित्य

हरिवंश पुराण, मार्केंडेय पुराण, ब्रह्माण्ड पुराण, विष्णु पुराण, वायु पुराण, मत्स्य पुराण, भागवत पुराण, कूर्मपुराण आदि सभी पुराणों में भगवान राम को विष्णु का अवतार मानने की बात दोहराई गई है। इसके आगे वाराह पुराण (800 ई.) अग्नि पुराण तथा स्कंद पुराण (900 ई.), लिंग पुराण, गरूण पुराण (1000 ई.) वामन पुराण और भविष्य पुराण अधिक अर्वाचीन हैं। इन सब पुराणों में रामावतार तथा राम भक्ति का प्राबल्य होता गया।

रामायण साहित्य

योग वासिष्ठ महारामायण (11 वीं सदी), अध्यात्म रामायण (1500 ई.), अद्भुत रामायण (1600 ई.), आनंद रामायण (1600 ई.), तत्व संग्रह रामायण (1700 ई.), कालनिर्णय रामायण तथा अन्य रामायण जिसमें अपने अपने ढंग से राम चरित्र वर्णन है। अन्य बीस रामायणों की सूची :-

1. **महारामायण** (35000 श्लोक)
2. **संवृत रामायण** (2400 श्लोक)
3. **अगस्त्य रामायण** (16000 श्लोक)
4. **ओम रामायण** (32000 श्लोक)
5. **राम रहस्य रामायण** (22000 श्लोक)
6. **मंजुल रामायण** (120000 श्लोक)
7. **सौ पद्म रामायण** (62000 श्लोक)
8. **रामायण महामाला** (56000 श्लोक)
9. **सौहार्द्र रामायण** (40000 श्लोक)
10. **रामायण मणिरत्न** (3600 श्लोक)
11. **शौर्य रामायण** (62000 श्लोक)
12. **चांन्द्र रामायण** (75000 श्लोक)
13. **भेंद रामायण** (52000 श्लोक)
14. **स्वायंभुव रामायण** (18000 श्लोक)
15. **सुब्रह रामायण** (32000 श्लोक)
16. **सुवर्चस रामायण** (15000 श्लोक)
17. **देव रामायण** (100000 श्लोक)
18. **श्रमण रामायण** (125000 श्लोक)
19. **दुरन्त रामायण** (61000 श्लोक)
20. **रामायण चंपू** (15000 श्लोक)

महाकाव्य रामायण

वाल्मीकि रामायण का कवि जगत में बहुत प्रभाव पड़ा और राम कथा लिखने की एक बाढ़ सी आ गई। ईसा की चौथी शताब्दी से संस्कृत ललित (श्रृंगार प्रधान) साहित्य में महाकाव्य, नाटक, खण्ड काव्य आदि लिखे जाने लगे।

विदेशी भाषाओं में राम कथा

तिब्बती रामायण (800 ई.)
खेतानी रामायण (900 ई.)
रामायण कविन (हिंदेनेशिया 1000 ई.)
हिकायत सेरीराम
राम केलिंग
पतानी राम कथा
सेरत कांड
रामकेर्ति
रामकियेन
राम गायन (1800 ई.)

पाश्चात्य भाषा में राम कथा

लिब्रो डा सैंटा : लेखक: जे. फेनिचियों (1609 ई.)
दि ओपन दोरे : लेखक ए. रोजेरियुस (1700 ई.)
आफ गोडेरैयउर इण्डिषेहाइडेनन : लेखक पी. बलडेयुस (1700 ई.)
असिया : लेखक ओ. डेप्पर (1700 ई.)
असिया पोर्तुगेसा : लेखक डे फरिया (1700 ई.)
रलसियों डे एरयर (1700 ई.)
ला जानिटिलिटे डु वेंगाल (1700 ई.)
पुर्तगाली वृतांत, क (1700 ई.)
पुर्तगाली वृतांत, ख (1800 ई.)
पुर्तगाली वृतांत, ग (1800 ई.)
ट्रावल्स इन इंडिया : लेखक जे. पी. टापर्निये (1700 ई.)
वोयाज ओस एन्ड आरियन्टाल : लेखक एम सोनेरा (1800 ई.)
मिथोलॉजी डेस इण्डू : लेखक डे. पोलियो (1800 ई.)
हिन्दू मेनर्स, कस्टम एन्ड सेरेमोनिस : लेखक जे. ए. दुब्वा (1900 ई.)
इलवियाजियो अल इन्डिये आरियेन्टालि : लेखक पी. एफ. विनजेनजा मरिया (1700 ई.)
स्टोरिया डी मोगोर : लेखक एन. मनुच्ची (1700 ई.)
हिस्तोरिया दो मालावार : लेखक दिओगो गोंसाल्वेस (1700 ई.)

ब्रह्माण्ड नायक राम

राम, ब्रह्मवादियों का ब्रह्म, ईश्वरवादियों का ईश्वर, अवतारवादियों का अवतार, आत्मवादियों व जीववादियों का आत्म एवं जीव है। रामायण महाकाव्य बना। उतरोत्तर राम नाम के साथ साहित्य में भक्तिभाव का वातावरण बनता गया। ईसा के पांच सौ वर्ष के बाद इसका ज्यादा विस्तार हुआ तथा ईसा के एक हजार वर्ष बाद दाशरथि राम परमात्मा के रूप में गूंज गये। हमारी भारतीय सभ्यता के उषाकाल में साहित्य चार वेदों में था, जिनमें ऋग्वेद प्रथम था। वैदिक साहित्य में खेती की अधिष्ठात्री देवी का नाम सीता था, क्योंकि मूल में सीता लांगल पद्धति (खेत की हराई) थी। इसीलिए मिथिला में जनक के हल चलाते समय खेत में, जो नवजात बच्ची पाई गई, उसका नाम सीता रखा गया। ऋग्वेद में इक्ष्वाकु दशरथ और राम के नाम आए हैं। ऐतिहासिक ढंग से अध्ययन करने वाले प्रायः समस्त विद्वान एक स्वर में कहते हैं कि महाभारत तथा प्रचलित वाल्मीकि रामायण के पूर्व राम कथा संबंधी आख्यान प्रचलित थे। ये आख्यान निश्चित रूप से बुद्धकाल के आसपास के रहे होंगे। इसी आधार पर भारत (महाभारत का प्रथम रूप) तथा बौद्ध जातक कथाओं में राम कथा के अंश आये हैं। वाल्मीकि रामायण में महाभारत के पात्रों तथा कथानकों की चर्चा नहीं है, परन्तु महाभारत के प्राचीन अंशों में रामकथा के पात्रों की चर्चा है। महाभारत के शान्ति पर्व के 29 वे अध्याय के 12 वें श्लोक में नारद संजय को उपदेश देते हुए कहते हैं कि संसार में कौन नित्य रहने वाला है। सुना गया है कि दशरथ पुत्र राम बड़े प्रजापालक थे, किन्तु उन्हें भी इस संसार से जाना पड़ा। महाभारत में भी राम का अवतार रूप पहुंच गया था। बौद्ध साहित्य में अनामक जातकम् के नाम से अन्य कथा भी है, जिसमें राम कथा है, इस जातक में राम-सीता का वनवास, सीताहरण, जटायु वृतान्त, बाली और सुग्रीव का युद्ध, सेतु बन्ध, सीता की अग्नि परीक्षा, इन सभी के संकेत मिलते हैं।

जागरूक खबरें

पार्षद प्रियंका अग्रवाल के नेतृत्व में लगाया वेक्सीनेशन कैंप

300 लोगों ने लगवाई वेक्सीन

जयपुर @ जागरूक जनता। ग्रेटर नगर निगम जयपुर के वार्ड 21 की पार्षद प्रियंका अग्रवाल के नेतृत्व में टीम 21 के सहयोग से कोरोना वेक्सीनेशन कैम्प लगाया गया। कैंप में लगभग 300 लोगों ने वेक्सीन लगवाई। विद्याधर नगर सेक्टर-3 स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित कैंप में आसपास रहने वाले लोगों ने वेक्सीन लगवाई। वेक्सीन लगवाने के लिए प्रातः से ही रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए बड़ी संख्या में लोग आने लगे। इस दौरान टीम 21 के कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थित तरीके से लोगों को वेक्सीन लगवाने में सहयोग किया। कैंप की समाप्ति पर पार्षद प्रियंका ने चिकत्सकीय टीम के साथ सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोरोना के लिए सख्ती जरूरी, व्यापार बंद करना हल नहीं-फोर्टी

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए राज्य सरकार को दिशा व निर्देशों का सख्ताई से पालना करवाना आवश्यक है न की नाइट कर्फ्यू व लॉकडाउन की आवश्यकता है। 15 दिन के लॉकडाउन से व्यापारियों को करोड़ो रुपए का नुकसान होने का अंदेशा है। फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया कि जैसे उद्योग और कृषि उपज मंडियों को कोरोना गाइडलाइन के तहत खोलने की अनुमति दी गई है। इसी तरह बाजारों को भी खुला रहने दिया जाना चाहिए था। राज्य सरकार को व्यापारिक संगठनो के प्रतिनिधियों से बात करनी चाहिए और उनकी जिम्मेदारी तय करके कोरोना प्रोटोकॉल लागू कराया जा सकता था। इससे व्यापारियों को प्रत्यक्ष तौर पर रोजगार का नुकसान नहीं होता। पिछले साल लॉकडाउन की वजह से व्यापारियों को करोड़ो रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। कई व्यापारी तो इस नुकसान से अभी तक उबर भी नहीं सके हैं। दिसंबर के बाद से व्यापार पटरी पर लौटा था। अगले तीन महीने में लगभग 45 सावों से व्यापारियों को अच्छे कारोबार और पुराने घाटे पूरा करने की उम्मीद थी, लेकिन सरकार के फिर लॉकडाउन के रास्ते पर लौटने से व्यापारियों को बड़ा धक्का लगा है। सरकार ने जल्द ही इस बारे में पुनर्विचार नहीं किया तो कई व्यापारियों को बड़ा नुकसान होने का अंदेशा है। फोर्टी चीफ सेक्रेटरी गिरधारीलाल खण्डेलवाल ने बताया कि व्यापारियों के संभावित नुकसान को देखते हुए सरकार को इंडस्ट्री के साथ-साथ व्यापार को भी खुला रखा जाना चाहिए था, क्योकि व्यापार बंद होने से सप्लाई चैन में बहुत बड़ा फर्क पड़ेगा। साथ ही व्यापारी दुकान किराया व कर्मचारियों का वेतन बिजली का बिल भी कहा से देगा। सरकार चाहे तो कड़ी गाइडलाइन लागू करते हुए व्यापारियों को जिम्मेदारी दे कि दो-तीन लोग एक साथ इकट्ठे नहीं होने दे, जो मास्क नहीं पहने हो उनको टोके, गाडियों में दो व मोटर साइकिल स्कूटर पर सिर्फ एक लोग आए इसके लिए प्रेरित करें।

एम्बुलेंस और शव वाहनों के लिए भी अधिकतम दरें तय

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर अन्तर सिंह नेहरा ने एम्बुलेंस व वाहनों की अधिकतम दरें जारी की। उन्होंने कहा है कि कोविड के मरीजों, उनके शव को लाने-ले जाने वाले वाहनों, एम्बुलेंस का किराया पूर्व निर्धारित दरों से अधिक वसूल किए जाने पर सम्बन्धित वाहन मालिक के खिलाफ कार्यवाई की जाएगी। नेहरा ने बताया कि पिछले वर्ष अक्टूबर में इस सम्बन्ध में प्रादेशिक परिवहन कार्यालय से अधिसूचना जारी की जा चुकी है। वही आदेश वर्तमान में लागू रहेंगे।

यह हैं दरें निर्धारित- प्रथम 10 किलोमीटर तक का किराया 500 रूपए है, जिसमें वाहन का आना-जाना सम्मलित है। 10 किलोमीटर के बाद मारूति वेन, मार्शल, मैक्स आदि वाहनों का किराया प्रति किमी 12.50, टवेरा, इनोवा, बोलेरो, कूर्जर, रायनो आदि वाहनों का किराया 14.50 प्रति किलोमीटर, अन्य बड़े एम्बुलेंस/शव वाहनों का किराया 17.50 प्रति किलोमीटर निर्धारित है। वाहन में एसी की सुविधा होने पर एक रूपया अतिरिक्त शुल्क देय होगा। जिला कलक्टर नेहरा ने बताया कि कोविड के मरीज या शव को लाने-ले जाने के लिए एम्बुलेंस चालक की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रति चक्कर पीपीई किट एवं सेनेटाइजेशन के व्यय के रूप में 350 रूपए अतिरिक्त देय होगा।

बरसो चक पोस्ट पर निरीक्षण कर यात्रियों के स्वास्थ्य जांच के निर्देश

भरतपुर @ जागरूक जनता। कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए अन्य राज्यों से आने वाले यात्रियों की जांच के लिए भरतपुर आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 के ऊंचा नगला के निकट वर्षों में चेक पोस्ट स्थापित की गई है। चेक पोस्ट स्थापित करने के उपरांत संभागीय आयुक्त पीसी बेरवाल मा निरीक्षक पुलिस प्रसन्न कुमार खमेसरा जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई ने संयुक्त रूप से भ्रमण कर जायजा लिया। अन्य राज्यों से आने वाले वाहनों के यात्रियों की जांच व्यवस्था का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग करने के साथ 72 घंटे पूर्व की आरटी पीसीआर की नेगेटिव रिपोर्ट अथवा आरटी पीसीआर रिपोर्ट प्रस्तुत न करने पर 15 दिन के लिए होम क्वारंटाइन करने तथा आई एल आई रोगी यात्रियों के लिए राजकीय कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय वर्षों में स्थित कोविड केयर सेंटर मैं संस्थागत क्वॉरेंटाइन किए जाने के निर्देश दिए। यह व्यवस्था निजी वाहनों से यात्रा करने वाले लोगों के लिए लागू रहेगी। भ्रमण दल में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदिता दामोदर सिंह उपखंड अधिकारी भरतपुर अशोक मित्तल तहसीलदार भरतपुर प्रेम सिंह कुंतल जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा मुख्यालय भरतपुर सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। उधर, जिला रसद अधिकारी ने बताया कि जिले में किसी उपभोक्ता को आवश्यक खाद्य सामग्री की जमाखोरी कालाबाजारी एवं निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य की वसूली की शिकायत हो तो राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1800 180 6030 व्हाट्सएप नंबर 72300 86 0 30 तथा विभागीय वेबसाइटwww.consumeradvise.in पर शिकायत कर सकता है।

कोरोना वैक्सीनेशन शिविर में 80 लोगों ने लगाया टीका

उदयपुर @ जागरूक जनता। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा परिसर के आसपास निवास करने वाले आम नागरिकों जिनकी उम्र 45 वर्ष से अधिक है ऐसे 80 लोगों को टीका लगाया गया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि शिविर में मंजू, राजबाला, एन्नी के मैथ्यू, मोहित एवं चेतन ने अपनी सेवा दी। शिविर में स्थानीय संघ सचिव किरण पोखरणा ,स्थानीय संघ के स्काउटर्स निर्भय सिंह, खेमराज एवं गाइड ऊषा शर्मा ,तुलसी मौर्य ने भी अपना योगदान दिया। विवि द्वारा 23 और 24 अप्रैल को विश्वविद्यालय के विज्ञान महाविद्यालय में वैक्सीनेशन शिविर आयोजित करवाया जाएगा।

ठेकेदारों ने ज्ञापन देकर, निगम प्रशासन के विरुद्ध की नारेबाजी

भरतपुर @ जागरूक जनता। कोरोना काल के बीच भरतपुर नगर निगम की आम सभा की बैठक का आयोजन हुआ। मेयर अभिजीत कुमार द्वारा मीटिंग की घोषणा करने के साथ ही बार्ड 50 के पार्षद रामेश्वर सैनी ने नंदी गौशाला सहित कचरा घर का मामला उठाया जिस के समर्थन में भाजपा पार्षद श्यामसुंदर कोर्ट भूपेंद्र जरीना वीरमति वह अन्य पार्षद धरने पर बैठ गए। पार्षदों द्वारा जमकर हंगामा किए जाने पर पार्षदों एवं मेयर के बीच तनातनी हो गई निगम की बैठक में हंगामा को लेकर सूचना पर पुलिस पहुंची पुलिस पहुंचने की सूचना पर पार्षदों उग्र हो गए पार्षदों ने मेयर को काफी कुछ कहा। उपमेयर गिरीश चौधरी द्वारा पार्षदों को विनीत कार शांत करवाने की कोशिश की पार्षद श्याम सुंदर गोड ने मेयर अभिजीत कुमार को कहा कि आप जिस आसन पर बैठे हैं उस पर ऐसी व्यवस्थाएं शोभा नहीं देती।

ओसवाल सोप ग्रुप की पहल

पार्षद रूप कंवर ने बापू कच्ची बस्ती में बांटे सैनेटरी पैड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम जयपुर के वार्ड 24 की पार्षद रूप कंवर ने विद्याधर नगर स्थित बापू कच्ची बस्ती में महिलाओं को सैनेटरी पैड वितरित किए। ओसवाल सोप ग्रुप की नई पहल के अंतर्गत इन दिनों महिलाओं के लिए सैनेटरी पैड वितरित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं और कच्ची बस्तियों में रहने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सैनेटरी पैड वितरित किए जा रहे हैं। वार्ड 24 की पार्षद रूप कंवर ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ बस्ती में महिलाओं से सम्पर्क कर उन्हें स्वच्छता के बारे में समझाया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की तथा बड़ी संख्या में सैनेटरी पैड वितरित किए। इस दौरान समाजसेवी हरिओम सिंह और जागरूक जनता के सम्पादक शिव दयाल मिश्रा ने बस्ती में मास्क भी वितरित किए।

निःशुल्क टीकाकरणः समाजसेवी हरिओम सिंह ने बताया कि आगामी रविवार को ब्राह्मण महासभा परिसर में कोरोना का निःशुल्क टीका लगवाने के लिए कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए कार्यालय में रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। इस कार्य के लिए जेपी कालोनी की विकास समिति के पदाधिकारियों को भी आईडी जमा करवाई जा सकती है।

शराब बिक्री आदेश को तुरंत वापस ले सरकार-छाबड़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वैश्विक आपदा कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप जारी है जिसे देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश में 3 मई तक का कर्फ्यू एवं लोकडाउन लगा दिया है, जिसका नाम दिया है जन अनुशासन पखवाड़ा। इस पर शराब बंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा ने कहा है कि राज्य सरकार शराब की बिक्री के लिए कितनी संवेदनशील है, कोरोना काल मे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी शराब, सिगरेट व अन्य नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने कि सलाह दी हुई है। दूसरी और सरकार ने जन अनुशासन पखवाड़ा मनाने की बात की है ताकि कोरोना पर काबू पाया जा सके। आम जनों से घरों में रहने की अपील की है। ऐसे में शराब बिक्री शुरू करना महामारी बढ़ाने का प्रयास ही माना जाएगा। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है की जनता से ज्यादा चिंता सरकार को शराब के ठेकेदारों और अपने राजस्व की है। छाबड़ा ने रोष प्रकट करते कहा है कि इस वैश्विक आपदा के समय सरकार का संवेदनहीन होकर शराब दुकानों को खोलने के आदेश देना गलत है। मैं शराब की दुकानों को तुरंत प्रभाव से बन्द करने की मांग करती हूँ। शराब बिक्री के आदेश पर तुरंत रोक लगनी चाहिए अन्यथा जस्टिस फ़ॉर छाबड़ा संगठन पूरे प्रदेश में इसका विरोध करेगा।

गुरुदेव के वचन

जागरूक जनता
jagrukjanta.in
कविता
चमन बाबा

बच्चों तुम्हें दया नहीं आई।
वार दिया मैंने सब तुम पर
सब कुछ दिया लुटाई।
बेटों, तुम्हें दया नहीं आई...
****
मैं तो सीधा सादा भोला
सहता रहा पर हंसकर बोला
सबके संकट लेकर मैंने
अपनी जान गंवाई।
भैया, तुम्हें दया नहीं आई...
****
देख रहा सब क्या होता है
देखके तुमको दिल रोता है
सब स्वारथ से जुड़े थे मुझसे
बाद भी बने कसाई।
लाला, तुम्हें दया नहीं आई...
****
कोई न जाना क्यों मैं आया
क्यों ये कंचन धाम बनाया
अहंकार किस बात का करते
मौत तुम्हें ना आई।
बबुआ, तुम्हें दया नहीं आई...
****
कंचन नाम धाम है मेरा
सदियों से बस यहीं है डेरा
सोचो हजम इसे करने की
कोई नहीं कर पाई।
दादा, तुम्हें दया नहीं आई...
****
देख रहा हूं बैठ तमाशा
झूठा सब दिखलावे नाता
कंचन नाम साथ में कंचन
कंचन धाम चलाई।
यारो, तुम्हें दया नहीं आई...
****
अब तो मुझको ना हीं सताओ
सात जनम ना हीं बच पाओ
दास अमर कहे बदल ले खुद को
फिर सब कुछ हो जाई।
प्यारे, तुम्हें दया नहीं आई...
****
हे गुरुदेव हम सबको बुद्धि दो!
(लेखक (अमर बाबा) बूंदी से है)

यूजीसी ने दिए निर्देश

इलेक्टिव कोर्स के रूप में शामिल होगा एनसीसी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय सहित देश के सभी विश्वविद्यालयों में एनसीसी इलेक्टिव क्रेडिट कोर्स के रूप में शामिल होगा। यूजीसी ने हाल ही में इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं और इस संबंध में नोटिस भी जारी किया है। यूजीसी ने कोर्स को कई सेमेस्टर में विभक्त किया है। यूजीसी ने एनसीसी महानिदेशालय से प्राप्त अनुशंसा के आधार पर एनसीसी के जारी किए गए सेलेब्स को 24 क्रेडिट के माध्यम से कुल 6 सेमेस्टर में छात्रों को कोर्स चुनने की उपलब्धता प्रदान की है। इन्हें पूरा करने पर स्टूडेंट्स को क्रेडिट जारी किए जाएंगे और ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी करने वाले स्टूडेंट्स को एनसीसी बी या फिर एनसीसी सी सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। इतना ही नहीं इन्हें उच्च शिक्षण संस्थानों में एडमिशन के साथ साथ केंद्र और राज्य की विभिन्न सरकारी नौकरियों में भी फायदा मिल सकेगा।

छह सेमेस्टर में बांटा कोर्स

एनसीसी महानिदेशालय द्वारा एनसीसी के बी और सी सर्टिफिकेट के सिलेबस को विश्वविद्यालयों में 6 सेमेस्टर में कुल 24 क्रेडिट के रूप में डिजाइन किया गया है। पहले दो सेमेस्टर में कुल 4 क्रेडिट, तीसरे और चौथे सेमेस्टर में कुल 10 क्रेडिट और पाचवें एवं छठें सेमेस्टर में भी कुल 10 क्रेडिट दिए गए हैं। हर कोर्स के पार्ट के तौर पर थ्योरी, प्रैक्टिकल और कैंप शामिल होंगे। स्टूडेंट्स को दो कैम्पिंग एक्टिविटिज करनी होंगी। पहला कैंप तीसरे के साथ मर्ज किया जाएगा और दूसरी कैंपिंग एक्टिविटी को यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार कोर्स के पांचवें सेमेस्टर में मर्ज किया जाएगा। कैंप ट्रेनिंग सब्जेक्ट के पार्ट के रूप में आपदा प्रबंधन, सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास, सैन्य इतिहास, शारीरिक प्रशिक्षण आदि विषय पढ़ाए जाएंगे। इस कोर्स में राष्ट्रीय एकीकरण, हथियार प्रशिक्षण, बाधा प्रशिक्षण, सैन्य इतिहास, मानचित्र पढना, फील्डक्राफ्ट, और युद्ध शिल्प जैसे कई विषयों के बारे में भी सीखेंगे। गौरतलब है कि यूजीसी की ओर से दिए गए यह निर्देश नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से प्रेरित हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्नातक और उच्चतर स्तरीय सिलेबस में च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम को लागू करने का सुझाव दिया गया है।

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

Rajiv@75
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

#राजस्थान_सतर्क_है

चिरंजीवी

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना

हर परिवार को 5 लाख रुपये का निःशुल्क बीमा

3500 करोड़ रुपये का प्रीमियम राज्य सरकार द्वारा वहन

अब रजिस्ट्रेशन अभियान 30 अप्रेल 2021 तक

और ई-मित्र केन्द्र पर पंजीकरण निःशुल्क

योजना की खास बातें

- राज्य के सरकारी और संबद्ध निजी अस्पतालों में भर्ती होने पर 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा
- प्रतिवर्ष सामान्य बीमारी 50 हजार और गंभीर बीमारी 4.50 लाख रुपये का निःशुल्क उपचार
- भर्ती के 5 दिन पूर्व और डिस्चार्ज के बाद 15 दिन तक का व्यय शामिल
- बीमारियों के 1576 प्रकार के पैकेज और प्रोसीजर उपलब्ध
- रजिस्ट्रेशन शिविर ग्राम पंचायत के साथ-साथ गांव स्तर व शहरों में वार्ड स्तर पर चल रहे हैं।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और सामाजिक आर्थिक जनगणना-2011 के लाभार्थियों को रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है। उन्हें पूर्व की भांति योजना का लाभ मिलता रहेगा।

योजना से जुड़ने की प्रक्रिया हुई सरल

- लघु व सीमान्त कृषक, संविदाकर्मियों तथा गत वर्ष राज्य सरकार द्वारा कोविड-19 अनुग्रह राशि भुगतान प्राप्त करने वाले निराश्रित एवं असहाय परिवारों का सम्पूर्ण प्रीमियम राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।
- ऐसे परिवार जो उपरोक्त श्रेणियों में नहीं आते हैं, वे 850 रुपये प्रीमियम जमा करवाकर इस योजना का लाभ ले सकते हैं।
- ई-मित्र केन्द्र पर लगने वाले पंजीयन शुल्क, प्रीमियम राशि जमा शुल्क, पॉलिसी दस्तावेज प्रिंटिंग शुल्क का भार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।
- ऐसे लाभार्थी जिनका जनआधार कार्ड नहीं बना है, वे ई-मित्र केन्द्र पर जनआधार पंजीयन निःशुल्क करवा सकते हैं तथा पंजीयन रसीद के आधार पर योजना में रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

1 मई 2021 से योजना पूरे प्रदेश में लागू होगी

योजना के लिए परिवार का आकार एवं आय की सीमा नहीं है

ऐसे ई-मित्र जो पंजीयन अभियान के दौरान अपने क्षेत्र के पात्र लाभार्थियों में से 80% से अधिक रजिस्ट्रेशन करवाते हैं तो उन्हें प्रति रजिस्ट्रेशन 5 रुपये का प्रोत्साहन भी दिया जायेगा

30 अप्रेल 2021 तक रजिस्ट्रेशन नहीं कराने वालों को योजना में लाभ लेने हेतु बाद में रजिस्ट्रेशन कराने पर 3 महीने का इंतजार करना होगा

सरकारी कार्मिकों को इस योजना से जुड़ने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि केन्द्र सरकार की CGHS की तर्ज पर राज्य सरकार द्वारा RGHS लागू की जा रही है

राजस्थान संवाद

नोडल एजेंसी - राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी
(चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग)

अधिक जानकारी के लिए 1800 180 6127 पर फोन करें या
विभाग की वेबसाइट health.rajasthan.gov.in/mmcsby देखें

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

जागरूक खबरें

नेशनल कराटे चैंपियनशिप में दिल्ली बूडोकान का शानदार प्रदर्शन

फरीदाबाद @ जागरूक जनता। शोटोकान कराटे एसोसिएशन की ओर से नेशनल लेबल कराटे चैंपियनशिप का आयोजन पैडम स्पोर्ट्स काम्पलेक्स गोवा में किया गया। चैंपियनचशिप में दिल्ली बूडोकॉन सहित अन्य राज्यों के लगभग 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया। दिल्ली बूडोकॉन एसोसिएशन से तानी शर्मा, अनन्या गुप्ता, किमाया, आन्या, जीवन कुकरेजा, समय राजपूत, किंशुक स्वरूप भटनागर, शिवांक, रितिका रावत, एकांश, रितिका वर्मा, दिव्यांश, जसजीव, जैदितय सिंह, कृष्णव भट्ट एवं चेतन राठौड़ ने भाग लिया। इन सभी प्रतिभागियों ने 13 गोल्ड, 9 सिल्वर एवं 6 कांस्य पदक अर्जित किए। कोच गणेश राजपूत एवं नितिन राना ने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मीणा समाज ने मनाई भगवान मीनेष जयंती

खाते गांव (एमपी) @ जागरूक जनता। बिजली गांव में मीनेष जयंती मनाई। कार्यक्रम में नर्मदा नदी के किनारे 151 दीपदान और मछलियों को गेहूं के आटे की गोलियां चुगाई और प्रसाद वितरण किया गया। नर्मदा मंदिर के बाबा साहब शिवानंदजी महाराज के मार्गदर्शन में गांव के मीणा समाज ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में भगवत, श्रीकांत, गोविंद, धूम सिंह, मुकेश, विकास, सचिन एवं दीपक सहित मीणा समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कोरोना गाइडलाइन का ध्यान रखा गया।

जन अनुशासन पखवाड़ा की पालना हेतु पालिका प्रशासन ने की समझाईश

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। राज्य सरकार द्वारा कोरोना के प्रभावी नियंत्रण हेतु मनाये जाने वाले जन अनुशासन पखवाड़ा के नियमो की पालना हेतु नगरपालिका प्रशासन पूरी तरह मुस्तेद नजर आया। पालिका सीमा क्षेत्र में नगरपालिका की विभिन्न टीमो द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रो में भ्रमण कर लोगो से राज्य सरकार के दिशा निर्देशो की पालना करने का निवेदन किया तथा अनावश्यक रूप से बाहर घुमने वालो को घर जाने हेतु निर्देशित किया तथा मास्क भी वितरीत किये। साथ ही बगैर मास्क घुमने वालो व सामाजिक दुरी का पालन नही करने वाले व्यक्तियो से 1200 रूपये का जुर्माना वसूला गया। अधिशाषी अधिकारी अभिषेक शर्मा द्वारा बताया गया कि आने वाले दिनो में पालिका प्रशासन द्वारा जन अनुशासन पखवाड़े के नियमो की पालना हेतु पूर्ण सख्ती बरती जावेगी तथा गैर अनुमत श्रेणी की दुकाने खोलने पर सीजींग व जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी। अधिशाषी अधिकारी अभिषेक शर्मा द्वारा आम जनता से अनावश्यक घर से बाहर न निकलने तथा कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करने की अपील की गई।

जसराज चौहान ने वित्त नियंत्रक के पद पर ग्रहण किया पदभार

जोधपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लेखा सेवा के अधिकारी जसराज चौहान ने कृषि विष्वविद्यालय, जोधपुर के वित्त नियंत्रक के पद का पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व विष्वविद्यालय मे वित्त नियंत्रक के पद पर राजस्थान लेखा सेवा के अधिकारी मंगला राम बिष्नोई सेवाऐ दे रहे थे। बिष्नोई ने अपने कार्यकाल के दौरान विष्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन और लेखा शाखा को सुदृढ़ीकरण किये जाने हेतु उर्त्कष्ठ कार्य किया। इस अवसर पर विष्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. चौधरी ने नव पदस्थापित वित्त नियंत्रक जसराज चौहान का विष्वविद्यालय में स्वागत किया तथा मंगलराम बिष्नोई की उर्त्कष्ठ सेवाओं की सराहना की। इस अवसर पर डॉ भारत सिंह भीमावत, संकायध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, डॉ सीताराम कुम्हार, निदेषक अनुसंधान, डॉ मनमोहन सुंदरिया, परीक्षा नियंत्रक, डॉ एम एल मेहरिया तथा डॉ एम एम कुमावत, उप कुलसचिव उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल मीरा का बोर्ड का गठन

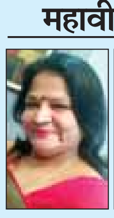
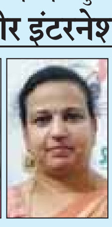

भीलवाड़ा @ जागरूक जनता। वर्ष 2021-22 के लिए महावीर इंटरनेशनल मीरा ने नई कार्यकारिणी का गठन पूर्व सभापति मंजू पोखरना, संरक्षक स्नेहलता धारीवाल, बलवीर जी चैरड़िया, मंजू खटवड़ की अध्यक्षता में नई कार्यकारिणी का गठन कर महिलाओं को सभी परिस्थितियों में अनुकूल रहते हुए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्ष पद पर चंद्रा रांका, उपाध्यक्ष मंजू बाफना, सुशीला चैधरी व बसंता डांगी, सचिव निशा सोनी, सहसचिव कला कुदाल, कोषाध्यक्ष शीला जैन, सहकोषाध्यक्ष सुमन अग्रवाल सहित 21 कार्यकारिणी सदस्यों को बोर्ड में शामिल किया गया है। अध्यक्ष चंद्रा रांका ने आगामी 2 वर्षों में किए जाने वाले कार्य की रूपरेखा सभी के समक्ष रखी और सभी सदस्यों को विश्वास दिलाया कि हम मीरा का नाम उच्च स्तर पर पहुंचाएगे। बोर्ड में पारस मेहता, उषा दोषी, सपना अग्रवाल, नीलू वागरानी, विमला रांका, संतोष सिंघवी, विजया चैधरी, पुष्पा मेहता सहित सदस्यों को लिया गया है। कार्यक्रम में सचिव निशा सोनी ने कहा कि सभी अध्यक्ष और सभी सचिव है सभी को मीरा में अच्छा से अच्छा काम जनहित के लिए करना है और सेवा करनी है, आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।

कोविड 19 में तकनीकी सहायक होगी मोबिला की लाइफस्टाइल एक्सेसरीज

चित्तौड़गढ @ जागरूक जनता। मोबाइल फोन एक्सेसरीज ब्रांड मोबिला ने 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर नए युग के उपयोगकर्ताओं की डिजिटल समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लाइफस्टाइल एक्सेसरीज को प्रस्तुत किया है। कोविड 19 महामारी के इस दौर में, जब तकनीक एक समाधान के रूप में कार्य कर रही है, डिजिटल जीवन रेखा बन गया है, मोबाइल और साउंड एक्सेसरीज उत्पादों की यह नई श्रृंखला लोगों की गैजेट्स के साथ दोस्ती को फिर से परिभाषित करेगी। ये उत्पाद निश्चित रूप से सभी आयु वर्ग के लोगों की बाहरी दुनिया से जुड़े रहने की सारी जरूरतों को पूरा करेंगे। इस मौके पर मोबिला के को-फाउंडर जिग्नेश शाह ने कहा, "हम एक ऐसे बदलाव की कगार पर हैं, जिसके लिए दुनिया कभी तैयार नहीं थी। तकनीक लोगों के बचाव में आ गई है। जहां सोशल डिस्टेंसिंग ने लोगों को अलग रहने के लिए मजबूर किया, प्रौद्योगिकी ने उन्हें एकजुट किया है। स्कूल में आनलाइन पढ़ाई हो, घर से काम करना हो, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर मनोरंजन हो, हमारा अस्तित्व अब डिजिटल समाधानों पर निर्भर करता है।

एक अरब की लागत से महवा विस क्षेत्र के घर घर पहुँचेगा जल-हुडला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

महुआ। जल जीवन मिशन योजना के तहत महुवा विस क्षेत्र के लिए 80 गांवों को सम्मिलित करते हुए सरकार ने 100 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों क्षेत्रीय विधायक ओम प्रकाश हुडला ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग के मुख्य अभियन्ता ग्रामीण, अधीक्षण अभियंता दौसा, अधिशासी अभियंता महवा, सहायक अभियंता महवा के साथ बैठक कर विधानसभा क्षेत्र के लगभग 160 गांवो के प्रस्ताव तैयार कराए गये थे। जिनमें से 80 गाँवों के लिए जल जीवन मिशन योजना के तहत क़रीब 100 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। जिसकी टेंडर प्रक्रिया जारी है। विधायक हुडला जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ सतत् सम्पर्क और बैठकों के परिणाम स्वरूप महवा विधानसभा क्षेत्र में 100 करोड़ की राशि स्वीकृत हो गई है। साथ ही हुडला ने बताया कि इन 80 गांवों के अलावा 81 गांवों में पेयजल योजना के प्रस्ताव मुख्य अभियंता कार्यालय ग्रामीण जयपुर में पहुँच चुके हैं जिनकी आगामी बैठकों में स्वीकृति कराकर महवा विधानसभा क्षेत्र को और सौग़ात दी जाएगी। कई गाँव की स्वीकृत योजनाओं के वर्क ऑर्डर जारी हो चुके हैं। जहाँ पर जल्द ही कार्य शुरू करवाए जायेंगे। इस दौरान हुडला ने कहा कि जल जीवन मिशन एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना है, इसलिए इसकी आयोजना और क्रियान्विति में अधिक सतर्कता बरतने और गति लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यदि हम हर घर में नल से पेयजल उपलब्ध कराने के लक्ष्य को हासिल कर लें, तो यह मिशन मेरे विधानसभा के लोगो के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है और हम इसके लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं। मौजूदा कोरोना महामारी पर महवा विधायक ने अपील करते हुए कहा कि कोरोना की दूसरी लहर अधिक घातक है। इससे बचने के लिए सावधानी और कोविड प्रोटोकाल का पालन नितांत आवश्यक है।

बाबा साहब अंबेडकर के बताए मार्ग पर चलना जरूरी-हुडला

महुवा @ जागरूक जनता। विधायक सर्व समाजी ओम प्रकाश हुड़ला ने भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जाग्रति संघ मण्डावर द्वारा आयोजित प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामचंद्र बैरवा अध्यक्ष अखिल भारतीय बैरवा महासभा द्वारा की गई। इस दौरान उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए सर्व समाजी विधायक ओम प्रकाश हुडला ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, शिक्षा शास्त्री तथा कानून के जानकार और भारत के विकास में अहम योगदान देने के रूप में उनके व्यक्तित्व को याद करने की बात कही।

कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर प्रशासन गंभीर

निजी अस्पताल प्रतिनिधि और धर्मगुरुओं के साथ ली बैठक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

झुंझुनूं। जिला कलेक्टर सभागार में रविवार को जिला कलेक्टर उमरदीन खान ने निजी अस्पतालों और विभिन्न धर्म गुरुओं और गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक करते हुए निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन की उपलब्धता, कोरोना मरीजों की हालातों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निजी अस्पताल के प्रतिनिधियों से दवाइयों की उपलब्धता ऑक्सीजन बेड की उपलब्धता के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि किसी भी कोरोना पेशेंट से ऑक्सीजन बेड के अधिक रुपए नहीं वसूले जाएं। उन्होंने ऑक्सीजन उत्पादन प्लांट के प्रतिनिधि को भी निर्देश दिए कि ऑक्सीजन की डिमांड बढ़ सकती है, ऐसे में पूरी तैयारी रखें। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर जगदीश प्रसाद गौड़ सीएमएचओ डॉ छोटे लाल गुर्जर पीएमओ डॉ बीडी बाजिया भी मौजूद रहे। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र कुमार, डॉ. सलाऊदीन चौपदार ट्रस्ट के एम.डी. चोपदार, मुस्लिम वेलफेयर फ्रंट के इब्राहिम खान, झुंझुनूं शहर पुलिस उपाधीक्षक लोकेंद्र दादरवाल, ग्रामीण पुलिस उपाधीक्षक भंवरलाल खोखर, मौलाना शौकत, आईएमएस के जुबैर कुरैशी, झुंझुनूं नागरिक मंच के उमाशंकर महमियां सहित अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

महाराजश्री कृष्णदास कंचन महाराज को भक्तों ने किया याद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गेंडोली-बूंदी। द्वादश ज्योतिर्लिंग कंचनधाम के सृजनकर्ता महाराजश्री कृष्णदास कंचन महाराज चैत्र शुक्ल अष्टमी को इस असार संसार को त्यागकर स्थूल शरीर से सूक्ष्म शरीर में व्याप्त हो गए थे। महाराजश्री की याद में उनके भक्तों ने अष्टमी को शक्ति स्वरूपा मां कंचन की पूजा-अर्चना के बाद तीसरे प्रहर कंचन धाम द्वादश ज्योतिलिंग खटकड़, कंचन धाम गोवर्धन एवं अपने-अपने घरों में प्रार्थना की और उनका आशीर्वाद मांगा। भक्तजनों ने 'कोरोना महामारी से मुक्ति दिलाने और सबका कल्याण हो' की प्रार्थना की। दोनों आश्रमों में चैत्र मास के नवरात्रा विधिवत सम्पन्न हुए। नवरात्रा के अंतिम दिन बच्चों को प्रसादी करवाई गई।

सख्ती बरतने के निर्देश दिए

कलक्टर ने हरियाणा बोर्डर पर चैक पोस्ट का किया निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

झुंझुनू। जिला कलेक्टर उमरदीन खान दूसरे राज्यों से आ रहे कोरोना संक्रमित व्यक्ति को लेकर सख्त नजर आ रहे हैं। उन्होंने सोमवार को हरियाणा बॉर्डर से लगी चैक पोस्ट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इससे पहले वे पिलानी ऐमें सीरी और बिट्स पहुंचे, यहां उन्होंने क्वारेंटाइन हुए छात्रों के बारे में जानकारी ली और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इसके बाद पीपली में उन्होंने निर्देश दिए कि एक भी वाहन बिना जांच के नहीं निकले। बॉर्डर से गुजरने वाले सभी यात्रियों की आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट नेगेटिव होने पर ही प्रवेश देने के आदेश की सख्त पालना के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यात्रियों का तापमान व ऑक्सीजन लेवल जांच किया जाए। संदिग्ध होने पर सैंपल लेने के बाद रानी सती मंदिर स्थित क्वारेंटाईन सेंटर में एंबुलेंस से भिजवाएं। उन्होंने पीलोद में चैक पोस्ट पर टेंट लगाने के निर्देश भी दिए, ताकि यात्रियों को असुविधा नहीं हो। जिला कलक्टर उमरदीन खान ने इसके बाद संपत सिंह की ढाणी चैक पोस्ट का निरीक्षण करते हुए कहा कि पटवारी, ग्राम सेवक या बीएलओ में से एक इंचार्ज निरंतर पोस्ट पर मौजूद रहे। मेडिकल स्टाफ और पुलिस स्टाफ भी हर वक्त मौजूद रहे। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर डीटीओ स्टाफ की सेवाएं लेने के और चाय पानी की व्यवस्था करने की भी निर्देश दिए।वहीं पचेरी कला में ऑक्सीजन मीटर को ठीक करवाने के निर्देश देते हुए उन्होंने आगाह किया कि दिल्ली से काफी संख्या में कोरोना संक्रमित व्यक्ति आ रहे हैं ऐसे में पूरी सख्ती बरती जाए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र कुमार, बुहाना उपखंड अधिकारी जीतू कुल्हारी,जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, सूरजगढ़ तहसीलदार सतीश कुमार साथ रहे।

नवनिर्वाचित डेयरी अध्यक्ष बद्री जगपुरा ने किया पदभार ग्रहण

डेयरी में करेंगे कई नए नवाचार-बद्री जाट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़-प्रतापगढ़ दुग्ध उत्पादक संघ के नवनिर्वाचित चैयरमेन का पद्भार कार्यक्रम बीते दिनों आयोजित किया गया। इस मौके पर डेयरी की समितियों से जुड़े पदाधिकारियों के साथ-साथ डेयरी के निदेशक मंडल के सदस्य भी मौजूद रहे। पद्भार ग्रहण के अवसर पर नवनिर्वाचित डेयरी चैयरमेन बद्री जाट जगपुरा ने कहा कि किसानों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा और दूध के वाहनों पर जीपीएस सिस्टम लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दूध से पावडर बनाने का काम भी शीघ्र शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही गौशालाओं से खरीदे जाने वाले दूध पर अनुदान बढ़ाते हुए 1 रूपया अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा। डेयरी चैयरमेन बद्री जाट ने उनके पदभार ग्रहण के मौके पर आगन्तुकों को डेयरी से जुड़े निदेशकों, समिति सदस्यों अओर किसानों का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि पदभार ग्रहण के मौके पर पहले सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के उपस्थिति में समारोह का आयोजन किया जाना था, लेकिन राज्य सरकार की गाईडलाइन जारी होने के बाद समारोह को स्थगिता कर दिया गया।

डा. सेठिया ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

लोकडाउन में व्यापारियों को सरकार दे समान अवसर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। एनसीएम सीटी समिति अध्यक्ष डा. आई.एम. सेठिया ने कोविड़-19 के तहत् राजस्थान सरकार द्वारा जारी आदेश में सभी व्यापारियो को समान अवसर प्रदान करने की मांग की है ताकि शादिया, व्यापारिक सीजन व उद्योग व निर्माण को अनुमति इत्यादि के चलते व्यापारियो को आर्थिक नुकसान नही हो। डा. सेठिया ने पत्र मे खाद्य सामाग्री के अलावा अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानो को अल्टरनेट दिवस पर खोले जाने या प्रतिदिन प्रातः 11 से 4 बजे तक खोले जाने की अनुमति देने हेतु आदेष में आंषिक संषोधन की मांग की है ताकि व्यापारी व वहॉ कार्यरत कर्मचारियो की आर्थिक स्थिति पर विपरीत प्रभाव नही पड़े। पत्र में सीए व करसलाहकारो को भी जीएसटी व आयकर में अंतिम तिथियो के मद्धेनजर कार्यालय खोलने की अनुमति प्रदान करने की मांग की है क्योकि व्यापारी कर चुकाएगा तो सरकार की आर्थिक स्थिति पर भी विपरित प्रभाव नही पड़ेगा व नियमित व्यवहार से बैकिंग साख भी बनी रहेगी। राजस्थान सरकार इस मांग पर गंम्भीरता से विचार कर तत्काल प्रभाव से व्यापार जगत को राहत प्रदान करे।

कार्यालय नगरपालिका-पीपाड़ शहर, जिला जोधपुर (राजस्थान)

क्रमांक : न.पा.पी./भू.रू./2020-21/626 दिनांक 16/04/2021

लोक सूचना

इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित व्यक्तियों द्वारा अपनी खरीद सुदा भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थातः-

क्र. सं.	नाम व पता	मौजा	खसरा नंबर	बीघा/वर्ग गज में
1.	श्री मूलाराम पुत्र श्री गौबरराम, माली निवासी-सदा जी की बाड़ी पीपाड़ शहर	पीपाड़ शहर	1250/11 1250/12	2022.22 वर्ग गज (आवासीय)

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो, वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर कर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाएगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जाएगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 16/04/2021 को जारी की गई।

(सुरेशचंद शर्मा)
प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिका, पीपाड़ शहर

कार्यालय नगरपालिका-पीपाड़ शहर, जिला जोधपुर (राजस्थान)

क्रमांक : न.पा.पी./भू.रू./2020-21/628 दिनांक 16/04/2021

लोक सूचना

इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित व्यक्तियों द्वारा अपनी खरीद सुदा भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थातः-

क्र. सं.	नाम व पता	मौजा	खसरा नंबर	बीघा/वर्ग गज में
1.	श्री गणपत लाल पुत्र श्री मांगीलाल छीपा (दर्जी) निवासी धोबियों का बास, पीपाड़ शहर श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र श्री मलाराम माली निवासी भाटीयों का बेरा, वार्ड नं.23, पीपाड़ शहर	पीपाड़ शहर	2429	2179.29 वर्ग गज (आवासीय)

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो, वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर कर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाएगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जाएगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 16/04/2021 को जारी की गई।

(सुरेशचंद शर्मा)
प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिका, पीपाड़ शहर

कार्यालय नगरपालिका-पीपाड़ शहर, जिला जोधपुर (राजस्थान)

क्रमांक : न.पा.पी./भू.रू./2020-21/630 दिनांक 16/04/2021

लोक सूचना

इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित व्यक्तियों द्वारा अपनी खरीद सुदा भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थातः-

क्र. सं.	नाम व पता	मौजा	खसरा नंबर	बीघा/वर्ग गज में
1.	सुश्री मिठु पुत्री गौबरराम, माली निवासी-सदा जी की बाड़ी पीपाड़ शहर	पीपाड़ शहर	2429	999.03 वर्ग गज (आवासीय)

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो, वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर कर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाएगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जाएगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 16/04/2021 को जारी की गई।

(सुरेशचंद शर्मा)
प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिका, पीपाड़ शहर

ANCHOR काढ़ा वितरण

शरीर में इम्युनिटी को बढ़ाने में मददगार है आयुर्वेदिक काढ़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। योग ऋषि स्वामी रामदेव महाराज की प्रेरणा से पतंजलि योग समिति के सानिध्य में हैप्पी सेवा संस्थान के तत्वावधान में शरीर मे रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने व वायरल रोगों से बचाव के लीये सुबह 5 बजे से 9 बजे तक लक्ष्मी भोजनालय के पास आयुर्वेदिक काढ़ा निःशुल्क पिलाया गया। योग समिति के अध्यक्ष भगवान राम परिहार ने बताया कि गिलोय का यह काढ़ा शरीर मे रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाता है। किसी भी प्रकार का वायरल रोगों के बचाव के लिये यह बहुत उपयोगी है,परिहार ने बताया कि हैप्पी संस्थान के अध्यक्ष दिनेश कच्छावाह के सहयोग से हैप्पी संस्थान के सभी कार्यकर्ताओ ने उत्साह के साथ सहयोग किया। सुबह 5 बजे से काढ़ा वितरण का कार्यक्रम चालू हो गया जो 9 बजे तक चलता रहा।जिसमे 3000 से अधिक लोगो को काढा पिलाया गया। जागरूक व्यक्ति भी खूब अपने घरों में काढ़ा लेकर गए। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी शैतानसिंह राजपुरोहित, अधिशाषी अधिकारी सुरेशचंद शर्मा, सोहन लाल सांखला, हैप्पी संस्थान के दिनेश कच्छवाह, लक्ष्मी भोजनालय के डायरेक्टर लूणाराम चौहान, आदित्य कच्छवाह, माही टाक, महेंद्रसिंह उदावत, हनुमान गहलोत, केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक महेंद्र टाक, सावर टाक, गणेश सांखला, प्रकाश मरोटिया, प्रकाश कच्छावाह, ओमप्रकाश जीनगर, जीतू सैनी, उम्मेद, सुरेश कच्छावाह सहित सभी कार्यकर्ताओं ने काढ़े में सहयोग किया।

कैसे तैयार करें आयुर्वेदिक काढ़ा

संवाददाता मेहराम गहलोत द्वारा लिए गये जागरूक जनता न्युज पेपर के विशेष इंटरव्यू के दौरान योग गुरू भगवान राम परिहार ने इसमें इस्तेमाल होने वाले पदार्थों के बारे में बताया है। काढ़ा बनाने के लिए 8 चीजें लें:- » 1 से 2 ग्राम काली मिर्च » 1 गांठ खड़ा हल्दी » 1 गांठ खड़ा अदरक » 10-12 तुलसी के पत्ते » आधा चम्मच दालचीनी पाउडर » 5-6 मुनक्का » 2 चुटकी सौंठ » अश्वगंधा

काढ़ा बनाने का तरीका

काली मिर्च, हल्दी, अदरक, तुलसी के पत्ते, दालचीनी पाउडर, मुनक्का और सौंठ को अच्छी तरह पीस लें। इन सभी चीजों के अलावा अश्वगंधा के पत्तों को भी पीस लें। इसके बाद इन सभी चीजों को पानी में कम से कम 2-3 मिनट तक उबालें। अब इसे छान लें। काढ़ा बनकर तैयार है।

कब पीना फायदेमंद

योग गुरू भगवान राम परिहार के अनुसार, काढ़े को सुबह खाली पेट रोजाना पिएं। परिहार ने जागरूक जनता के इंटरव्यू के दौरान बताया कि इस काढ़ा को पीने से पहले दिन से ही इम्युनिटी मजबूत होने लगती है। इतना ही नहीं सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार से भी जल्द राहत मिलता है। स्वाद अनुसार इसमें आप शहद और गुड़ भी मिला सकते हैं।

जागरूक जनता
जयपुर, बुधवार
21 अप्रैल - 27 अप्रैल 2021

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23
R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

since 2005
विनायक ज्वैलर्स
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

आठ आईएएस अधिकारी इधर-उधर

राजेन्द्र भट्ट उदयपुर संभागीय आयुक्त, उपाध्याय देवस्थान में

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के आठ अधिकारियों के मंगलवार को तबादले किए। इनमें उदयपुर के देवस्थान आयुक्त रहे राजेन्द्र भट्ट को अब उदयपुर का संभागीय आयुक्त बनाया गया है। भट्ट का वैसे पिछली सूची में देवस्थान आयुक्त के पद से सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में आयुक्त के पद पर तबादला किया था, वे स्थानातांरणधीन ही थे कि सरकार ने अब उनको उदयपुर में ही संभागीय आयुक्त बना दिया है। इसी प्रकार स्थानांतरणधीन जनजाति आयुक्त जितेन्द्र उपाध्याय को देवस्थान विभाग में आयुक्त बनाया है, वैसे उनका तबादला टीएडी से संभागीय आयुक्त जयपुर के पद पर किया गया था। उदयपुर में विकास भाले की जगह संभागीय आयुक्त दिनेश कुमार यादव को बनाया था लेकिन उनको भी अब नई सूची में जयपुर संभागीय आयुक्त बना दिया है। उल्लेखनीय है कि यादव का उदयपुर संभागीय आयुक्त के पद तबादला हुआ लेकिन उन्होंने ज्वॉइन नहीं किया इस बीच नई सूची भी जारी हो गई।

ये बदले अधिकारी

विकास सीताराम भाले- शासन सचिव, खेल एवं युवा मामला विभाग
जितेन्द्र कुमार उपाध्याय- आयुक्त, देवस्थान विभाग
दिनेश कुमार यादव- संभागीय आयुक्त, जयपुर
राजेन्द्र भट्ट- संभागीय आयुक्त, उदयपुर
मेघराज सिंह रतनू- अतिरिक्त मिशन निदेशक, नेशनल हेल्थ मिशन
नथमल डिडेल- जिला कलक्टर, हनुमानगढ़
लोकबंधु- जिला कलक्टर, बाड़मेर
अवधेश मीणा- सीइओ, जयपुर स्मार्ट सिटी कंपनी व आयुक्त नगर निगम जयपुर हैरिटेज

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 63, राजीव नगर, मदनबाड़ी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जागरूक खबरें

जागरूक जनता
Jagruk Janta
Digital Edition
/jagrukjantanews jagruk_janta /jagrukjanta
jagrukjanta.net
जयपुर, बुधवार, 21 अप्रैल, 2021
Reliable Weekly News Paper

बंद हो सकता है जयपुर-दिल्ली डबल डेकर, शताब्दी का संचालन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे बोर्ड ट्रेनों में घटते यात्रीभार को देखते हुए जल्दी ही उन रूट पर ट्रेनों को बंद कर सकता है, जहां यात्रीभार (ऑक्यूपेंसी) 20 फीसदी से भी कम है। रेलवे एक बार फिर जयपुर-दिल्ली के बीच संचालित शताब्दी और डबल डेकर ट्रेन का संचालन बंद करने पर विचार कर रहा है। इसके पीछे कारण इन दोनों ही ट्रेनों में यात्रीभार दिनों-दिन कम होना है। शताब्दी ट्रेन पिछले दो-तीन दिन से 90 फीसदी सीटे खाली पड़ी हैं, ये ट्रेन अजमेर से चलती है जो जयपुर होते हुए दिल्ली जाती है। सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को जयपुर से दिल्ली जाने वाली शताब्दी में सिर्फ 67 सीट ही बुक हुईं, जबकि 1025 सीट खाली रहीं। वहीं बुधवार को नई दिल्ली से जयपुर आने वाली शताब्दी में 136 सीट बुक हुईं है। इसी प्रकार आज शाम दिल्ली से जयपुर के चली चली डबल डेकर में 1560 में से सिर्फ 142 सीट ही बुक हुई। तो वहीं बुधवार को जयपुर से दिल्ली जाने में 1560 में से 1431 सीट खाली हैं, यानि सिर्फ 129 सीट ही बुक हुईं हैं। ऐसे में एक बार फिर इन ट्रेनों के संचालन पर बंद होने का संकट गहराने लगा है।

मुंबई जाने वाली ट्रेनों में भी ज्यादा भीड़ नहीं

इधर, मुंबई जाने वाली सभी ट्रेनों में 20 फीसदी से अधिक यात्रीभार नहीं है। वहीं यूपी, बंगाल, बिहार जाने वाली ट्रेनों में अभी भी लंबी वेटिंग है। हालांकि इन रूट्स पर ट्रेनों की संख्या अधिक नहीं होने की वजह से यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। गौरतलब है कि बीकानेर-कोलकाता, उदयपुर-न्यूजलपाईगुड़ी, मरुधर एक्सप्रेस, कामाख्या स्पेशल अन्य कुछ ट्रेनें जो यूपी, बिहार और बंगाल जाती हैं, उन ट्रेनों में पूरे साल यात्रीभार अधिक रहता है।

पेट्रोलपंप संचालकों ने टाली हड़ताल: 25 से प्रस्तावित हड़ताल अब एक महीने बाद

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य में पेट्रोल और डीजल पर सबसे ज्यादा वैट और अन्य मुद्दों को लेकर 25 अप्रैल से प्रस्तावित पेट्रोल पंप संचालकों की हड़ताल एक माह के लिए स्थगित कर दी गई है। राज्य में कोविड की परिस्थितियों को देखते हुए जिस तरह के हालात बने हैं, उसमें पंप संचालक आमजन को अपने कारणों से और परेशानी में नहीं डालना चाहते। दूसरी ओर, ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन की मांग पर राज्य सरकार कोविड लॉकडाउन के दौरान पेट्रोल पंपों को 24 घंटे खोले जाने पर सहमत भी हो गई है। इस संबंध में मंगलवार देर रात तक आदेश निकल सकते हैं। पेट्रोल पंप संचालकों की राज्य सरकार से बातचीत भी मंगलवार को चल रही है। इसी दौरान यह फैसला किया गया है।

हवाई सफर पर कोरोना का साया

अहमदाबाद, चंडीगढ़, गोवा, अमृतसर और मुंबई जाने वाली 8 उड़ानें रद्द

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमण का असर अब हवाई यात्रा पर भी पड़ने लगा है। मंगलवार को कम यात्रियों की संख्या की वजह से कंपनियों ने 8 उड़ानें रद्द करने का फैसला लिया है। जयपुर एयरपोर्ट पर समर सीजन में 41 फ्लाइट्स का संचालन होना था, लेकिन इन दिनों औसतन 28 फ्लाइट ही संचालित हो रही हैं। सबसे ज्यादा असर महाराष्ट्र और गुजरात के लिए संचालित होने वाली फ्लाइट्स पर दिख रहा है। मुंबई के लिए शेड्यूल के मुताबिक हर रोज कुल 9 फ्लाइट संचालित होनी चाहिए, लेकिन रोज औसतन 4 से 5 फ्लाइट रद्द हो रही हैं। इसके अलावा अहमदाबाद के लिए संचालित होने वाली स्पाइसजेट और गो एयर की फ्लाइट भी रद्द चल रही हैं। जयपुर से चंडीगढ़, अमृतसर, गोवा आदि शहरों के लिए संचालित होने वाली फ्लाइट्स का शेड्यूल भी अनियमित चल रहा है। आज जयपुर से उड़ान भरने वाली इंडिगो की जयपुर-गोवा, स्पाइसजेट की अमृतसर, अहमदाबाद और दो फ्लाइट्स मुंबई की, गो एयर की मुंबई फ्लाइट, इंडिगो की चंडीगढ़ फ्लाइट और इंडिगो की देर शाम मुंबई जाने वाली फ्लाइट रद्द रही।

यात्रीभार कम आने के कारण एयरलाइंस कंपनियों ने नहीं किया संचालन

राजस्थान में आने से पूर्व वेब पोर्टल पर अपलोड़ करनी होगी जानकारी

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार ने प्रदेश में कोविड-19 महामारी में संक्रमण की दूसरी लहर के प्रसार व बढ़ते हुए प्रकोप की श्रृंखला को रोकने एवं नियंत्रण करने के उद्देश्य से राजस्थान में बाहर से आने वाले लोगों को राजस्थान सरकार द्वारा विकसित वेब पोर्टल पर सभी सूचनाएं अपलोड करनी होंगी। गृह विभाग के प्रमुख शासन सचिव अभय कुमार ने बताया कि वेब पोर्टल के URL http://emitra.rajasthan.gov.in पर आगमन से पूर्व वेब पोर्टल पर मांगी गई सभी सूचनाएं अपलोड करना अनिवार्य होगा। सभी वांछित सूचनाओं के साथ अनिवार्य रूप से अपलोड करनी होगी। उन्होंने बताया है राज्य में बाहर से आने वाले यात्रियों को राजस्थान में आगमन से पूर्व यात्रा प्रारंम्भ करने के 72 घण्टे के अन्दर करवाई गई RT-PCR नेगेटिव जाँच रिपोर्ट इस पोर्टल पर सभी वांछित सूचनाओं के साथ अनिवार्य रूप से अपलोड करनी होगी. जिला प्रशासन तथा विभागीय अधिकारी इस पोर्टल पर अपलोड की गई सूचनाओं की जानकारी GOVT. SSO ID > "COVID v~ STATISTICS" > "VISUAL ANALYTICS" > RERORT/STATISTICS > 0-INWARD" से प्राप्त कर सकेगें.

IPL 2021, DC vs MI

दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस इंडियंस को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। आईपीएल 2021 के 13वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से हराया। टॉस जीतकर मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 137 रन बनाए। टीम की तरफ से कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे अधिक 44 रनों की पारी खेली। अमित मिश्रा ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए अपने चार ओवर में सिर्फ 24 रन देकर 4 विकेट झटके। दिल्ली की टीम ने 138 रनों के लक्ष्य को 5 गेंद शेष रहते हुए हासिल किया। अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन का बल्ला एकबार फिर चला और उन्होंने 45 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि स्टीव स्मिथ ने 33 रनों का योगदान दिया। दिल्ली की यह इस सीजन की तीसरी जीत है। वही, मुंबई को चौथे मैच में दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत भी खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में ही पृथ्वी शॉ (07) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने ऑफ स्पिनर जयंत को उन्हीं की गेंद पर कैच थमाया। धवन और स्मिथ की अनुभवी जोड़ी ने इसके बाद पारी को संभाला। दोनों ने पावरप्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 39 रन तक पहुंचाया। दिल्ली के रनों का अर्धशतक आठवें ओवर में पूरा हुआ जिसके बाद नौवें ओवर में स्मिथ ने क्रुणाल पांड्या पर दो चौके मारे। स्मिथ हालांकि 29 गेंद में 33 रन बनाने के बाद कीरोन पोलार्ड की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए जिससे धवन के साथ उनकी 53 रन की साझेदारी का अंत हुआ। धवन ने राहुल चाहर और जसप्रीत बुमराह पर चौके के साथ रन गति में इजाफे का प्रयास किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने चाहर की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका जड़ा लेकिन इसी ओवर में कृणाल को कैच दे बैठे।

राजस्थान सरकार का बड़ा फैसला

दूध, सब्जी, किराना और मेडिकल वालों को पहले वैक्सीन लगेगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में सब्जी, दूध, किराना और दवा बेचने वालों को पहले कोरोना की वैक्सीन लगाई जाएगी। ऐसा इसलिए ताकि इनके जरिए दूसरे लोगों तक संक्रमण न फैले। दरअसल, राज्य में तेजी से संक्रमण फैल रहा है। इसे देखते हुए सरकार ने पूरे राज्य में 3 मई तक लॉकडाउन लगा दिया है। इसमें सब्जी, दूध, किराना और दवा बेचने वालों को छूट दी है। इसलिए राज्य सरकार ने सबसे पहले इनका वैक्सीनेशन कराने का फैसला लिया है।

45 साल की उम्र का बंधन रहेगा

सरकार के मुताबिक, ऐसे लोग जो फल-सब्जी, दूध, दवाइयां या किराना का सामान बेचते हैं और जिनकी उम्र 45 या उससे ज्यादा है, उन्हें प्राथमिकता से कोरोना की वैक्सीन लगाई जाएगी। 1 मई से जब 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का वैक्सीनेशन शुरू होगा, तब भी सरकार इन्हें प्राथमिकता से टीका लगवाएगी।

कलेक्टरों को आदेश जारी

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सचिव ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को यह आदेश जारी कर दिया है। इसमें कोरोना प्रभावित या हॉटस्पॉट एरिया में काम करने वाले बैंक कर्मचारियों, उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों, फल-सब्जी का ठेला लगाने वाले या दुकानों पर सामान बेचने वाले, दूध, दवाइयां बेचने वाले, अखबार बांटने वाले हॉकर्स और मीडियाकर्मियों को टीका लगाने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा आदेश में जिन फ्रंट लाइन वर्कर्स (पुलिस, राजस्व विभाग, पानी, बिजली कर्मचारी) ने अब तक टीका नहीं लगवाया है, उन्हें भी जल्द से जल्द टीका लगवाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि इनकी ड्यूटी जब कोरोना संɃ मण से प्रभावित वाले एरिया में लगे तो इनकी जान को खतरा न हो।

अब तक 1.13 करोड़ से ज्यादा डोज लगे

राज्य में टीकाकरण ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। प्रदेश में 2.87 लाख लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाई गई। 16 जनवरी से अब तक 1.13 करोड़ लोगों को डोज लगाई जा चुकी है। इसमें 49.03 लाख तो वे लोग हैं, जिनकी उम्र 60 या उससे ज्यादा है। वहीं 38.73 लाख वे लोग हैं, जिनकी उम्र 45 से 59 साल के बीच है।

अब नो मास्क-नो मूवमेंट अभियान चलाएगी गहलोत सरकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच अब सख्ती बरतना शुरु कर दिया है। राजस्थान सरकार अब प्रदेश भर में सख्ती के साथ नो मास्क नो मूवमेंट अभियान चलाएगी। इस अभियान के तहत अब बिना मास्क पहने किसी को भी बाहर नहीं निकलने दिया जाएगा। बिना मास्क घर से बाहर निकलने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी,जुर्माना वसूला जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शहरी निकायों के प्रमुखों, नगरीय निकायों के अफसरों के साथ वर्चुअल बैठक में इस अभियान की घोषणा की। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- कोरोना की दूसरी घातक लहर पर नियंत्रण के लिए राज्य सरकार 'नो मास्क-नो एन्ट्री' से एक कदम आगे बढ़कर पूरी सख्ती के साथ प्रदेश में 'नो मास्क-नो मूवमेन्ट' अभियान चलाएगी। संɃ मण की चेन तोड़ने के लिए यह जरूरी हो गया है कि बिना मास्क के कोई भी घर से बाहर न निकले। कई देशों में मास्क लगाने, सोशल डिस्टेसिंग तथा कोविड प्रोटोकॉल की सख्ती से पालना के कारण ही वहां संɃ मण रोकने में सफलता मिली। कई अध्ययन भी यह बताते हैं कि संक्रमण से बचाव का सबसे कारगर उपाय मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और वैक्सीन ही हैं। ऐसे में, लोग राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कड़े कदमों की पालना में पूरा सहयोग करें। गहलोत ने कहा कि बिना अनुशासन हम संक्रमण की चेन नहीं तोड़ सकते, इसी को ध्यान में रखकर जन अनुशासन पखवाड़े जैसा कदम सरकार ने पूरी गंभीरता के साथ उठाया है। इससे कुछ समय के लिए लोगों को असुविधा हो सकती है, लेकिन जीवन बचाने के लिए हम सभी को स्व अनुशासन में रहकर जीवन रक्षा का फर्ज निभाना होगा। हेल्थ प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर जुर्माना वसूलना सरकार का उद्देश्य नहीं है। इसके पीछे की भावना लोगों को सख्ती से अनुशासन की पालना के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि जिस घातक गति से कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है, देशभर में लोगों की मौत हो रही हैं, कई राज्यों में स्थिति बेहद चिंताजनक है। ऑक्सीजन, बैड, वेन्टीलेटर एवं जरूरी दवाओं सहित संसाधन कम पड़ने लगे हैं। ऐसे में, कोविड प्रोटोकॉल की पालना किए बिना हम इस लड़ाई को नहीं जीत सकते, क्योंकि यह लड़ाई सिर्फ अस्पतालों में नहीं, घर और समाज को साथ लेकर लड़नी होगी।

महामारी का तांडव जारी

64 लोगों की मौत, 12201 संक्रमित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कोरोना महामारी का तांडव जारी है। मंगलवार को एक दिन में 64 लोगों की मौत के साथ यह अपने भयावह रूप में है। सर्वाधिक जोधपुर जिले में 17 लोगों की मौत हुई है। कोटा में 10 लोगों की जान गई। राज्य से रिकॉर्ड 12201 नए कोरोना पॉजिटिव मिले। इसके साथ ही राज्य में कोरोना के 85571 एक्टिव केस हो गए हैं।

किस जिले में कितने नए रोगी मिले

कोरोना के जयपुर में 1875, जोधपुर में 1547, कोटा में 1382, उदयपुर 932, अलवर 650, भीलवाड़ा 475, अजमेर 439, बीकानेर 401, धौलपुर 202, चित्तौडगढ़ 214, सीकर 288, डूंगरपुर 355, राजसमंद 251, सिरोही 475, प्रतापगढ़ 93, दौसा 244, बारां 255, पाली 340, सवाई माधोपुर 106, झालावाड़ 123, झुंझुनूं 138, भरतपुर 90, नागौर 185, श्रीगंगानगर 28, चूरू 205, करौली 100, जालोर 65, हनुमानगढ़ 141, टोंक 175, बाड़मेर 110, बांसवाड़ा 120, जैसलमेर 65, बूंदी से 134 नए मरीज मिले।

यहां हुई मौत

अजमेर में 1, अलवर में 2, भीलवाड़ा में 1, बीकानेर में 2, बूंदी में 1, चित्तौड़गढ़ में 2, चूरू में 1, दौसा में 2, डूंगरपुर में 2, जयपुर में 9, झालावाड़ में 1, झुंझुनूं में 1, जोधपुर में 17, कोटा में 10, नागौर में 1, पाली में 1, राजसमंद में 1, सवाईमाधोपुर में 1, सीकर में 1, टोंक में एक और उदयपुर में 7 लोगों की मौत दर्ज की गई। इससे पहले सोमवार को एक दिन में 53 लोगों की मौत हुई थी। सोमवार को 11,967 नए कोरोना पॉजिटिव मिले थे।

कोरोना मरीजों के लिए चरक भवन तैयार

जयपुर @ जागरूक जनता। एसएमएस के चरक भवन को भी कोविड डेडिकेटेड अस्पताल के तौर पर तैयार कर दिया गया है। कोरोना संक्रमण की बढ़ती दर और मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस भवन को कोरोना मरीजों के लिए रिजर्व कर दिया गया। इसके बाद पूरे भवन को सेनेटाइज कर यहां पर डेढ़ सौ बैड कोरोना मरीजों के लिए लगाए गए हैं। हर बैड पर ऑक्सीजन की सुविधा भी दी गई है। अब यह मरीजों के लिए पूरी तरह तैयार है। जरूरत होने पर भवन में 250 बैड तक क्षमता बढ़ाई जा सकती है। चरक भवन के नोडल ऑफिसर डॉ. एसएस राणावत को बनाया गया है। एसएमएस के अधीक्षक डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि अब चरक भवन में कोरोना मरीजों को शिफ्ट किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर हर बैड पर ऑक्सीजन दी जा सकती है।

फिलहाल 150 बैड लगाए गए

सभी पर ऑक्सीजन की सुविधा

जयपुरिया में बढ़ाए बैड: जयपुरिया अस्पताल की अधीक्षक डॉ. रेखा सिंह ने बताया कि अस्पताल में कोरोना वार्ड में बैड बढ़ा दिए गए हैं। यहां 150 बैड थे, अब 304 बैड का वार्ड तैयार हैं। यहां पर 177 बैड पर ऑक्सीजन की सुविधा है।

योगी कैबिनेट में फैसला

यूपी में 18+ सभी लोगों को मुफ्त मिलेगी कोरोना वैक्सीनेशन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

लखनऊ। प्रदेश सरकार 18 साल से ज्यादा उम्र वालों को निःशुल्क टीका लगवाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को वर्चुअली हुई कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में 18 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्तियों को आगामी एक मई से कोविड टीकाकरण की सुविधा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि बेहतर कोविड प्रबंधन के साथ-साथ व्यापक टीकाकरण कार्य कोरोना को परास्त करने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

मुफ्त टीके के लिए निर्देश

सीएम ने कहा कि इसीलिए प्रदेश सरकार ने 18 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों का निशुल्क वैक्सीनेशन कराने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार अपने संसाधनों से टीकाकरण कार्यɃ म को आगे बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीकाकरण अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग कार्य योजना बनाकर कार्य करे। हमे वैक्सीनेशन सेन्टर बढ़ाने होंगे। लक्षित आयु वर्ग के लोगों का डेटा बेस तैयार करना होगा। साथ ही वैक्सीन की डोज की आवश्यकता का आकलन कर उत्पादकों से इसकी सुचारू आपूर्ति के प्रबंध भी करने होंगे। उन्होंने टीके के लिए कोल्ड चेन सहित सुरक्षित भंडारण और परिवहन के लिए भी व्यवस्था करने पर बल दिया।

मंत्रियों को दी गई जिम्मेदारी

बैठक में कोविड 19 की स्थिति पर गहन विचार विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कोरोना की दूसरी लहर में भी जीवन और आजीविका, दोनों को बचाने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी प्रभारी मंत्रीगण अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में कोविड उपचार की स्थिति पर नज़र रखें और स्थानीय प्रशासन का मार्गदर्शन करें। प्रभारी मंत्री नियमित समीक्षा करते हुए कोविड बेड की संख्या दोगुनी कराने, ऑक्सीजन की अनवरत आपूर्ति, रेमडेसिविर इंजेक्शन सहित सभी जीवन रक्षक दवाओं की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास करें।

राजस्थान में लॉकडाउन का विरोध

भरतपुर में प्रदर्शन, झालावाड़ में पुलिस से झड़प, नागौर में दो दिन बाजार खुलेंगे

सड़कों पर उतरे व्यापारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के प्रमुख ट्रेड एंड इंडस्ट्री एसोसिएशन और जिलों के व्यापार संगठन अब राज्य सरकार की ओर से लगाए गए लॉकडाउन के विरोध में उतर आए हैं। फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री- फोर्टी के विरोध के बाद अब मंगलवार को कई प्रमुख संगठनों और जिलों के व्यापार मंडल भी सड़कों पर उतरे। भरतपुर में तो व्यापारी हाथ में तख्तियां लेकर सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करते रहे। अन्य कई जिलों में व्यापारियों ने प्रशासन को ज्ञापन देकर बाजार खोलने की मांग की है।

कुछ व्यापारियों ने यहां तक कहा है कि यदि प्रशासन अनुमति नहीं देगा तो कारोबारी एक-दो दिन में खुद ही बाजार खोलने को मजबूर होंगे। इस बीच नागौर कलेक्टर ने नए आदेश जारी कर जिले में दो दिन यानी शुक्रवार व शनिवार को ज्वैलरी शॉप, कपड़ा, रेडिमेड गारमेंट्स और टेलर्स शॉप खोलने की अनुमति दी है। इनके खुलने का समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक रहेगा। फोर्टी ने राज्य में लॉकडाउन के कारण इन 15 दिनों में करीब 20 हजार करोड़ रुपए के घाटे का अनुमान लगाया है। सरकार को सुझाया भी है कि वह सेक्टरवाइज लॉकडाउन का फार्मूला अपना सकती है। इससे कोरोना चेन टूटेगी और सड़कों पर लोगों की भीड़ भी नहीं होगी। दूसरी ओर जयपुर के व्यापारिक संगठनों ने भी लॉकडाउन का विरोध किया है। कुछ संगठनों ने मुख्यमंत्री को भी पत्र भी लिखा है, जिसमें व्यापारियों की दुकानों को खोलने का अनुरोध किया है।

भरतपुर में शटर के सामने खड़े होकर बाजार बंद

भरतपुर व्यापार मंडल की ओर से बंद के विरोध में दोपहर में बाजारों के व्यापारी इकट्ठा हो गए और हाथ में तख्तियां लेकर सड़कों पर आ गए। उन्होंने तख्तियों पर लॉकडाउन खत्म करने की सरकार से अपील की। दुकानों पर भी इसी तरह के पोस्टर चिपका दिए। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का कहना था कि बाजार पर पहले से ही मार पड़ी हुई है। सरकार ने फिर और कड़ाई कर दी है।

कई जिलों में प्रशासन को ज्ञापन

अलवर में बाजार बंद होने पर व्यापारिक संगठनों ने सामूहिक रूप से कलेक्टर को ज्ञापन दिया। नागौर में भी प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर बाजार खोलने की मांग की। उधर, झालावाड़ के एक कस्बे में खुली दुकान को बंद कराने पहुंची पुलिस से व्यापारी विरोध करते हुए उलझ पड़े। बाद में पुलिस ने उन्हें जबरन दुकान से बाहर निकाला और दुकान बंद करा दी।

व्यापारियों को एसडीएम ने दे डाली हिदायत

नागौर के रियाबंडी में व्यापारियों ने एसडीएम सुरेश कुमार से मिलकर दुकानों को खुलवाने की मांग की। इस पर एसडीएम ने सरकार के आदेशों की पालना कराए जाने की बात की। एसडीएम ने अनावश्यक कार्रवाई से बचने के लिए सभी व्यापारियों से मौजूदा गाइडलाइन के पालन करने की हिदायत दे डाली।

दुकानें नहीं खोलने दो तो आर्थिक पैकेज दो

श्रीगंगानगर में बाजार बंद करने का व्यापारियों ने विरोध किया। विरोध में वे सड़कों पर उतरे और नारेबाजी की। व्यापारियों का कहना था कि व्यापारी के अलावा शेष सभी लोग बाजार में आसानी से आ जा रहे हैं, लेकिन केवल व्यापारी वर्ग पर ही पाबंदी क्यों लगाई गई है? व्यापारियों को दुकानें बंद रहते भी स्थाई खर्चे कर्मचारी वेतन, दुकान किराया, बिजली बिल आदि का भुगतान करना पड़ता है।

ANCHOR | **मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद पहली रामनवमी**

निगेटिव रिपोर्ट के बाद ही हो पाएंगे रामलला के दर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अयोध्या। राम मंदिर का निर्माण शुरू होने के बाद यह पहली राम नवमी है। कुछ दिन पहले तक सरकार से लेकर साधु-संत तक इस तैयारी में जुटे थे कि 21 अप्रैल को राम नवमी भव्य तरीके से मनाई जाए, लेकिन कोरोना के बेकाबू संक्रमण ने इस उत्साह पर पानी फेर दिया है। पिछले 24 घंटे में अयोध्या में कुल 200 संक्रमित मिले हैं। अब यहां कुल मरीजों की संख्या 1311 पहुंच गई है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि राम नवमी बिना श्रद्धालुओं के मंदिर में पूजा-अर्चना तक सीमित रहेगी। पिछले साल 2020 में भी लॉकडाउन के चलते राम नवमी के कार्यक्रम नहीं हो सके थे। यह लगातार दूसरा साल होगा, जब अयोध्या में राम नवमी का मेला नहीं लगेगा। राम मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास कहते हैं, बहुत सीमित संख्या में लोग रामलला के दर्शन करने पहुंच रहे हैं और उनको 5-5 के बैच में ही प्रवेश दिया जा रहा है। सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क लगाना अनिवार्य है। ऐसे में जाहिर है कि राम नवमी का पर्व केवल औपचारिक तौर पर ही मनाया जाएगा।

महंत राज कुमार दास भी राम नवमी के कार्यक्रमों के सवाल पर कहते हैं कि पहले जान है तो जहान है। जब श्रद्धालु ही नहीं रहेंगे तो मंदिर की पूजा-अर्चना करने कौन आएगा। ऐसे में प्रशासन की जो गाइडलाइन है, उसका कड़ाई से पालन करते हुए लोग अपने घरों में ही राम नवमी का पर्व मनाएं। महंत मैथिली शरण ने अपील की है कि जहां पूजा-अर्चना भगवान राम की होगी, वही अयोध्या है। अयोध्या के एसएसपी शैलेश पांडेय ने बताया कि केवल उन्हीं लोगों को रामनवमी के अवसर पर मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा जो कोविड-19 की निगेटिव रिपोर्ट लेकर आएंगे। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, राम नवमी के पहले चेकिंग अभियान चलाया जाएगा और अयोध्या की सीमाएं सील की जाएंगी।

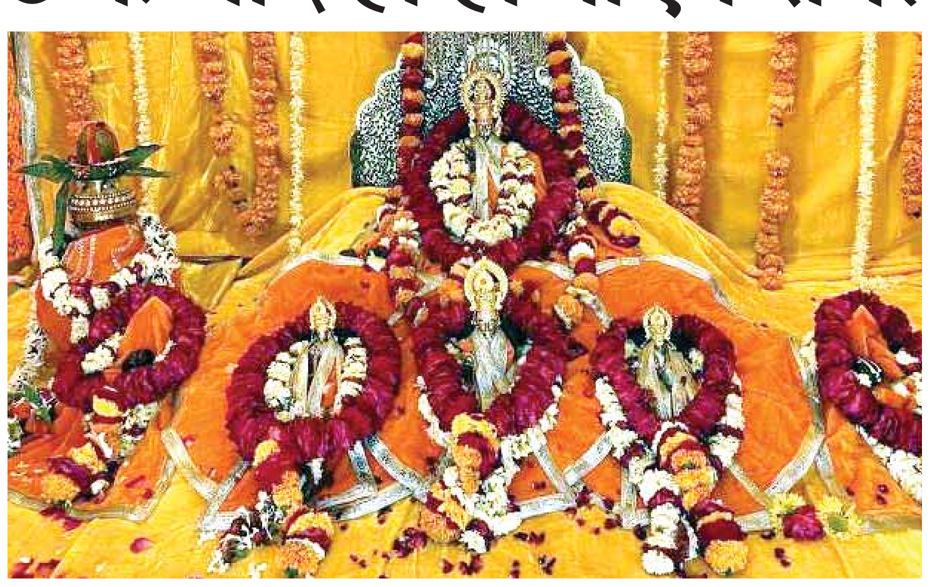

राम मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद चल रही योजनाओं पर भी कोरोना का असर

राम मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद अयोध्या को पर्यटन के नक्शे पर लाने के लिए सरकार ने कई योजनाएं शुरू की थीं, लेकिन कोरोना के चलते वे सभी प्रभावित हैं। 2022 का विधानसभा चुनाव नजदीक आते देख कुछ योजनाओं पर काम तेजी से शुरू कराने का प्रयास किया गया। जिन योजनाओं पर काम चल रहा है, उनमें अयोध्या का बस स्टेशन, कोरियाई रानी का पार्क, हाईवे एनएच 27 को सिक्स लेन करना, अयोध्या के चारों तरफ रिंग रोड का निर्माण, 84 कोसी परिक्रमा के मार्ग को हाईवे का दर्जा देकर इस पर पड़ने वाले करीब डेढ़ सौ तीर्थ स्थलों का विकास, करीब 1200 एकड़ क्षेत्र में नव अयोध्या का निर्माण, अयोध्या अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण जैसी तमाम घोषित परियोजनाएं हैं। इनमें कुछ पूरी हो रही हैं, कुछ पर काम शुरू हुआ है। कुछ जमीन पर ही नहीं उतरी हैं। अयोध्या में करीब आधा दर्जन हाईवे के निर्माण की घोषणा सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान यहां कर गए थे. उन पर भी काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

सबसे ऊंची प्रतिमा की परियोजना का काम नहीं हो सका है शुरू

251 मीटर प्रभु राम की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा की महत्वाकांक्षी परियोजना पर भी काम शुरू नहीं हो सका है। इसकी घोषणा सीएम योगी आदित्यनाथ ने 4 साल पहले दीपोत्सव के बाद की थी। पिछले 2 सालों में अयोध्या में विकास की बहुत सी योजनाएं शुरू हुईं, लेकिन उनमें से ज्यादातर ठंडे बस्ते में पड़ी हैं।

जागरूक खबरें

शिक्षा निदेशक से सवांद, सौंपा ज्ञापन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान समग्र शिक्षक संघ द्वारा शिक्षा निदेशक सौरभ स्वामी से निदेशालय में संवाद कर शिक्षकों एवं कार्मिकों की मांगों से संबंधित ज्ञापन सौपे गए ।समग्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर उदय सिंह डिगांर ने निदेशक को सौंपे ज्ञापन में मांगों के संबंध में बताया कि.प्रबोधक को एवं अध्यापकों की फिक्सेशन त्रुटि दूर करवाने, बकाया नेशनल परिलाभ दिलवाने ,स्टाफिंग पैटर्न एवं 6डी करवाने, प्रबोधको की पदोन्नति करवाने, संविदा निविदा एवं प्लेसमेंट कार्मिकों के मानदेय में वृद्धि करवाने, पुरानी पेंशन दिलवाने ,वेतन विसंगति दूर करवाने, स्थानांतरण नीति लागू करवाने, टीएसपी से नॉन टीएसपी में तबादले करवाने संबंधी मांगे शामिल है। उन्होने शिक्षा निदेशक को संगठन की ओर से अभ्यावेदन भी प्रस्तुत किया जिसमें समग्र शिक्षक संघ के उद्देश्य,विधान,राजस्थान सरकार में पंजीयन प्रमाण पत्र ,प्रान्तीय एवं जिला कार्यकार्यकारणी की सूचीयां सौपी। निदेशक महोदय द्वारा समग्र शिक्षक संघ की मांगों पर नियमानुसार उचित समाधान का भरोसा दिलवाया। इस दौरान प्रदेश संगठन मंत्री मोहन स्वामी,संघ के बीकानेर जिला महामंत्री हुकम चंद सेन आदि उपस्थित थे।

'चैत्र नवरात्रि साहित्यिक महोत्सव' में रचनाकारों ने दी प्रस्तुतियां

लुधियाना @ जागरूक जनता। "पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह" द्वारा चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन "चैत्र नवरात्रि साहित्यिक महोत्सव" का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'परम पूज्य माँ' रखा गया। इस महोत्सव में देशभर के रचनाकारों ने भाग लिया तथा महोत्सव में एक से बढ़कर एक नवरात्रि पर आधारित अपनी रचना प्रस्तुत कर परम पूज्य माँ की महिमा का गुणगान किया तथा नवरात्रि के पावन पर्व को और भी ज्यादा उत्साह-उमंग से भर दिया। इस महोत्सव में समूह द्वारा सहयोग हेतु विशेष रूप से संगीता सिंघल विभु (पीलीभीत, उत्तर प्रदेश) और सुनीला गुप्ता (सीकर, राजस्थान) का चयन किया गया था। जिन्होंने अपने विशिष्ट सहयोग से 'चैत्र नवरात्रि साहित्यिक महोत्सव' को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। समूह द्वारा महोत्सव में शामिल होने वाली विशिष्ट सहयोगी शख्सियतों सहित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को "नवरात्रि महोत्सव सर्वश्रेष्ठ रचनाकार" सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने सभी रचनाकारों को पावन पर्व नवरात्रि की शुभकामनाएं दी और कहा कि "पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह" इसी तरह आगे भी ऑनलाइन 'साहित्यिक महोत्सवों के माध्यम से रचनाकारों को अपनी साहित्यिक प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करता रहेगा तथा नए रचनाकारों को साहित्यिक मंच उपलब्ध करवा के साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम संगीता सिंघल विभु, सुनीला गुप्ता, हरप्रीत कौर, रामभरोस टोण्डे, प्रिया सिन्हा, रश्मि सक्सैना, डॉ. ऋषिका वर्मा, प्राची चतुर्वेदी, सावित्री मिश्रा, सरिता कुमार, आरती झा, सुप्रसन्ना झा, अमृता पांडे, स्मिता अग्रवाल, शुभा निगम और मीता लुनिवाल रचनाकारों के रहे।

वीसी के माध्यम से एबीवीपी जिला समिति बैठक आयोजित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) चित्तौड़गढ़ की जिला समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित हुई। जिला संयोजक पहलवान सालवी ने बताया कि वर्तमान मे कोरोना को लेकर आमजन में जागरूकता एवं आगामी समय में सेवा कार्यों को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने अपने अपने सुझाव दिए। बैठक का संचालन जिला सोशल मीडिया संयोजक अरुण चंदेल ने किया। इस दौरान जिला संयोजक पहलवान सालवी, सहसंयोजक गोविंद ईनाणी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मेघा दमामी, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य भरत सिंह, राधा वैष्णव, निकिता शर्मा, श्याम लाल गुर्जर, महेंद्र सिंह, जिला एसएफडी संयोजक दशरथ धाकड़, महाविद्यालय संयोजक यशवंत रेगर, जिला समिति सदस्य आकाश टांक, राधे सुथार भादसोड़ा, भरत धाकड़, कन्हैया रावत आदि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

देशना वीरा केन्द्र ने बांधे परिन्डे

चितौडगढ़ @ जागरूक जनता। जीव दया ही सर्वोतम सेवा एवं पुण्य का कार्य है एवं जन सेवा के इस कार्य के लिए आमजन को जागरूक होने की आवष्यकता है। महावीर इन्टरनेषनल वीरा देषना केन्द्र द्वारा गांधीनगर स्थित महावीर पार्क एवं पन्नाधाय कोलानी में आयोजित कार्यक्रम में पक्षियों को दाना-पानी के लिए परिण्डे स्थापित किये। देषन केन्द्र अध्यक्षा सुनीता सिसोदिया ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में देषना वीरा केन्द्र अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। गर्मीयों में पशु-पक्षियों की सेवा व देखभाल के कार्य अहम है इसे अपना दायित्व मानते हुए करना है। पुरे शहर में परिण्डे स्थापित किये जाने के साथ ही नियमित पानी एवं आहार (दाना) नियमित डालने हेतु अपील की गई। देषना वीरा केन्द्र की संस्थापक अध्यक्षा विमला सेठिया ने केन्द्र द्वारा शहर में परिण्डे लगाने को लेकर किये जा रहे कार्य सहित अन्य गतिविधियों की सराहना की। इस अवसर पर अरबन बैंक प्रबन्ध निदेषक वन्दना वजीरानी, कल्पना मेहता, अनीता भडक्तिया, लता पोखरना, मीना पोखरना, सीमा भडक्तिया एवं प्रियंका जैन सहित वीराएं उपस्थित थी। कोरोना एडवाइजरी की पूर्णरूपेण पालना करते हुए चितौड़गढ़ शहर में परिण्डे बॉधे जायेगे।

18 वर्ष से ऊपर सभी नागरिकों को वैक्सीनेशन की घोषणा जन हितकारी निर्णय-गर्ग

जैसलमेर @ जागरूक जनता । भारत ही नहीं अपितु समूचा विश्व इस समय भयावह महामारी से जूझ रहा है। साधन सीमित हैं परंतु हौसले बुलंद है। हालातों की भयावहता और गंभीरता को देखते हुए भारत सरकार ने लिया जन कल्याणकारी फैसला। विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का विस्तार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फैसला किया कि अब एक मई से 18 वर्ष से ऊपर के सभी नागरिकों को वैक्सीन लगाई जाए । इससे जनता को महामारी से लड़ने का हौसला भी मिलेगा और सुरक्षा भी। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन इस मामले पर गंभीरता से रुपरेखा तैयार करने में लगे हुए हैं। राष्ट्रीयअनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष व जोधपुर सम्भाग प्रभारी भाजपा युवा नेता गर्ग ने तमाम लोगों से निवेदन किया है कि वे वैक्सीन की डोज जरूर लें। महामारी से बचाव का ये सबसे बड़ा और कारगार उपाय है। प्रधानमंत्री मोदी और स्वास्थ्य मंत्री का इस फैसले के लिए कोटि कोटि अभिनंदन आभार जताया। कोरोना की इस भीषण त्रासदी से लड़ते हुए एक साल से भी ऊपर का वक्त हो चुका है मगर ये महामारी अभी भी काबू से बाहर है। ऐसे में सभी नागरिकों के लिए वैक्सीनेशन की घोषणा सरकार का एक जन हितकारी निर्णय है। अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष और जोधपुर संभाग प्रभारी भाजपा युवा नेता प्रभारी ओम प्रकाश गर्ग जैसलमेर ने बताया कि पार्टी इसके लिए व्यापक रूप से जागरुकता फैलाने में जुटी हैं ताकि अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीनेशन दी जा सकें। उन्होंने लोगों से सावधानी बरतने और अधिक से अधिक टीकाकरण कराने की अपील भी की है।

भगवा रक्षा दल ने किया जयपुर जिले की कार्यकारिणी का विस्तार

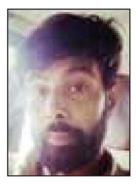

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र रेपसवाल के निर्देशानुसार जयपुर जिला अध्यक्ष अनिल कुमार नायक ने जयपुर जिले की कार्यकारिणी का गठन करना शुरू किया, जिसके तहत अमरदीप शर्मा को जयपुर जिला मीडिया प्रभारी, कुलदीप इंद्र पूरा को विधाधर नगर विधानसभा अध्यक्ष, अंकित कुमार को कार्यकारिणी सदस्य, प्रशांत टेपन को झोटवाड़ा विधान सभा अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने विश्वाश दिलाया है कि बहुत जल्द अपने अपने क्षेत्र में कार्यकारिणी का विस्तार करेगे तथा आम जनता को जागरूक करेगे।

न्युवोको चित्तौड़ सीमेंट प्लांट

कोरोना वैक्सीनेशन में 100 लोगों ने लगवाया टीका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड के चित्तौड़ सिमेन्ट प्लांट द्वारा विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के अंतर्गत कोविड-19 वैक्सीन, टीकाकरण शिविर मंगलवार को कम्यूनिटी हाल में आयोजित किया गया। जिला उद्यौग केंद्र के तत्वावधान में संयंत्र में कार्यरत अधिकारियों, ठेकाश्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के लाभ हेतु आयोजित किये गए इस शिविर में सुबह से ही टीके लगवाने हेतु इच्छुक व्यक्तियों की कतार लगनी प्रारंभ हो गई। सामाजिक दूरी के साथ ही मास्क सही तरीके से पहना जाए इसका अनुपालन आयोजनकर्ताओं द्वारा सभी आवश्यक सावधानियों के साथ किया गया। टीकाकरण हेतु चिकित्सा कर्मियों के आते ही आधार कार्ड लेकर ऑनलाइन पंजीकरण के साथ ही टीकाकरण प्रारंभ कर दिया गया। टीकाकरण शिविर के बारे में जानकारी देते हुए प्लांट मैनेजर संजय त्यागी, ने कहा कि, देश में कोविड मामलों के बढ़ते खतरे ने हमें एहसास दिलाया है कि वायरस को केवल एकजुटता और साझा समर्पण से हराया जा सकता है। हमारे हित धारकों, सहयोगियों और कर्मचारियों का स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता में है। हम किसी भी प्रकार की संकट की स्थिति में सभी के स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति कटिबद्ध है। शिविर की निर्धारित अवधि के दौरान लगभग 100 लोगों ने टीकाकरण करवाया। जिनमें संयत्र कार्मिक, परिवारजन एवं समीपस्थ ग्राम भावलिया के ग्रामवासी भी थे। 45 वर्ष एवं उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों में अधिकतर के लिए यह पहली खुराक थी, वहीं एक दर्जन लोगों ने आज दूसरी खुराक लेकर अपना टीकाकरण पूर्ण किया। टीका लगवाने के बाद हर व्यक्ति आधे घंटे तक चिकित्सक की निगरानी में रहा इस दौरान डॉ. महेंद्र प्रकाश ने टीका लगवाने वालों को संभावित साइड-इफेक्ट, जैसे बुखार, दर्द आदि की जानकारी एवं बचाव का परामर्श दिया।

बालिकाओं में शिक्षा का उजियारा फैला रही डॉ. प्रतिभा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक चित्तौडगढ़ का एक छोटा सा कस्बा बस्सी। बस्सी काष्ठ कला के लिये प्रसिद्ध रहा है, इसके जन्मदाता प्रभात जी सुथार ने लगभग 355 वर्ष पहले लकड़ी की गणगौर बनायी थी। वन्य जीव अभ्यारण बस्सी ने भी इस कस्बे को चमकाया है। लेकिन इन दिनों अलग ही कारणों से चर्चा में है,और हो भी ना क्यों? क्योंकि की यहाँ की एक महिला रचनाकार प्रतिभा तिवारी अपने उत्कृष्ट कार्यो से सभी को प्रभावित कर रही है। भगवती महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की प्रिंसिपल अपने महाविद्यालय की बालिकाओ को शिक्षा के प्रति...अशिक्षा के अन्धकार को मिटाने का प्रण लेकर उनको इस राष्ट्र के लिये बड़े परिश्रम के साथ तैयार कर रही है। काव्य गोष्ठीयों, साहित्यिक आयोजनों, भारतीय संस्कृति आयोजनों में सफल संचालिका के रूप में भी अपना एक विशिष्ठ स्थान रखती है। नारी सम्मान को बढ़ाने हेतु -- खूब लडूंगी मैं, अब ना डरूंगी नहीं झुकूंगी, बस अब मैं डटूंगी, अब ना...........रुकूंगी, क्यों की अब मैं अबला नहीं हूँ, तुमको धूल चटा दूंगी!! इनकी रचना नारी को प्रेरित कर रही है। हिंदी, संस्कृत, मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर व बीएड. एमएड और पी एच डी प्राप्त डॉ प्रतिभा मैडम हिंदी भाषा को आगे बढ़ाने हेतु इनके संवादों में, रचनाओ में शब्दों का तालमेल सटीक सकारात्मकता लिये हुए होता है।सही उच्चारण व ओज के साथ निर्भीकता से अपनी बात रखती है। अनुशासन प्रिय प्रतिभा मैडम बहु आयामी दक्षता की प्रतिक है। हर कार्य को सम्पूर्ण तन्मयता से पूर्ण करती है। लक्ष्य को प्रात करना व दुगनी ताकत से आगे बढ़ने की लालसा के कारण इनकी शैली में दस का दम देखने को मिलता है।बालिकाओ को शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों व निर्भीकता का पाठ पढ़ाकर उन्हें शक्तिशाली भी बना रही है। नारी सशक्तिकरण के पथ पर प्रतिभा जी, बालिकाओ को जीवन उपयोगी टिप्स देकर भी उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा कर अपना शानदार कर्तव्य निभा रही है।बालिकाओ के आत्मबल को मजबूत करने में इनकी अहम भूमिका सबको प्रेरित करती है। नारी को उचित सम्मान मिले, हर कार्य को वह कर सके व हर कार्य में महारत हांसिल हो, अपने कदम सफलता के शिखर पर धर सके ऐसा सकारात्मक वातावरण बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रस्तुत कर रही है।

प्रतिभा जी, अपनी प्रतिभा के दम पर पाती है
सम्मान, महकाती, चमकाती हरपल देखो,
यह अपना हिन्दुस्तान
नारी के दृढ़ संकल्प को, निर्भीक पँख
दिलाकर हरदम, छू लेती बढ़कर हाथों से,
सफलता का ऊँचा आसमान।

सटीक लगती है। नारी को हर जगह सम्मान मिले ऐसी लक्ष्य को लेकर अपने आस पास क्षेत्र की बालिकाओ को साहस का पाठ भी पढ़ा रही है। शिक्षा के अर्थ को जीवन से जोड़कर नव भारत की प्रगति में आत्म निर्भरता के पँख देकर उन्हें उड़ना सीखा रही है।

सूक्ष्म बातों का जीवंत आकार लघुकथा है - सुभाष नीरव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। लघुकथा शोधकेन्द्र भोपाल की दिल्ली शाखा की मासिक ऑनलाइन संगोष्ठी सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर अपने विचार रखते हुए वरिष्ठ साहित्य कार सुभाष नीरव ने कहा कि, लघुकथा के क्षेत्र में आई नई पीढ़ी पूरे समर्पण भाव से काम कर रही है और उनकी लेखनी से सशक्त रचनाएँ निकलकर सामने आ रही है, इसलिए लघुकथा का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। उन्होंने यह भी कहा कि समय और समाज से जुड़ी छोटी-छोटी बातें लघुकथा में आकर जीवंत हो जाती है।

संगोष्ठी में अपने महत्वपूर्ण विचार रखते हुए प्रसिद्ध लघुकथाकार मनोज कर्ण ने कहा कि हिन्दी लघुकथा में निरंतर कार्य हो रहा है। सैकड़ों लघुकथाएँ लिखी जा रही है परंतु इसके बावजूद लघुकथा आधुनिक विश्वकथा से अभी बहुत पीछे है। लघुकथाकारों को समसामयिक गद्य साहित्य का अध्ययन करना चाहिए और अपने उम्दा लेखन से लघुकथा को आधुनिक विश्वकथा के समकक्ष खड़ा करने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में अंजू खरबंदा जी ने स्वागत भाषण दिया और रेणुका सिंह ने सभी सहभागियों एवं अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सतीश खनगवाल द्वारा किया गया।

इस संगोष्ठी में जयपुर की रेनू शब्दमुखर की लघुकथा 'समझदार बेटियाँ' बेटी को बोझ, पराया धन समझ कोख में ही मार डालने वाली विकृत मानसिकता पर चोट करती है। स्त्रियों के छुपे हुए मनोभावों को व्यक्त करने वाली एक उम्दा लघुकथा 'चोर दरवाजा' का पाठ दिल्ली की मीनाक्षी भटनागर ने किया। नोएडा से जानकी बिष्ट वाही की लघुकथा 'कुर्सियों की चाबियाँ' सरकारी विभागों के तौर-तरीकों और लालफीताशाही पर प्रहार करती हुई एक मर्मस्पर्शी लघुकथा रही।

जौनपुर की विभा तिवारी की 'बोनसाई का दर्द' लघुकथा एक गृहणी की घुटन को मूर्त रूप देती है। यह घुटन केवल कथानक की नायिका की नहीं वरन् प्रत्येक महिला की घुटन है। उज्जैन की वंदना गुप्ता ने बड़े ही सरल शब्दों में विज्ञान, प्रकृति, कोरोना महामारी, लॉकडाउन और पारिवारिक रिश्तों को अपनी लघुकथा 'प्राकृत्रिम' में अभिव्यक्ति प्रदान की। गाजियाबाद की डॉ. कुसुम जोशी ने अपनी लघुकथा 'तुम मत बदलो' में अधूरे प्रेम की कसक और पीड़ा को मार्मिक अभिव्यक्ति देते हुए संवेदना को छू लिया। जबलपुर से भारती नरेश पाराशर ने एक उम्दा लघुकथा 'भूख का तांडव' का पाठ किया। कथानक में इस बात पर जोर दिया गया कि गरीब और बेसहारा लोगों को केवल रोटी ही नहीं देनी चाहिए वरन् उन्हें शिक्षा भी देनी चाहिए जिससे वे आगे चलकर आत्मनिर्भर बन सके। रॉची झारखण्ड की गीता चौबे गूंज की लघुकथा 'पशुता' में उस मानसिक विकार पर चोट की गई है जिसके चलते लड़के-लड़कियाँ दुष्कर्म के शिकार होते है। कथानक माता-पिता के लिए भी एक गहरी सीख छोड़ता है। समस्तीपुर, बिहार के नवीन कुमार साह अपनी लघुकथा 'ईमानदारी' में भ्रष्टाचार पर प्रहार करते दिखाई देते है। एक उम्दा कथानक के माध्यम से वे अपनी बात कहने में सफल होते है।

वरिष्ठ लघुकथाकार इंदौर के राम मूरत राही जी की लघुकथा 'बोहनी' बेहद मारक व्यंग्य के साथ प्रस्तुत होती है। यह लघुकथा भी भ्रष्टाचार पर प्रहार करती है साथ ही यह भी बताती है कि रिश्वत मांगने वाले और एक भिखारी में कोई फर्क नहीं होता है। लघुकथा भावनाओं को झिंझोड़ने में भी सफल होती है। मथुरा के यजवीर सिंह विद्रोही की लघुकथा 'विरोध' आरक्षण विरोधियों पर आक्षेप करती है तो रेवाड़ी के त्रिभुवन भटनागर अपनी लघुकथा 'पानी की जात' में छूआछूत और भेदभाव को निशाना बनाते है। पवन जैन, कनक हरलालका, आनंद तिवारी, मामचंद सागर, रमेश सेठी, मंजू जैन, सदानंद कविश्वर, शेख शहजाद उस्मानी, शिवानी खन्ना, आदि ख्यातनाम साहित्यकार इस संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

कोरोना की दूसरी लहर

गेस्ट कर्मचारी हुए बेरोजगार, क्या होगा विद्या संबल योजना का

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोविड-19 की दूसरी लहर को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा सभी राजकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों के बंद करने के निर्णय से निजी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों के साथ-साथ राजकीय आईटीआई संस्थानों में कार्यरत अतिथि अनुदेशक भी बेरोजगार हो गये हैं। आईटीआई संस्थानों ने आदेश निकालकर नियमित कर्मचारियों को तो आने के लिए कहा है लेकिन अतिथि अनुदेशकों के आने पर रोक लगा दी है। इससे अल्पवेतनभोगी अतिथि अनुदेशक बेरोजगार होकर घर बैठ गए हैं तथा उनकी आर्थिक स्थिति खराब होने के आसार.है। कोरोना काल में विभाग का ये पक्षपात रवैया कहीं न कहीं अमानवीयता को दिखाता है।

संस्थान चाहता तो विद्यार्थियों की ऑनलाईन क्लास में ड्यूटी लगाकर अतिथि अनुदेशकों की सेवाएं जारी रख सकते थें, इससे विद्यार्थियों का भी नुकसान नहीं होता तथा अनुदेशकों भी बेरोजगारी का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन विभाग ने ऐसा न करके अतिथि अनुदेशकों को घर बैठने पर मजबूर कर दिया है। इससे तो साफ दिखाई देता है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा हाल ही में चलाई गई विद्या संबल योजना रोजगार के नाम पर कुठाराघात है और इसके तहत राजकीय शिक्षण संस्थानों में रिक्त पदों पर लगाये जाने वाले अतिथि कर्मचारियों के साथ क्या इसी तरह की अमानवीयता दिखाई जाएगी? कोरोना वायरस की पहली लहर में भी अतिथि अनुदेशकों को करीब सात माह तक घर बैठने पर मजबूर होना पड़ा था जिससे उनकी आर्थिक स्थिति काफी दयनीय हो गई थी। सरकार को चाहिए कि कोरोना काल की इस घड़ी में संविदा/गेस्ट कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखा जाए तथा अमानवीयता दर्शाने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

ANCHOR | आत्मवलोकन

क्या हमारी सारी मेहनत छोटे-गरीब से बड़े-गरीब बनने की है?

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

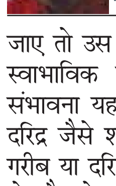

जागरूक जनता
jagrukjanta.in
विचार
अभिलाष मोदी

भीलवाड़ा। गरीब, एक ऐसा शब्द जिसे शायद ही कोई खुद के लिए सुनना पसंद करता हैं और अगर एक ऐसा व्यक्ति जिसे खुद के लिए गरीब सुनना पसंद नहीं, उसे अगर दरिद्र कह दिया जाए तो उस इन्सान को और बुरा लग जाना काफी स्वाभाविक सी बात होगी, पर एक बहुत बड़ी संभावना यह भी हैं की जिस व्यक्ति को गरीब या दरिद्र जैसे शब्दों को सुनकर बुरा लग रहा हैं, उसे गरीब या दरिद्र जैसे शब्दों का सही अर्थ ही ना पता हो और वो दुनिया के कुछ अमीर (बड़े-गरीब) लोगों की नासमझी से बने मापदंडो के आधार पर खुद को गरीब या दरिद्र मान रहा हो।

सबसे पहली जरुरत यह समझने की हैं की क्या चीजों को मानने से वो समझ आती हैं या चीजों को जानने व जांचने से, जैसे एक उदाहरण के लिए दुनिया के ज्यादातर लोग ने नासमझी के चलते ज्यादातर प्राकृतिक चीजों के प्रति कृतज्ञ होना लगभग बंद कर दिया हैं और वो मानने लगे हैं की यह सब तो हमेशा से था और हमेशा रहेगा तो क्यूँ ही इन चीजों के बारे में सोचना। आप कितने ऐसे शिक्षकों को जानते हैं जो पर्यावरण-विषय किसी स्कूल या कॉलेज की कक्षाओं में पढ़ाते हैं और जब वो सूरज को हर दिन धरती को रोशन करता हुआ देखते हैं तो उनके मन में कृतज्ञता का भाव आ जाता हैं और वो ये सोच पाते हैं की अगर सूरज मात्र 18 घन्टे धरती पर ना रहे तो धरती का काफी बड़ा हिस्सा खत्म हो जाएगा, आप शायद ही इसे कुछ गिने-चुने शिक्षको को ढूंढ पाए। इसका सीधा कारण यही हैं की हमने अपने आस पास हो रही ज्यादातर चीजों को आस्था, भय या प्रलोभन के चलते वैसे ही मान लिया हैं जैसा हमें सिखाया गया या पुरानी पीढ़ियों ने उनकी पुरानी पीढ़ियों से सीखा। जब हम शरीर की निगाहों से बिना जाने मानने की बजाए समझ (जानने व जांचने) की निगाहों से दरिद्र, गरीब व अमीर जैसे शब्दों को समझने की या जानने की कोशिश करते हैं तो हम समझ पाते हैं की इन सब शब्दों के साथ एक और शब्द जुड़ा हुआ हैं और वो हैं समृद्ध।

अगर आपने कभी गौर किया हो तो जब भी कभी कोई त्यौहार होता हैं तो आपके रिश्तेदार आप को 'मे यु बी रिच' का मैसेज नहीं करते हैं वो हमेशा 'मे यु बी प्रोस्परस' का मेसेज भेजते हैं और प्रोस्परस का अर्थ होता हैं 'समर्द्ध' ना की अमीर, पर जीवन की नासमझी के चलते हम में से ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान ही नहीं दे पाते हैं और हमारी सारी मेहनत अमीर बनने की ओर होती हैं।

अब अगर आप लोग यह सोच रहे हैं की क्या कोई फर्क होता हैं दरिद्र और गरीब में व अमीर और समर्द्ध में तो इसका मतलब यह हैं की आप आस्था, भय व प्रलोभन से उठकर चीजों के सही अर्थ को जानने की हिम्मत जुटा पा रहे हैं।

दरिद्र और गरीब के व अमीर और समर्द्ध के सही अर्थ को समझने के लिए हमें सबसे पहले इसे दो स्तरों पर देखना होगा, पहला स्तर है धन का होना व दूसरा स्तर हैं कमी या अभाव के एहसास का होना। अगर किसी गरीब की बात की जाए तो उसके पास धन उसकी जरुरत के हिसाब से कम होता हैं व उसमें हमेशा कमी का एहसास बना रहता हैं, अगर अमीर की बात की जाए तो उसके पास धन उसकी जरुरत के हिसाब से काफी ज्यादा होता हैं पर फिर भी उसमें हमेशा कमी या अभाव का एहसास बना रहता हैं। इसे एक उदाहरण से कुछ इस तरीके से समझा जा सकता हैं की एक व्यक्ति है जिसे बिना किसी दुनियावी दिखावे की जिन्दगी जीने के लिए लगभग 20000 रुपयों हर महीने की जरुरत हैं पर चूँकि वो दुनियावी दिखावे के कारण हर समय सोचता रहता हैं की काश मुझे कही से 10000 रुपयें हर महीने और मिलने लग जाए तो मेरी सारी जरुँरतें पूरी हो जाएगी तो उसमें हमेशा कमी व अभाव का एहसास बना रहता हैं और इसी कमी व अभाव के एहसास के कारण वो हमेशा गरीबी को महसूस करता रहता हैं, कुछ वक्त के बाद वो इन्सान एक व्यापारी बन जाता हैं और अच्छा धन कमाने लगता हैं, लगभग 20 सालों की कड़ी मेहनत के बाद वो इन्सान 2000000 रुपयें महिना कमाने लगता हैं और चूँकि उसने खुद की जरूरतों को बढ़ाने, जीवन को महंगा करने व सामान से सम्मान पाने को ही जीवन का उद्देश्य मान रखा हैं वो आज भी हर समय यही सोचता रहता हैं की काश मैं कैसे भी 1000000 रुपयें हर महीने और कमाने लग जाऊं तो मेरी सारी जरुँरतें पूरी हो जाएगी और इस तरीके से 20 साल तक कड़ी मेहनत करने के बाद भी उसमें हमेशा कमी व अभाव का एहसास बना रहता हैं और इसी कमी व अभाव के एहसास के कारण वो बड़ी-गरीबी को महसूस करता रहता हैं।

इस उदाहरण से यह समझ आता हैं की इस व्यक्ति की पूरी मेहनत एक छोटे-गरीब से बड़ा-गरीब बनने की हैं। जीवन को बिना समझे नासमझी में हम लोग इसी बड़ी गरीबी को अमीरी कहते लगते हैं और हम सम्रध कैसे बन सकते हैं उस तरफ हमारा ध्यान जा ही नहीं पाता हैं। सम्रध होने का सीधा सा अर्थ हैं, एक ऐसा व्यक्ति जिसके पास जरुरत के अनुसार सारी चीजें उपलब्ध हैं व जिसे किसी प्रकार की कमी का एहसास नहीं हैं। इसे दुसरे शब्दों में कुछ ऐसे भी कहा जा सकता हैं की एक सम्रध इन्सान वो समझदार इन्सान है जिसे सामान से सम्मान नहीं चाहिए, जो अपने जीवन को महंगा नहीं करता और हमेशा नासमझी के कारन कमी के एहसास को महसूस करने के लिए खुद की जरूरतें खुद की आय के अनुसार नहीं बढाता। गरीबी का एक और निचला स्तर हैं, दरिद्रता, जब एक इन्सान छोटी-गरीबी से बड़ी-गरीबी की यात्रा में होता हैं और उसे कुछ वक्त बाद एहसास होता है की वो आज भी कमी के एहसास के कारण बड़ा-गरीब हैं और उसे सम्रध होने की जरुरत हैं पर नासमझी के चलते या भूतकाल में लम्बे समय तक गलत जीवन जीने के कारण वो फिर भी खुद की जरूरतों को बढ़ाने, जीवन को महंगा करने व सामान से सम्मान पाने की कोशिशों में ही लगा रहता हैं तो ऐसी मानसिक स्थति को दरिद्रता कहा जा सकता हैं क्योंकि इस तरह वो इन्सान जीवन भर बड़ा-गरीब बने रहने के सारे तरीके निश्चित कर लेता हैं।

अगर हम जीवन का कुछ वक्त जीवन को समझने और जानने में बिताये तो जीवन एक उत्सव हैं पर जब हम भले ही नासमझी में छोटे-गरीब से बड़े-गरीब बनने को ही जीवन का उद्धेश्य मानने लगते हैं तो हमारा जीवन कितना भी बाहरी रूप से सही दिखने लगे पर अन्दर से वो हर पल बीतने के साथ खोखला, कमजोर और शिकायतों से भरा हुआ होने लगता हैं । आइयें, हम भी जानने की कोशिश करे की कही हमारी सारी मेहनत भी छोटे-गरीब से बड़े-गरीब बनने की तो नहीं?

(ये लेखक के अपने विचार है)

जागरूक खबरें

हज़रत घोड़ा देह बावा सा. के आस्ताने पर चादर पेश कर मांगी अमन चैन की दुआ

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। निम्बाहेड़ा अंजुमन-ए-ईस्लाम कमेटी एवं घोड़ा देह बाबा सेवा समिति के सदर "शोएब खान लाला" की तरफ से सोमवार को बाद नमाज़-ए-जौहर 4 बजे नगर में रेल्वे स्टेशन के पास स्थित हज़रत घोड़ा देह बावा सा. र.अ. के आस्ताने आलिया पर कोरोना वायरस बीमारी के खात्मे के लिए चादर पेश कर देश मे अमन चैन की दुआ मांगी। इस मौके पर दरगाह कमेटी के पदाधिकारी एवं सभी मेम्बरान मौजूद रहे। चादर पेश करने के दौरान सरकार द्वारा जारी की गई कोरोना गाइडलाइन की पालना भी की गई तो साथ ही उपस्थित तमाम जायरीनों द्वारा सोश्यल डिस्टेंसिंग की पालना करते हुए मास्क एवं सेनिटाइजर का उपयोग भी किया। इस मौक़े पर अंजुमन इस्लाम कमेटी एवं हज़रत घोड़ा देह बावा साहब सेवा समिति के सदर "शोएब खान लाला", अन्जुमन ए इस्लाम कमेटी के नायब सदर हाजी "ख़्वाजा हुसैन", हज़रत रोशन अली बावा सेवा समिति के सचिव मतलूब अजमेरी, घोड़ा देह बाबा दरगाह कमेटी सचिव रजा इन्दोरी, सलाहकार युसुफ भाई मछली वाले, भय्या भाई कुरेशी, नायाब सदर वसीम भाई, पप्पू भाई पठान एवं दरगाह कमेटी के मेम्बरान मे राजु पठान यूनुस भाई, शाहरुख भाई, युसूफ भाई मिलाद, जावेद, आशु भाई, रिजवान, हनी एवं सलाम भाई मुल्तानी, हाजी मोहम्मद रफीक, गुड्डा भाई डिक्स वाले, सय्यद इख्तियार अली, फ़ारूक़ भाई, हाशम भाई मुल्तानी, शौकत मंसूरी, यूसुफ भाई कुरैशी, अकरम मुल्तानी, मुन्ना भाई, अन्नू भाई, आसिफ भाई आदि मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने सब्जी मंडियों का किया निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने अधिकारियों के साथ शहर की सब्जी मंडियों का निरीक्षण कर जन अनुशासन पखवाड़े की अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सभी को कोविड-19 रोकथाम गाइडलाइंस का पालन करने, मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग का अनिवार्य रूप से ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया। ज़िला कलक्टर ने सब्जी विक्रेताओं से कई बिंदुओं पर चर्चा की और उन्हें जन अनुशासन पखवाड़े के नियमों की जानकारी दी। इस दौरान एडीएम (भूमि अवाप्ति) अम्बालाल मीणा, एडिशनल एसपी हिम्मत सिंह देवल, ज़िला परिषद सीईओ ज्ञानमल खटीक, आरएए एवं यूआईटी सचिव सी डी चारण, एसडीएम श्यामसुंदर विश्नोई, डीएसपी मनीष कुमार शर्मा, थानाधिकारी तुलसीराम प्रजापति सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अफीम एवं गेंहु तोल केंद्र का सांसद जोशी ने किया निरीक्षण

चित्तौडगढ @ जागरूक जनता। चित्तौडगढ जिला मुख्यालय पर नारकोटिक्स आफ़िस पर चल रहे व सिंगोली में अफीम तौल केंद्र एवं पारसोली में चल रहे गेंहु तौल केन्द्र का सांसद सी.पी. जोशी ने निरीक्षण किया । सांसद जोशी चित्तौड़गढ़ नारकोटिक्स आफिस व सिंगोली में अफिम तौल एवं पारसोली में गेंहु तौल केन्द्र पहुचे और चल रहे तौल केंद्र की व्यवस्था को देखा। उपस्थित अधिकारियो ने सांसद जोशी को अवगत कराया की कोरोना गाईड लाईन की पालना में प्रतिदिन तौल चल रहा है। सांसद जोशी ने उपस्थित किसानो से बातचीत कर जायजा लिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शंकरलाल कुमावत, राघवेंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष ऊँकार धाकड़, घीसालाल मेवाड़ा, पूर्व प्रधान मांगीलाल धाकड़, जिलामंत्री शिवलाल धाकड़, लीला शंकर धाकड उपस्थित रहे।

खोले जाये सभी बाज़ार चाहे समय हो सीमित, कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

कोटा @ जागरूक जनता। व्यापार महासंघ के अध्यक्ष क्रांति जैन की अगुवाई में जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री से जन अनुशासन पखवाड़ा के नाम पर लोक डाउन कर्फ्यू के तहत अन्य ट्रेड्रो के व्यापारियों के साथ भी समानता का व्यवहार करते हुए उन्हें भी खोलने की मांग की। कोटा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष क्रांति जैन महासचिव अशोक माहेश्वरी एवं जीएमए अध्यक्ष राकेश जैन ने ज्ञापन देकर बताया कि बाज़ारो में किराना, दूध, दही, नमकीन, मिठाई, सब्जी फल, शराब आदि सभी व्यवसाय खुला होने के कारण बाजारों में पहले की तरह भीड़ तो हो ही रही है इस तरह का लोक डाउन अर्थहीन लोक डाउन है इसमें जनरल मर्चेंट्स, कपड़ा, जूते, फर्नीचर, सर्राफ़ा, स्टेशनरी, ईलेक्ट्रोनिक्स, प्रिंटिंग आदि को बंद किया गया है जबकि उन व्यापारियों के यहाँ भीड़ तो होती ही नहीं है, उनके यहाँ तो वेसे ही गिने चुने ग्राहक आते हे इसका हम विरोध करते हैं सरकार सभी ट्रेड के व्यापार को खोलने की छूट दे चाहे समय सीमित कर लिया जाये, उक्त आदेश को मुख्यमंत्री वापस ले या राहत प्रदान करते हुए संशोधित आदेश जारी करें इस अवसर पर कोटा व्यापर महासंघ अध्यक्ष क्रांति जैन जनरल मर्चेंटस एसोसिएशन अध्यक्ष राकेश जैन, कोटा कंफेक्शनरी एसोसिएशन अध्यक्ष रमेश आहूजा, स्वर्ण रजत कला उत्थान समिति अध्यक्ष रमेश सोनी, सुपर साइमन प्लाजा मार्केट अध्यक्ष पवन वाधवानी, शास्त्री मार्केट व्यापार संघ अध्यक्ष सुरेश जैन ,पुरानी सब्जी मंडी व्यापार संघ अध्यक्ष सुनील खरबंदा सहित कई व्यापारी संगठनो के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आशीष प्रदेश अध्यक्ष व मनोज बने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

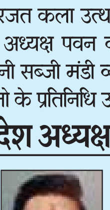

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह पवैया ने पत्रकार आशीष कुमार शर्मा को राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष एवं मनोज कुमार शर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र पवैया की ओर से दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आप मीडिया साथियों के हित में उनकी प्रमुख समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने की दिशा में कार्य करने व पत्रकार हितों की आवाज उठाने के साथ ही संगठन हित में कार्य करते रहे।

जागरूक जनता
jagrukjanta.com
फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

प्रारंभ में प्रशासन को उपलब्ध कराई 1500 लीटर इंडस्ट्रीयल ऑक्सीजन

चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए आगे आया हिन्दुस्तान जिंक

कोरोना संकटकाल में हिन्दुस्तान जिंक की पहल सराहनीय- जिला कलक्टर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कोविड 19 के बढते रोगियों और ज्यादा गंभीर होने की स्थिति में ऑक्सीजन की आवश्यकता होने के साथ ही राजकीय और निजी चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए हिन्दुस्तान जिंक ने प्रशासन को इण्डस्ट्रीयल ऑक्सीजन की आपूर्ति की है। 1500 लीटर इण्डस्ट्रीयल ऑक्सीजन का पहला टेंकर हिन्दुस्तान जिंक के दरीबा संयंत्र स्थित ऑक्सीजन प्लांट से भरकर उदयपुर आरएनटी मेडिकल कॉलेज पहुंचा। कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गयी इस 98 प्रतिशत शुद्ध ऑक्सीजन को संशोधन प्रक्रिया के बाद चिकित्सकीय उपयोग में लिया जा सकेगा।

कोरोना महामारी से राहत एवं बचाव के लिये हिन्दुस्तान जिंक सरकार एवं स्थानीय प्रशासन के साथ मिल कर अपने संचालन क्षेत्र के आस पास एवं अन्यत्र भी आवश्यकता अनुरूप हर संभव सहायता के लिए कटिबद्ध है। पिछले सप्ताह इन्सुलेशन वैक्सीन वैन उपलब्ध कराने के बाद शहर में बढ़ते गंभीर कोरोना रोगियों को ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए प्रशासन द्वारा ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के प्रयासो के अनुरूप हिन्दुस्तान जिंक ने यह सहयोग प्रदान किया है। कंपनी के दरीबा स्थित संयंत्र में बनने वाली ऑक्सीजन की मात्रा में से प्रत्येक तीसरे दिन 1500 लीटर के टैंकर को उदयपुर भेजा जाएगा जिससे यहां के चिकित्सालयों में भर्ती रोगियो को ऑक्सीजन सुलभ हो सके। इस इण्डस्ट्रीयल ऑक्सीजन को लिक्विड प्लांट के माध्यम से सिलेण्डर में भर कर चिकित्सालयों को उपलब्ध कराया जा सकेगा। जिला कलक्टर चेतन देवडा कोराना संक्रम्रण के फैलने से मरीजो की संख्या बढ़ने और गंभीर रोगियों को ऑक्सीजन की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। ऐसे हालात में हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा की गयी पहल सराहनीय है कि कंपनी ने दरीबा स्मेल्टर से 5हजार लिटर प्रतिदिन लिक्विड ऑक्सीजन देने की शुरूआत कर दी है। जिसके तहत् सारे इंतजाम कर पहला ऑक्सीजन का टैंकर उदयपुर पहुंच गया है। जिला प्रशासन इसके लिए हिन्दुस्तान जिंक की प्रशंसा करता है और उम्मीद करता है कि इसी प्रकार कोरोना संकट काल मे हमें सहयोग मिलता रहेगा। हिन्दुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण मिश्रा ने कहा कि 'कोरोना महामारी की इस विकट परिस्थिति में प्रशासन के साथ हम कंधे से कंधा मिला कर इसके राहत और बचाव के लिए हर संभव सहायता हेतु तत्पर है। ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए हिन्दुस्तान जिंक के दरीबा प्लांट से प्रति माह 150 टन लिक्विड ऑक्सीजन की पूर्ति हेतु प्रावधान किया गया है। प्रशासन को सहयोग कर उदयपुर की जनता को राहत दिलाने में हिन्दुस्तान जिंक सदैव प्रतिबद्ध है।

हिन्दुस्तान जिंक ऑक्सीजन के लिए वर्ष 2011 से ही आत्मनिर्भर

ऑक्सीजन को बाजार से नही खरीद कर हिन्दुस्तान जिंक के दरीबा स्थित संयंत्र में वर्ष 2011 से ही ऑक्सीजन प्लांट स्थापित है जिसमें 4 से 5 मेट्रिक टन लिक्विड ऑक्सीजन उत्पादन करने की क्षमता है जिसे 2.5 टन क्षमता वाले टैंकरों में संग्रहित किया जाता है। क्रायोजेनिक प्रक्रिया के माध्यम से उत्पादित ऑक्सीजन को संयंत्र में उपयोग में लिया जाता है जिसका एक हिस्सा लिक्विड माध्यम में टैंकर में जमा होता है। हिन्दुस्तान ज़िंक के चंदेरिया स्थित ज़िंक स्मेल्टर प्लांट में भी संयंत्र में उत्पादित ऑक्सीजन को ही उपयोग में लिया जाता है।

जोधपुर में अब खाद्य सामग्री व किराणा दुकानें सुबह 6 से 11 बजे रहेंगी चालू

जोधपुर। कोरोना संक्रमण की चेन को तोडने के लिए राज्य सरकार की ओर से जन अनुशासन पखवाड़ा लागू करने के बाद अब पुलिस कमिश्नरेट जोधपुर में 19 अप्रेल से 3 मई सुबह पांच बजे तक निषेधाज्ञा की धारा 144 लागू कर दी गई है। खाद्य सामग्री व किराणाा दुकानों के साथ-साथ दूध-डेयरी व फल-सब्जियों के ठेले निर्धारित समय में ही विक्रय कर सकेंगे। पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय व यातायात) राजेश कुमार मीना ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। इसके तहत 19 अप्रेल सुबह पांच से 3 मई सुबह 3 बजे तक निषेधाज्ञा लगाई गई है। इस दौरान सभी बाजार व व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे।

किराणा के अलावा डिपार्टमेंटल स्टोर बंद रहेंगे

सभी प्रकार के डिपार्टमेंटल स्टोर जिनमें किराणा/खाद्य सामग्री के अलावा सामान का भी विक्रय होता है ऐसे डिपार्टमेंटल स्टोर पूर्णतया बंद रहेंगे।

खाद्य व दूध-डेयरी सामान खरीदने को समय निर्धारित

» खाद्य पदार्थ व किराने का सामान, मण्डियां, मांसाहार की दुकानें, फल व सब्जियां, दूध व डेयरी, पशुचारा संबंधित खुदरा/थोक (होलसेल) दुकानें सुबह 6 से 11 बजे तक अनुमत होंगी।

» डेयरी व दूध वितरण केन्द्र, सब्जियां व फलों के ठेले/साइकिल रिक्शा/ऑटो रिक्शा/मोबाइल वैन शाम 5 से 7 तक ही बेच सकेंगे।

» भोजन सामग्री, प्रोसेस्ड, फूड/मिठाई व मिष्ठान/रेस्टोरेंट्स रात आठ बजे तक होम डिलीवरी के लिए अनुमत होंगे।

» पेट्रोल पंप, एलपीजी, सीएनजी पेट्रोलियम व गैस से संबंधित खुदरा/थोक आउटलेट रात आठ बजे तक अनुमत रहेंगे।

द राजस्थान ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के चुनाव सम्पन

चाननमल अग्रवाल अध्यक्ष व राजन सिंह सचिव नियुक्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। द राजस्थान ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के चुनाव हाल ही में फोर्टी के कार्यकारी अध्यक्ष व चुनाव अधिकारी अरुण अग्रवाल के नेत्रत्व में सम्पन हुए। चुनावो में चाननमल अग्रवाल को अध्यक्ष व राजन सिंह को सचिव पद के लिए चुना गया साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेतु तरुण गोयल, उपाध्यक्ष अतुल बत्रा, अखिल अग्रवाल, संयुक्त सचिव मनोज महेश्वरी, श्रेय अजमानी, कोषाध्यक्ष मुनीष शर्मा व कार्यकारिणी सदस्य हेतु महेश चन्द भामोदिया, अमित कुमार अग्रवाल, अंकित मोदी, दिनेश अग्रवाल, दिव्यांश सामरिया, गोपाल भारद्वाज, ललित लोहिया, महेंद्र शर्मा, मानस सेठी, राहुल बिल्टीवाला, सिद्धार्थ अग्रवाल, सुदीप बांठिया, अंकुर गोयल, मनदीप सिंह, अर्पित अग्रवाल, दीपक गोयल व आशीष ढींगर को चुना गया है।

नवनिर्वाचित राडा अध्यक्ष चाननमल अग्रवाल ने बताया ऑटोमोबाइल जगत की शीर्ष संस्था है। प्रदेश में जब से कोरोना ने अपने कदम रखे है तब से संस्था द्वारा व्यापारियों की समस्याओ के समाधान के साथ-साथ लगातार सोशल एक्टिविटी व समाजसेवा के कार्य किये जा रहें है जिनमे फ्लेक्स के माध्यम से कोरोना के लिए जागरूकता फैलाना, गरीबों को निशुल्क भोजन खिलाना, सेनेटाईजेशन करवाना आदि कार्य प्रमुखता से शामिल रहें है। प्रदेश में कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप जारी है ऐसे में कोविड केसों में लगातार व्रधि हो रही है, संस्था इस बार भी सरकार से कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ी है और कोरोना से बचाव हेतु सभी को जागरूक करने के हर सम्भव प्रयास कर रही है, इसलिए वेल्वोलाईन कम्मिन्स प्राइवेट लिमिटेड जो की अमेरिका की एक जानी मानी एवं प्रतिष्ठित कम्पनी है जो की लुब्रिकेंट व ग्रीस की थोक विक्रेता है और इसका व्यवसाय लगभग 150 से भी अधिक देशो में फैला हुआ है, के सहयोग से संस्था द्वारा जयपुर के सभी राडा सदस्यों को मास्क व सेनेटाईजेशन वितरित करने का कार्य किया जायेगा साथ ही साथ वैक्सीन हेतु निशुल्क कैंप भी लगवाया जायेगा ताकि जल्द से जल्द सभी को टिका लग सके और कोरोना को हराया जा सके।

लंबित रीट भर्ती 2016 (अंग्रेजी व विज्ञान -गणित) को हकीकत

किसकी लगी नजर, भर्ती नियम और हाई कोर्ट के आदेश भी निष्प्रभावी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net
विचार
हरदीप सिंह सुंदरिया

किसी भी भर्ती प्रक्रिया में भर्ती नियम वो मार्ग होते हैं जिन पर चलकर भर्ती प्रक्रिया मंजिल तक पहुँचती है और रोजगार के सपने संजोये हुए पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति का मुकाम मिलता है। भर्ती की प्रभारी एजेंसी और उसको संचालित करने वाले अधिकारीवर्ग से आशा कि जाती है कि वे ईमानदारी व जिम्मेदारी के साथ भर्ती नियमों की पालना करते हुए सम्पूर्ण प्रक्रिया को पूरा करेंगे। लेकिन रीट भर्ती 2016 की बात की जाए तो अंग्रेजी तथा विज्ञान-गणित विषय की भर्ती वर्षो बाद भी आज तक लंबित है। भर्ती नियमों की पालना,विभागीय नियमों की व्याख्या तथा हाई कोर्ट निर्णयों की अनुपालना पर नजर डालें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उक्त भर्ती में घोर लापरवाही हुई है। जहाँ एक ओर कुछ विषयों का परिणाम नियमानुसार जारी कर हिंदी,विशेष शिक्षा,टीएसपी अंग्रेजी आदि की भर्ती में भर्ती के निर्धारित सभी नियमों को अपनाया गया,वहीं नॉन टीएसपी अंग्रेजी व गणित-विज्ञान विषय की भर्ती में सभी नियमों को ताक पर रखकर भर्ती को कोर्ट के हवाले कर दिया गया। ताज्जुब की हद तो तब पार हो गई जब शिक्षा विभाग व निदेशालय द्वारा हाई कोर्ट की न तो एकल बेंच के आदेशानुसार रिक्त पदों पर वेटिंग सूचि जारी की गई और न ही डबल बेंच के सुस्पष्ट आदेश को माना गया। प्रकरण के तथ्यों पर नजर डालें तो भर्ती की नोडल एजेंसी प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय ने उक्त भर्ती की बाधाओं के सकारात्मक निस्तारण की बजाय इसे अटकाने के तरीके ढूंढने का बार-बार प्रयास किया है। पहले कुप्रयास के तौर पर बीस अगस्त 2018 को मुख्य संशोधित परिणाम के साथ निदेशालय ने पंचायती राज के नियम 277(क) के अनुसार कोई भी वेटिंग सूचि जारी नहीं की,जबकि नियमानुसार यह वेटिंग सूचि अंतिम संशोधित परिणाम के साथ जारी होनी चाहिए थी। इतना ही नहीं उक्त संशोधित परिणाम में कागजात सत्यापन के बाद कार्यग्रहण नहीं करने वाले सैकड़ों अभ्यर्थियों के गुपचुप तरीके से रोल नंबर रिपीट कर सैकड़ों बेरोजगार अभ्यर्थियों को चयन सूचि में शामिल होने से वँचित कर दिया गया। उक्त दोषपूर्ण भर्ती प्रक्रिया के पीड़ित अभ्यर्थियों को मजबूरन हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। उर्मिला देवी बनाम राजस्थान सरकार मामले में राजस्थान हाई कोर्ट की एकल पीठ ने सात जनवरी 2019 को निदेशालय व विभाग को नियमानुसार वेटिंग सूचि जारी करने का आदेश दिया। लेकिन निदेशालय ने हाई कोर्ट आदेश का भी तोड़ निकालने की भ्रामक कोशिश की और माननीय हाई कोर्ट में स्पेशल डीबी अपील की मार्फत मामले को पुनः लटका दिया। अपील में निदेशालय की ओर से 26 अप्रैल 2018 के कार्मिक विभाग के जिस आंशिक सर्कुलर की मार्फत उक्त भर्ती की वेटिंग सूचि को रोकने का कुप्रयास किया गया वह सर्कुलर ही अपने आप में आधा अधूरा है। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने वास्तविक पूर्ण सर्कुलर 13 जनवरी 2016 को जारी किया हुआ है जो सम्पूर्ण मामले की सही व्याख्या करता है। यदि उक्त जनवरी 2016 के सर्कुलर का स्वयं निदेशालय के उच्च अधिकारी या लीगल सेल रीट 2016 की भर्ती के परिपेक्ष में मंथन करते या माननीय कोर्ट के सामने रखते तो 2018 का सर्कुलर इस भर्ती के लिए बाधा बनता ही नहीं। वर्ष 2016 में कार्मिक विभाग ने विभिन्न भर्तियों की वेटिंग सूचि जारी करने एवं वेटिंग सूचि की अवधि के बारे में विशेष सर्कुलर जारी कर स्थिति स्पष्ट की हुई है। लेकिन निदेशालय स्तर पर रीट भर्ती 2016 (अंग्रेजी,विज्ञान-गणित) के साथ शायद जानबूझकर किया जा रहा सौतेला व्यवहार ही उक्त भर्ती की असली बाधा प्रतीत हो रहा है जिसकी वजह से जनवरी 2016 के सर्कुलर को संज्ञान में नहीं लाया गया। अभ्यर्थियों के लिए बाधा यहीं समाप्त नहीं हुई है। हाई कोर्ट की डबल बेंच द्वारा अंग्रेजी विषय के सभी रिक्त 826 पदों पर वेटिंग सूचि जारी करने के सुस्पष्ट आदेश को इस बार सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी की मार्फत चुनौति दी हुई है। गहनता से नजर दौड़ाएं तो यह चुनौति सरकार के स्वयं के सुस्पष्ट नियम को ही दी हुई है जो शायद ही कोर्ट में टिक पाए। लेकिन निदेशालय व विभाग के स्तर पर उक्त भर्ती की वेटिंग सूचि जारी करने के नियमों व कोर्ट आदेशों के खिलाफ बार- बार पेश की जा रही बाधा कोरोना के इस दौर में प्रदेश के हजारों बेरोजगारों के लिए एक चुनौति जरूर बनी हुई है। हताश व निराश बेरोजगार निदेशालय व विभाग स्तर पर हुई इन लापरवाहियों को लगातार शिक्षा मंत्री तक पंहुचा रहें हैं। बीच-बीच में शिक्षा मंत्री व सूबे के मुख्यमंत्री भी कोर्ट में लटकाई गई भर्तियों के सकारात्मक समाधान का आश्वासन दे रहें हैं। लेकिन उक्त प्रकरण में एसएलपी वापसी की अंतिम घोषणा अभी तक नहीं हुई है। समय की मांग है कि केवल वेटिंग सूचि ही जारी न हो, बल्कि नियमों व कोर्ट आदेशों की गलत व्याख्या करके भर्ती प्रक्रिया अटकाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर भी उचित कार्रवाई हो। जिम्मेदारी तय होनी चाहिए कि आखिर इस भर्ती प्रक्रिया को किसकी नजर लगी कि सभी नियम व आदेश निष्प्रभावी होते चले गए और प्रदेश के बेरोजगार दर-दर भटकते फिर रहें हैं। क्या प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित भर्तियों के लिए सुप्रीम कोर्ट का आदेश ही भर्ती को पूर्ण करने के लिए अनिवार्य शर्त माना जाने लगा है,यदि ऐसा है तो माननीय हाई कोर्ट और उसके आदेशों की प्रासंगिकता पर भी सवाल उठने शुरू हो जाएंगे। सवाल यह भी है कि क्या प्रदेश का प्रत्येक बेरोजगार भर्ती एजेंसी,महंगी कोचिंग,विभागीय बाधा,हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक की प्रक्रिया को पार कर नियुक्ति पाने में सक्षम हो सकेगा या प्रदेश सरकार समय रहते बेरोजगार हित में इन मामलों में गंभीरता दिखाएगी !

विशेष मनोकामनापूर्ण रोग निवारक हवन कर की भक्तो ने घरो में ही की मां महागौरी की मंगल आरती

मां दुर्गा की आठवीं शक्ति हैं महागौरी- पंडित दाधीच

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। पीपाड़ शहर में नवरात्रा महोत्सव के चलते मंगलवार को नवरात्र की अष्टमी पर ÷विशेष मनोकामनापूर्ण रोग निवारक महाआरती व हवन कर इस बार हर्षोल्लास के साथ कोरोना महामारी के चलते घरो में ही मनाया गया।

समाजसेवी गोविंद राम गहलोत ने बताया कि नवरात्रा की अष्टमी के दौरान जनकल्याण की भावना को दृष्टिगत करते हुए मंगलवार अष्टमी को विशेष मनोकामनापूर्ण रोग निवारक हवन और महाआरती का घरो में ही आयोजन किया गया। महाआरती में भाग लेने मात्र से असाध्य रोग, मानसिक अशांति तथा आर्थिक अस्थिरता से छुटकारा मिल जाता है। माता महागौरी की विशेष कृपा से नवरात्र की इस महाआरती और हवन का महत्त्व और भी बढ़ जाता है गहलोत परिवार द्वारा हर वर्ष यह हवन उनके देवस्थान मैदानिया बेरा पर स्थित मंदिर में किया जाता है लेकिन महामारी के चलते इस बार घरों में की पूजा अर्चना।

परिवार के सभी सदस्यों द्वारा विशेष हवन कर परिवार, समाज के कल्याण हेतू और हर व्यक्ति वर्ग को मां महागौरी इस कोरोना की महामारी से बचाए रखें, स्वस्थ रखें इसी मंगल शुभकामना के साथ 108 आहुतियां दी गई। इस दौरान परिवार के सदस्य मैना गोविंद राम,सरोज मेहराम गहलोत, ममता, करण, जयेश उपस्थित रहे। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुमित्रा गहलोत के अनुसार अष्टमी के शुभ अवसर पर माता का विशेष रूप से श्रुंगार किया गया। इससे पूर्व सुबह माता का पूजन किया गया तथा दोपहर को पं. चेतन प्रकाश के आचार्यत्व में हवन किया गया। उन्होंने बताया कि अष्टमी की तिथि को महाअष्टमी भी कहा जाता है। अष्टमी और नवमी की तिथि में कन्या पूजन का विशेष महत्व माना गया है। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी की तिथि में मां महागौरी की पूजा की जाती है। नवरात्रि में महागौरी की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है मान्यता है कि मां महागौरी की पूजा करने से पापों से मुक्ति मिलती है महागौरी की पूजा करने से मन शांत और शुद्ध होता है। नकारात्मक विचारों से व्यक्ति को मुक्ति मिलती है।इसके साथ ही मां की पूजा करने से बल और बुद्धि का भी विकास होता है।

ANCHOR

बड़ीसादड़ी में जिला परिषद सीईओ ने अधिकारियों की बैठक ली

होम क्वारेंटीन लोगों की प्रभावी मोंनिटरिंग करें-सीईओ

मनरेगा और कोरोना रोकथाम को लेकर दिए कई दिशा-निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। ज़िला परिषद सीईओ ज्ञानमल खटीक प्रतिदिन निरीक्षण और बैठकों के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं और कोरोना रोकथाम अभियान की समीक्षा कर रहे हैं। सीईओ ने मंगलवार को बड़ीसादड़ी पंचायत समिति में समस्त ग्राम विकास अधिकारियों, लेखा सहायकों, रोजगार सहायकों, एलडीसी एवं अन्य कार्मिकों की विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। सीईओ ने निर्देश दिए कि कोरोना से बचाव हेतु अपने और अपने परिवार का ख्याल रखें, गाइडलाइन का पालन करें, मास्क पहनें, सेनेटाइज़ करते रहें, सोशल डिस्टेंसिंग रखें और लोगों को भी जागरूक करें। सीईओ ने निर्देश दिए कि चिरंजीवी योजना में बढ़-चढ़ कर अधिक से अधिक लोगों को शिविरों तक लाकर उनका पंजीयन करवाएं। सीईओ ने कहा कि कोरोना काल में कई लोग बेरोजगार हुए हैं, इसलिए मनरेगा अंतर्गत ग्राम में एक्टिव जॉब कार्ड के अनुरूप लेबर लगाए ताकि गांव में ही नरेगा के माध्यम से रोजगार उपलब्ध होने से लाभार्थी की आर्थिक स्थिति में सुधार हो। सीईओ ने बताया कि बड़ीसादड़ी ब्लॉक में वर्तमान में 16 हजार से ऊपर क्रियाशील जॉब कार्ड है और इसी पखवाड़े के अंतर्गत इसी माह की अंतिम तारीख तक कम से कम 10 हजार और लेबर को लगाए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। बैठक में जिला परिषद सीईओ ने कोरोना रोकथाम को लेकर भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जो लोग कोरोना पॉजिटिव आए हैं उनकी सख्ती से मोनिटरिंग करें, निगरानी समितियों को साथ लेकर संक्रमित लोगों को नियमित रूप से चेक करें कि वे क्वारन्टीन नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। सीईओ ने कहा कि कोरोना पॉजिटिव लोगों को घर में अनिवार्य रूप से 14 दिन क्वारंटीन होने के लिए पाबंद करें और अगर कोई लापरवाही करता है तो उसे संस्थागत क्वारन्टीन करें। इसी के साथ सीईओ ने जन अनुशासन पखवाड़े की सख्ती से अनुपालन कराने के भी निर्देश दिए।

जागरूक खबरें

रक्तदान करवाने पर भीम आर्मी जिलाध्यक्ष तारा पूतली को किया गया सम्मानित

कोटपूतली @ जागरूक जनता। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की 130 वीं जयन्ती पर राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भीम आर्मी जिलाध्यक्ष तारा पूतली के संयोजन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था।शिविर में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता,समाज सेवियों व समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों ने बढ़-चढकर भाग लेते हुए राजकीय अस्पताल के ब्लड बैंक में 83 युनिट रक्तदान किया था। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के लिए राजकीय बीडीएम अस्पताल के पीएमओ डॉ.चैतन्य रावत एवं अस्पताल स्टॉफ सदस्यों द्वारा तारा पूतली को प्रशस्ती पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नेशनल टुर्नामेंट में पवन ने जीता गोल्ड मैडल

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बा निवासी युवा पवन सैनी ने अमेचर नेशनल गेम्स 2021 द्वारा आयोजित टुर्नामेंट में नेशनल लेवल में भाग लेकर गोल्ड मैडल हांसिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि युवा पवन सैनी पुत्र राजेश कुमार सैनी ने राकेश कुमार गुर्जर कोच,इण्डेन डिफेंस एकेडमी कोटपूतली के नेतृत्व में नेशनल टुर्नामेंट में भाग लिया था।पवन ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व कोच राकेश कुमार गुर्जर को दिया है।

उपचुनाव में बेहतर परफॉर्मेंस

बढ़ेगा कद, सत्ता-संगठन में मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी

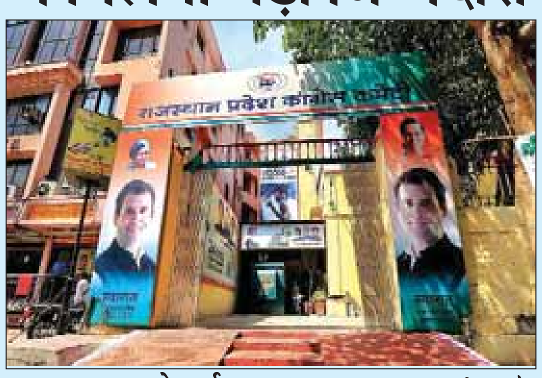

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की 3 सीटों सहाड़ा, राजसमंद और सुजानगढ़ में हुए उपचुनाव में पार्टी के लिए जी-जान से मेहनत करने वाले नेता और कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत करने की तैयारी कांग्रेस में शुरू हो गई है। सहाड़ा, राजसमंद और सुजानगढ़ में अगर कांग्रेस की जीत होती है तो इन उपचुनावों में पार्टी प्रत्याशियों और पार्टी के लिए काम करने वाले नेताओं-कार्यकर्ताओं को सत्ता और संगठन में बड़ी जिम्मेदारी देने की चर्चा कांग्रेस गलियारों में चल रही है। पार्टी से जुड़े विश्वस्त सूत्रों ने भी संकेत दिए हैं। हालांकि कांग्रेस थिंक टैंक तीनों ही सीट पर जीत के दावे कर रहा है और तीनों सीट पर जीत के प्रति आश्वस्त है। ऐसे में उन कार्यकर्ताओं और नेताओं की लिस्ट तैयार करने का काम शुरू हो चुका है जिन्होंने उपचुनाव में पार्टी के लिए जी तोड़ मेहनत की है। दरअसल तीनों सीटों पर मंत्रियों के साथ-साथ संगठन से जुड़े नेता और कार्यकर्ताओं ने पिछले कई महीने से इन उपचुनावों वाले क्षेत्रों में डेरा डाले रखा है और उपचुनाव संपन्न होने तक वहीं रहकर चुनाव प्रबंधन करते रहे। ऐसे में उपचुनाव में काम करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को कांग्रेस थिंक टैंक सत्ता और संगठन में बड़े पदों पर एडजस्ट करने का मन बना चुका है। इसे लेकर प्रदेश प्रभारी अजय माकन, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा के बीच चर्चा भी हो चुकी है।

मंत्रिमंडल में बने रहेंगे चुनाव के प्रभारी मंत्री

विश्वस्त सूत्रों की माने तो उपचुनाव के प्रभारी मंत्री आगामी मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल में भी मंत्रिमंडल में बने रहेंगे। सरकार उपचुनाव में उनके काम को देखते हुए मंत्रिमंडल में बनाए रखेगी। उपचुनाव के प्रभारी मंत्रियों में गोविंद सिंह डोटासरा, डॉ रघु शर्मा, अशोक चांदना, उदयलाल आंजना, प्रमोद जैन भाया, भंवर सिंह भाटी है। तीनों उपचुनाव की कमान इन्हीं मंत्रियों के हाथों में थी। हालांकि इनमें कई मंत्री ऐसे भी हैं कि जिनके विभागीय कामकाज से मुख्यमंत्री संतुष्ट नहीं है लेकिन उपचुनाव में उनके काम को देखते हुए ये मंत्री अब मंत्रिमंडल में बने रहेंगे।

राजनीतिक नियुक्तियों और संगठन में मिलेगी जगह

वहीं उपचुनाव में काम करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को आगामी संगठन विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों में अहम पद दिए जाएंगे। उपचुनाव वाले तीनों जिलों के कार्यकर्ताओं को जिला स्तरीय राज्य नियुक्तियां और जिला स्तरीय संगठन में एडसजस्ट किया जाएगा। साथ ही प्रदेश कांग्रेस की ओर से उपचुनावों में नियुक्त नेताओं को भी प्रदेश कांग्रेस के संभावित विस्तार में प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में जगह मिलने की बात कही जा रही है।

कंट्रोल रूम में तैनात भी होंगे एडजस्ट

इधर प्रदेश कांग्रेस कंट्रोल रूम में तैनात नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी राजनीतिक नियुक्तियों और संगठन में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। पंचायत, जिला परिषद, निकाय चुनाव और उपचुनाव में पीसीसी कंट्रोल रूम में तैनात लगातार कंट्रोल रूम के जरिए चुनाव चुनाव प्रबंधन की मॉनिटरिंग करते आ रहे हैं।

चुनाव परिणाम का इंतजार

सूत्रों का कहना है कि 2 मई को चुनाव परिणाम में अगर चुनाव परिणाम कांग्रेस के पक्ष में रहता है तो फिर जल्द ही इन नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

जयपुर में अंधड़ के साथ बारिश; झुंझनूं में हवा से पेड़ गिरे, बिजली का पोल टूटा, बीकानेर में झमाझम, 20-21 को आंधी-बारिश के आसार

राजस्थान/बीकानेर/भरतपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में फिर मौसम ने करवट ली है। जयपुर में सुबह से पड़ रही तेज धूप के बाद दोपहर बाद अचानक मौसम बदल गया। यहां तेज आंधी के बाद बारिश शुरू हो गई। झुंझुनूं में तेज अंधड़ से कई पेड़ गिर गए। बिजली का पोल भी टूट गया। नागौर में काले घने बादल छाए रहे। तेज हवा भी चली। वहीं बीकानेर में सुबह में ही तेज हवा के साथ झमाझम बारिश हुई थी। जैसलमेर, श्रीगंगानगर, जोधपुर, नागौर, चुरू, हनुमानगढ़ सहित पश्चिमी राजस्थान में बूंदाबांदी से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम विभाग ने सोमवार की रात तीन बार आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की थी। सुबह में बीकानेर में बूंदाबांदी का सिलसिला फिर से शुरू हो गया। बादलों के गर्जन के साथ ही खाजूवाला और गजनेर में बूंदाबांदी हुई। शहरी क्षेत्रों में बादलों ने डेरा डाला है। 20 और 21 अप्रैल को पश्चिमी विक्षोभ के चलते आंधी-बारिश के आसार हैं। इस दौरान हवा की रफ्तार 40-50 किमी प्रतिघंटा रह सकती है।

जन अनुशासन पखवाड़ा के नाम पर लॉक डाउन का विरोध

व्यापारियों के साथ किया जाए एक जैसा व्यवहार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चौमूं। व्यापारियों ने मुख्यमंत्री से जन अनुशासन पखवाड़ा के नाम पर लोक डाउन कर्फ्यू के तहत अन्य ट्रेड्रो के व्यापारियों के साथ भी समानता का व्यवहार करते हुए उन्हें भी खोलने की मांग की हैं। व्यापारियों ने बताया की बाजारों में किराना दूध दही नमकीन मिठाई, सब्जी फल शराब कल कारखाने लघु उद्योग मैकेनिक लाइन आदि सभी का व्यवसाय खुला होने के कारण बाजारों में भीड़ तो हो ही रही है सभ ही आवाजाही भी पुरी तरह से चल रही है जिससे कोरोना रुकने वाला नहीं है पूर्व में सरकार द्वारा 5 बजे तक बाजार खोलने का निर्णय लिया गया था जिसमें व्यापारियों ने सहयोग करते हुए 5 बजे तक अपना व्यापार किया और आगे भी करने को तैयार थे। किंतु कल रात्रि में जन अनुशासन पखवाड़ा के नाम पर लगाये गये (लॉक डाउन) कर्फ्यू का बाज़ारों में भारी विरोध हुआ अन्य व्यापार खुल सकते हैं तो हम सब का व्यापार खोलने में क्या दिक्कत है हम सरकार की सभी तरह की गाइड लाइन की पालना को तैयार हैं और पालना कर भी रहे हैं हमारे यहां कोई भीड़भाड़ नहीं होती है गिने-चुने ही ग्राहक हमारे यहां आते हैं फिर भी सरकार द्वारा हमारे व्यापार को बंद कर दिया गया है इसका हम घोर विरोध करते हैं या तो सरकार पूरी तरह से लॉक डाउन करें या फिर हम सबके ट्रेड के व्यापार को भी खोलने की छूट दे । हम प्रात 9 बजे से 5 बजे तक मार्केट खोलने के लिए भी तैयार है। अतः लॉकडाउन जन अनुशासन पखवाड़ा के आदेश को मुख्यमंत्री वापस लेवे। सवेरे से ही हमारे संवाददाता के पास शहर के कई ट्रेडो के व्यापार संघो के पदाधिकारियो के फोन आ रहे है कि आधा मार्केट खुला हुआ है आधा बाजार बंद है इसका क्या औचित्य है इस तरह का लोक डाउन अर्थहीन लोक डाउन है जिसे सरकार ने जन अनुशासन पखवाड़ा का नाम दिया है बाजारों में भीड़ पूर्व की तरह ही हो रही है।

महानवमी आज: मंदिरों में होगा श्रीराम जन्माभिषेक

जयपुर @ जागरूक जनता। चैत्र शुक्ल नवमी पर आज रामनवमीं मनाई जाएगी। शहर के श्रीराम मंदिरों में अभिजीत मुहूर्त में रामलला का जन्माभिषेक होगा। इस दौरान मंदिरों में बधाइ गान और उछाल होगी। कोरोना के चलते श्रद्धालु श्रीराम के अभिषेक व श्रृंगार दर्शन मंदिरों में नहीं कर ऑनलाइन ही कर पाएंगे। शहर के श्रीगलता तीर्थ, चांदपोल स्थित प्राचीन मंदिरश्री रामन्द्रजी, खोले के हनुमान मंदिर स्थित छोटी चौपड़ मंदिर सीतारामजी में रामनवमी मनाई जाएगी। इस दौरान श्रद्धालुओं का प्रवेश निषेध रहेगा। मंदिर के महंत, पुजारी और सेवक ही पूजा-अर्चना करेंगे। श्रीगलता पीठ में पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य के सान्निध्य में यहां विराजित 500 वर्ष से अधिक प्राचीन विग्रहों की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। श्रीरामजी का जन्माभिषेक होगा। ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। चांदपोल बाजार के मंदिर श्रीरामचन्द्रजी में सुबह 6 बजे मंगला आरती होगी, इसके बाद 11 बजे पंचामृत अभिषेक कर रामलला को पीली गोटा पत्ती, जरदोजी की पोशाक धारण करवाई जाएगी। महंत राधेश्याम तिवाड़ी ने बताया कि दोपहर 1.30 बजे रामलला की जन्म आरती की जाएगी।

एसडीएम एवं नगरपालिका ईओ को पार्षदों ने सौंपा ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। विभिन्न वार्डो में पार्षदगणों ने कस्बे में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम सुनीता मीणा एवं नगरपालिका ईओ फतेह सिंह मीणा को ज्ञापन सौंपा है।ज्ञापन में अवगत करवाया गया कि कस्बे की सफाई व्यवस्था बाधित है एवं वार्डवासियों के रोजमर्रा के कार्य भी नहीं हो रहे हैं। ज्ञापन में सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करने, क्षतिग्रस्त व खराब रोड़ लाईटे ठीक करने,गंदे नालों के पानी की निकासी,लम्बित सड़क निर्माण,पार्को में व्यायाम उपकरण लगाये जाने की मांग की गई है।साथ ही पालिका कार्मिकों का पार्षदों सहित आमजन से भी व्यवहार ठीक किये जाने की मांग की गई है।पार्षद मनोज गौड़ ने वार्ड संख्या 23 स्थित सराय मौहल्ले में जनाना अस्पताल के पास गंदे पानी की निकासी ठीक करवाये जाने की मांग की।जिस पर ईओ फतेह सिंह मीणा ने समस्या निराकरण के लिए आश्वासन देते हुए कहा कि इस बाबत डीपीआर बनवाई जा रही है जल्द ही नाले का निर्माण शुरू किया जायेगा। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि ज्ञापन के दौरान मनोज गौड़, राकेश सैनी,मनीषा गुर्जर, कपिल चौहान, विष्णु सिंह, हीरालाल, ताराचंद, मीनू बंसल, ममता, विपिन जाट, प्रमोद गुरूजी, कृष्ण कुमार कारोडिया आदि मौजूद रहे।

भर्तहरि विचार मंच द्वारा अंबेडकर जयंती पर प्रबुद्धजन विचार गोष्ठी आयोजित

बाबा साहब के संविधान ने किया देश को सूत्र में बांधने का काम-बाबूलाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। स्थानीय बसंत प्रभु आदर्श विद्या मंदिर के सभागार में भर्तहरि विचार मंच द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती पर प्रबुद्धजन विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।इस मौके पर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के वंचित वर्ग को भी शिक्षित एवं सशक्त किया।साथ ही हमें न्याय व समता पर आधारित एक ऐसा प्रगतिशील संविधान दिया जिसने देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया है। बाबा साहब का विराट जीवन व विचार हमारे लिए प्रेरणा का केंद्र है। वहीं उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर ने दलित, शोषित, वंचित, आदिवासी, पिछड़ों, अल्पसंख्यक, महिला, मजदूर सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया है। अध्यक्षता करते हुए राजकीय बीडीएम चिकित्सालय के पूर्व पीएमओ डॉ.आर.आर.यादव ने कहा कि बाबा साहब केवल संविधान शिल्पी ही नहीं थे बल्कि वह सामाजिक न्याय के प्रणेता,अद्वितीय विधिवेत्ता,महान अर्थशास्त्री,विचारक, दार्शनिक व चिंतनशील महापुरुष थे। जिन्होंने अपने अंतिम समय तक समाज को सुधारने का कार्य किया। सेवानिवृत्त प्राध्यापक बलबीर यादव ने कहा कि बाबा साहब का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी है।उन्होंने अपने व्यक्तित्व व कृतित्व से समाज को नई राह दिखलाई।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश मंत्री एडवोकेट सुबेसिंह मोरोड़िया एवं वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना ने भी अपने विचार व्यक्त किये।मंच के संयोजक एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी उमराव लाल वर्मा ने आभार प्रकट किया।इस मौके पर समाज के कई प्रबुद्धजन मौजूद थे।

अखण्ड सौभाग्य के प्रतीक गणगौर पर्व पर आज हुई गणगौर और इसर की अंतिम विदाई

शिव- पार्वती के अटूट बंधन और प्रेम का प्रतीक है गणगौर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। पारम्परिक लोक पर्व गणगौर के अवसर पर शहर वासियों ने कोरोना संक्रमण को देखते हुये घर पर ही पूजा-अर्चना की। मां गौरी और भगवान शिव सबकी मनोकामनायें पूर्ण करें व सभी को सुख, समृद्धि तथा अच्छे स्वास्थ्य का वरदान दें। इसी मंगल कामना के साथ महिलाओं ने खुशियों भरा वैवाहिक जीवन और पति की लंबी उम्र के लिए रखे जाना गणगौर व्रत रखा। यह त्योहार मुख्य रूप से राजस्थान और मध्य प्रदेश में मनाया जाता है। इस दिन कुंवारी लड़कियां और सुहागिन महिलाएं व्रत रखती हैं और शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से कुंवारी लड़कियों को मनचाहा वर मिलता है। वहीं, सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए इस व्रत को रखती हैं। गणगौर के दिन घरों में कई तरह के पकवान बनते हैं और पूरा माहौल लोक गीतों से गूंज उठता है। सही मायने में यह पर्व आस्थार, प्रेम, त्याहग, समर्पण और सौहार्द का प्रतीक है।

गणगौर कब मनाया जाता है?

हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्लौ तृतीया का दिन गणगौर के रूप में मनाया जाता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक यह पर्व हर साल मार्च या अप्रैल के महीने में आता है।

गणगौर का महत्व

गणगौर राजस्थावन और मध्य प्रदेश का लोकपर्व है। इन राज्यों में हिन्दू धर्म को मानने वाली महिलाओं के लिए इस पर्व का विशेष महत्व है। यह सांस्कृतिक विरासत, प्रेम और आस्था का जीवंत उदाहरण है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव ने पार्वतीजी को तथा पार्वतीजी ने समस्त स्त्री-समाज को सौभाग्य का वरदान दिया था। कहते हैं कि इस व्रत को रखने से पति की उम्र लंबी होती है और कुंवारी कन्याओं मनपसंद जीवन साथी मिलता है।

कैसे मनाया जाता है गणगौर

गणगौर होलिका दहन के दूसरे दिन चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल तृतीया तक यानी 17 दिनों तक चलने वाला त्योहार है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता गवरजा (मां पार्वती) होली के दूसरे दिन अपने पीहर आती हैं और आठ दिनों के बाद भगवान शिव (इसर जी) उन्हें वापस लेने के लिए आते हैं। फिर चैत्र शुक्ल तृतीया को उनकी विदाई होती है। होली के दूसरे दिन यानी कि चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से सुहागिन महिलाएं और कुंवारी कन्यावएं मिट्टी के शिव जी यानी की गण एवं माता पार्वती यानी की गौर बनाकर प्रतिदिन पूजन करती हैं। इन 17 दिनों में महिलाएं रोज सुबह उठ कर दूब और फूल चुन कर लाती हैं। उन दूबों से दूध के छींटे मिट्टी की बनी हुई गणगौर माता को देती हैं। फिर चैत्र शुक्ल द्वितीया के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती हैं। दूसरे दिन यानी कि चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया को शाम के समय उनका विसर्जन कर देती हैं। गणगौरों के पूजा स्थल गणगौर का पीहर और विसर्जन स्थल ससुराल माना जाता है। विसर्जन के दिन सुहागिनें सोलह श्रृंगार करती हैं और व्रत रखती हैं।

मंत्रोच्चारण के साथ संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। स्थानीय श्रीराम भवन में नवसंवत्सर एवं नवरात्र के उपलक्ष में सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।पाठ के दौरान भजनों पर श्रद्धालू झूम उठे। इस दौरान भगवान श्रीराम और हनुमान के जयकारे गूंजते रहे और हर कोई भक्तिरस में डूब गया। सुंदरकांड के मुख्य वाचक आनंद पंडित ने सर्वप्रथम वेद मंत्रोच्चारण के साथ देवी देवताओं का आह्वान किया और उसके बाद गणेश वंदना के साथ शुरू हुए सुंदरकांड पाठ की चौपाईयों को लयबद्ध तरीके से वाचन किया गया। सुंदरकांड की चौपाईयों का मनोहारी वाचन के दौरान परिसर में मौजूद हर कोई भक्तिरस में डूबा नजर आया। इसके बाद आनंद पंडित सहित श्याम सत्संग मंडल एवं श्याम शक्ति मंडल से जुड़े गायक कलाकार घनश्याम शर्मा,धर्मेन्द्र शर्मा,दीपक बंसल सहित अन्य कलाकारों ने एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया।अंत में रामभवन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल व मंत्री राजेश गुप्ता के नेतृत्व में विधिवत आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि कार्यक्रम में सेवा भारती के प्रांत मंत्री महेश गोयल,पार्षद कपिल चौहान,प्रमोद सैनी, मनोज गौड़,जनार्दन पटवारी, पूर्व पार्षद भीखाराम सैनी व बजरंग शरण, उत्तम गुप्ता, सियाराम शरण, अमरनाथ जागीरदार, चौथमल सैनी, सत्यनारायण कौशिक, दीपक कौशिक, मुकेश सैनी, सुमेश सैनी, पूरणचंद कसाना, कमलेश सैनी,नरसी सैनी, भीम सैनी, योगेश उर्फ पप्पू पुजारी, पार्षद प्रतिनिधि अनिल शरण बंसल, सरपंच विक्रम रावत,मुनेश सैनी, प्रवीण बंसल, केशव बंसल, राजेंद्र सैनी सहित अन्य श्रद्धालू मौजूद रहे।

सुबह 9 बजे से खुलेंगे मुख्यालय और मंडल कार्यालय

जयपुर @ जागरूक जनता। उत्तर पश्चिम रेलवे के जीएम आनंद प्रकाश ने नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्प्लॉइज यूनियन (एनडब्ल्यूआरईयू) की मांग को मानते हुए रेलवे मुख्यालय और डीआरएम ऑफिस का समय बदल दिया है। इससे पहले जोन ने कोविड कंट्रोल के लिए राज्य सरकार की ओर से लगाए नाइट कर्फ्यू को देखते हुए सुबह 8 से शाम 4 बजे तक ऑफिस संचालित करने का आदेश जारी किया था, जिसका रेलवे कर्मचारी यूनियन ने विरोध किया था।

जयपुर रेंज पुलिस आईजी हवासिंह घुमरिया का कोटपूतली दौरा

जन अनुशासन पखवाड़े की सख्ती से हो पालना-आईजी घुमरिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। कोरोना वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के गहराते हुए संकट के बीच जयपुर रेंज के पुलिस आईजी हवासिंह घुमरिया कोटपूतली पहुँचे। घुमरिया ने यहाँ राज्य सरकार की निर्धारित गाईडलाईन की पालना का जायजा लिया। वहाँ उन्होंने एएसपी रामकुमार कस्वां सहित अन्य अधिकारियों के साथ कस्बे के बाजारों में सोशियल डिस्टेंसिंग की व्यवस्थाओं को भी देखा।साथ ही स्थानीय पुलिस प्रशासन को इस बाबत आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। आईजी घुमरिया कस्बे से लगती हरियाणा सीमा के गोनेड़ा चैक पोस्ट पर भी निरीक्षण के लिए पहुँचे। उन्होंने चैक पोस्ट पर मौजूद पुलिस-प्रशासन के लोगों को इस बात की सख्त हिदायत दी कि दूसरे राज्यों से आने वाला कोई भी व्यक्ति बिना अपनी कोरोना जाँच रिपोर्ट दिखाये राजस्थान में प्रवेश ना करे। आईजी घुमरिया ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि पुलिस राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे जन अनुशासन पखवाड़े की सख्ती से पालना सुनिश्चित करेगी। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। राज्य सरकार ने आवश्यक वस्तुओं की दुकानों को खोले जाने की छूट प्रदान की है, लेकिन कोई भी व्यक्ति इसका नाजायज फायदा ना उठाये। बिना किसी आवश्यक कार्य के सड़कों पर ना निकले। जब भी घर से बाहर निकलें,तो मास्क लगाकर ही बाहर निकलें अन्यथा पुलिस को और सख्त कार्यवाही भी करनी पड़ेगी।उन्होंने कहा कि जीवन है तो आजीविका है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। घुमरिया ने मीडिया के माध्यम से अपील करते हुए कहा कि सरकार द्वारा सभी प्रयास जनता को महामारी से बचाने के लिए किये जा रहे हैं। अतः प्रदेशवासी कोरोना गाइडलाइन की पूर्णतःपालना करें। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान एएसपी रामकुमार कस्वां,डीएसपी दिनेश कुमार यादव,थानाधिकारी दिलीप सिंह शेखावत,पनियाला थानाधिकारी इन्द्राज सिंह, एडीएम जगदीश आर्य, एसडीएम सुनीता मीणा, तहसीलदार सूर्यकांत शर्मा, पालिका ईओ फतेहसिंह मीणा सहित अन्य मौजूद रहे।

ANCHOR

नगर पालिका मंडल कोटपूतली ने मनाया अग्निशमन सेवा सप्ताह

सतर्कता,सावधानी एवं बचाव से ही जान माल की सुरक्षा सम्भव-सैनी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। नगर पालिका मंडल कोटपूतली द्वारा कस्बावासियों को अग्नि दुर्घटनाओं को लेकर बचाव एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किये जाने के उद्देश्य से अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया। सप्ताह के तहत 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक कस्बे के विभिन्न वार्डो में लोगों को इसके बारे में जानकारी दी गई।इसको लेकर कस्बा स्थित पालिका कार्यालय में सप्ताह का शुभारम्भ पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि एडवोकेट दुर्गा प्रसाद सैनी के मुख्य आतिथ्य में किया गया।इस मौके पर 14 अप्रैल 1944 को मुम्बई डॉकयार्ड में हुई ऐतिहासिक अग्नि दुर्घटना व विस्फोट में अपने प्राणों की आहुति देकर लोगों की जान बचाने वाले अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। इसी दिन को नेशनल फायर सर्विस डे के रूप में भी मनाया जाता है। इस दौरान एडवोकेट दुर्गा प्रसाद सैनी ने कहा कि अग्नि दुर्घटनाओं के मामलों में जरा सी चूक या भूल ही भारी तबाही का कारण बनती है। केवल सतर्कता, सावधानी व बचाव से ही जान माल की सुरक्षा सम्भव है। सेवा सप्ताह के दौरान कस्बावासियों को अग्निशमन सम्बंधित जानकारी दी गई। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान नगर पालिका के सहायक अग्निशमन अधिकारी सुरेश यादव, जेईएन अनिल जोनवाल, संजय सैनी सहित अग्निशमन कार्यालय के स्टॉफ सदस्य भी मौजूद रहे।

Smaller EMIs on
30 YEAR
HOME LOANS
8.45%*
Interest Rate
श्रीरामनवमी की हार्दिक
शुभकामनाएँ
housing mortgage loan also available
अब अपनी पुरानी गाड़ी पर
तक लोन करवायें...
कीमत का 150%
शर्तें लागू*
IDFC FIRST Bank
BAJAJ
Bajaj FinServ Limited
TATA CAPITAL
We only do what's right for you
Mahindra
Finance
ICICI Bank
Home Loans
khayaal aapka
MAGMA
Investing in the smallest dream
HeroFinCorp.
sk FINANCE
HDFC BANK
We understand your world
authorised channel partner
Aarna associate
Call us : 9828333666

सफल जीवन, करियर के लिए सभी मेहनत करते हैं। लेकिन कुछ लोगों के हिस्से ही मनचाही सफलता आती है। ऐसे में दूसरों को लगता है कि सफल होना बड़ा कठिन काम है। जबकि कुछ बातों को व्यवहार में, जीवन में अपनाया जाए तो किसी के लिए भी सफलता की राह खुल सकती है।

बिल्कुल मुश्किल नहीं है जीवन में आगे बढ़ना-सफल होना

सक्सेस मंत्र

कीर्ति शर्मा

जिंदगी में आगे बढ़ते रहना, न सिर्फ हर किसी की चाहत बल्कि जरूरत भी होती है। जैसे एक जगह ठहरा हुआ पानी खराब हो जाता है। वैसे ही तरक्की न कर पाने वाला इंसान परिवार, आस-पास के लोगों की नजरों में अलग जगह नहीं बना पाता है, कोई खास अहमियत नहीं रखता है। साथ ही इस निराशा में वह खुद भी तमाम मानसिक, शारीरिक बीमारियों का शिकार हो जाता है। अगर आप भी अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहती हैं, सफल होना चाहती हैं तो कुछ बातों को अमल में लाएं, उन्हें अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएं।

अच्छे लोगों की संगत कीजिए

आपकी सफलता बहुत कुछ आपके दोस्तों पर भी निर्भर करती है। दरअसल, आप जैसे लोगों के साथ रहते हैं, आपका व्यवहार धीरे-धीरे वैसा ही होता जाता है। अगर आप पॉजिटिव, प्रोडक्टिव, खुशमिजाज और मेहनती लोगों के साथ रहते हैं तो आप भी ऐसे ही बनते हैं। इससे जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता आपके लिए खुलता है। दरअसल, अच्छे लोगों की संगत में न सिर्फ अच्छी बातें, काम का सही तरीका और अच्छे विचार सीखने को मिलते हैं बल्कि उनके कर्मठ व्यवहार से आपको मोटिवेशन भी मिलता है। इसलिए हमेशा पॉजिटिव एटीट्यूड वाले लोगों के साथ रहें, उनसे दोस्ती करें।

दूसरों से पहले खुद को समझें

अकसर लोग दूसरों को समझने, उनके बारे में टीका-टिप्पणी करने और उनका आकलन करने में काफी वक्त गुजार देते हैं। लेकिन खुद को कभी भी नहीं समझ पाते हैं। इसलिए वे जिंदगी भर आलोचक ही बनकर रह जाते हैं और खुद कुछ नहीं कर पाते। आपको जीवन में आगे बढ़ना है तो सबसे पहले खुद को समझना होगा। आपके लिए क्या जरूरी है? आपके लक्ष्य क्या हैं और आपके सपने क्या हैं? ये सारे सवाल खुद से रोजाना पूछते रहें और उनके जवाब जानकर जीवन को जीने की कला सीखें। इससे आपके सामने अपनी दिनचर्या की साफ रूपरेखा होगी। इससे आप अपना समय जरूरी काम को दे पाएंगे। ऐसा होने पर ही आपको सफलता मिलेगी, जीवन सार्थक लगेगा।

खुद पर करें भरोसा

कुछ लोग प्रयास करने के बजाय दिन-रात राशिफल, भाग्य चक्र और कुंडली के फेर में पड़े रहते हैं। आपकी ऐसी चीजों में रुचि है और विश्वास है तो उन्हें जानिए। लेकिन भरोसा हमेशा अपनी मेहनत पर कीजिए। आपके सितारे चाहे कितने भी अच्छे हों फिर भी मेहनत आपको ही करनी पड़ेगी। सितारे बुरे हैं तो भी आपको मेहनत तो करनी ही पड़ेगी। इसलिए बेहतर होगा कि जिन सितारों का कंट्रोल आपके हाथ में नहीं है, उनको भगवान भरोसे छोड़िए। आप उन चीजों में जुटिए, जिन पर आपका कंट्रोल है। कमर कसकर अपने काम में जुटने की आदत डालिए, खुद पर पूरा भरोसा रखिए। ऐसे करने वाले लोग ही सफलता की नई कहानी लिखते हैं।

सफल लोगों से प्रेरणा लें

कई बार हम अपने किसी पड़ोसी, दोस्त, कुलीग या रिश्तेदार को लगातार सफल होते देखकर उससे ईर्ष्या करने लगते हैं। ईर्ष्या के असर में हम सोचने लगते हैं कि इसने रातों-रात तरक्की कर ली जरूर कुछ गड़बड़ है। हकीकत यह है कि कोई व्यक्ति रातों-रात तरक्की नहीं करता। इसके पीछे उसकी सालों की मेहनत, जीवन की सही रणनीति, बुद्धि, विवेक और कौशल होता है। इसलिए सफल लोगों से ईर्ष्या करने की बजाय उनकी जीवनशैली और कार्यशैली का नजदीक से अवलोकन करें। उनसे अपनी समस्या या जिज्ञासाएं पूछकर मार्गदर्शन लेने की कोशिश करें। इस तरह आप भी जीवन में आगे बढ़ पाएंगी।

अपनी स्किल-एचीवमेंट बताएं

आप किसी भी प्रोफेशन में हों या किसी भी बिजनेस में, आपको अपनी स्किल और अचीवमेंट के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को बताना चाहिए। तभी तो लोग आपको सीरियसली लेंगे। इससे न सिर्फ अपनी फील्ड में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा बल्कि आपसे मदद लेने वालों की, काम कराने वालों की संख्या भी बढ़ेगी। इससे भी आपकी सफलता के दरवाजे खुलेंगे।

रिश्ते बने रहेंगे हमेशा मजबूत

रिश्ता कोई भी हो, हर रिश्ता नाजुक होता है। हमें समय-समय पर इसे मजबूत करने के प्रयास करने चाहिए। इसके लिए कोई बड़ा प्लान या मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ती। बस छोटी-छोटी बातों को ध्यान रखने की जरूरत होती है।

सलाह

सरस्वती रमेश

सरगम के स्कूल-कॉलेज के दोस्त, कजिन, रिलेटिव्स उसे बहुत मानते हैं। सभी के साथ उसका रिलेशन बहुत अच्छा है। इसके लिए सरगम ने इस बात का हमेशा ध्यान रखा है कि सबसे रिश्ते अच्छे बने रहें। वैसे रिश्तों को निभाना आसान काम नहीं है। थोड़ी सी अनदेखी सालों पुराने रिश्ते में दूरी बना देती है। अगर आप भी चाहती हैं कि आपके रिश्ते सभी से मजबूत बने रहें तो कुछ बातों को आज से ही फॉलो करना शुरू कर दें।

अपनों की रुचि का रखें ख्याल : जब आप किसी की रुचि का ख्याल रखकर कोई काम करती हैं तो उसके लिए आपको अपनी भावनाएं अलग से दिखाने की जरूरत नहीं पड़ती। सामने वाला खुद-ब-खुद समझ जाता है, आप उससे कितना प्यार या सम्मान देती हैं। दरअसल, आपकी जरा सी ख्याल रखने की यह आदत आपके रिश्ते को एक मजबूती देती है। इसलिए रूटीन लाइफ जीने के साथ कभी भी अपने रिश्तों को इग्नोर करने की गलती न करें। अपने रिश्तों की पसंद-नापसंद का ख्याल रखें। यह बात अपनेपन का अहसास बनाए रखेगी।

सबके सामने टोकने से बचें : अपने किसी करीबी की गलती पर उसे सबके सामने टोकना, फटकारना अच्छी बात नहीं होती। इससे उसके मन को ठेस पहुंच सकती है। गलती करना इंसान का स्वभाव है। कभी न कभी गलती आपसे भी जरूर होती है। इसलिए अपनों के गलती करने पर उस पर सबके सामने गुस्सा न करें। उससे जो कुछ भी कहना है, अकेले में कहें। इसी तरह रिश्तों में आने वाली छोटी-बड़ी समस्याओं का समाधान भी आपसी बातचीत और समझदारी से निकाला जा सकता है। अपनों से बहस करके कुछ हासिल नहीं किया जा सकता है, इससे रिश्तों में खटास आती है, रिश्ते उलझ जाते हैं।

तीसरे की बातों में न आएं : अकसर रिश्तों में झगड़े की बड़ी वजह तीसरे व्यक्ति की बनावटी, बढ़ा-चढ़ाकर की गई बातों में आ जाना होता है। हम एक-दूसरे से सीधे संवाद न कर तीसरे व्यक्ति की कही बातों के हिसाब से अपनी राय बना लेते हैं। इससे हमारे रिश्तों में गलतफहमियां हो जाती हैं। यह न हो, इसके लिए आमने-सामने बैठकर सारी बातें स्पष्ट करें, अपनी भावना को भी साझा करें। इससे सही बातें सामने आएंगी, मन में बैठी गलतफहमी दूर होगी।

तारीफ का मौका न छोड़ें : अपने जीवनसाथी या अन्य किसी करीबी को खास महसूस कराने के लिए उसकी तारीफ करने के मौके को कभी न छोड़ें। जब भी वह कुछ अच्छा करे, उसकी खुलकर तारीफ करें। इससे उसका काम में मन लगेगा और आपसे लगाव भी गहरा होगा। वह तारीफ मिलने पर, आगे भी आपसे तारीफ पाने की कोशिश करेगा। इसके लिए अच्छा काम और मेहनत करेगा और सफल होगा। यही बात आपके रिश्ते को गहरा करेगी।

थैंक्स-सॉरी कहना जरूरी : जब कोई आपकी मदद करे तो उसे थैंक्स जरूर कहें। रिश्तों में इसका बहुत पॉजिटिव असर होता है। वहीं कभी किसी काम में कमी रह जाए या कोई गलती हो जाए तो अपनों को सॉरी कहने में संकोच न करें। आप सॉरी कहने के अलग-अलग तरीके भी अपना सकती हैं। कोई ऐसा तरीका, जिससे आपके अपनों के चेहरे पर मुस्कान आ जाए।

इस तरह के तरीके अपनाकर आप अपने रिश्तों में मधुरता को बनाए रख सकती हैं।

उपहार भी अच्छा जरिया

जो हमारे अपने हैं, उनको थोड़ा समय और प्यार देना ही काफी है। वे आपका साथ पाकर बहुत खुश हो जाते हैं। लेकिन समय-समय पर अपने करीबियों को उपहार दिए जाएं तो उनको एक अलग तरह की खुशी मिलेगी। उन्हें अपने खास होने का अहसास होगा। इससे आपके रिश्तों में मिठास घुलेगी।

चालीस साल की उम्र के बाद का समय महिलाओं के जीवन में कई तरह के बदलावों का होता है। इस दौरान उन्हें कई तरह की फिजिकल, मेंटल हेल्थ चेंजेस से गुजरना होता है। लेकिन पहले से जानकारी हो तो इनका सामना करना आसान हो जाता है। क्या आप चालीस के बाद के उन बदलावों को जानती-समझती हैं? यह जानने के लिए इस क्विज में हिस्सा लीजिए, खुद को परखिए।

40 प्लस के बदलावों के बारे में कितना जानती हैं आप

परखिए

प्रस्तुति-पिंकी अरोड़ा

चालीस की उम्र पार करते ही महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव होने शुरू हो जाते हैं। इन बदलावों में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक हर किस्म के बदलाव शामिल होते हैं। अगर इनके साथ एडजस्ट करना सीख लिया तो 40 प्लस खूबसूरत अहसास की उम्र बन जाती है। लेकिन अगर इन बदलावों को अस्वीकार करते या इनको लेकर परेशान होंगी तो तमाम तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है। क्या आपको इन बदलावों के बारे में पता है? यह जानने के लिए नीचे दिए गए सभी सवालों के सही जवाब दीजिए।

1. 40 प्लस में आमतौर पर महिलाओं की हड्डियों में कमजोरी का अहसास होने लगता है। इसकी वजह क्या होती है?

क- एस्ट्रोजन हार्मोन में कमी।
ख- टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन की कमी।
ग- रजोनिवृत्ति।

2. पेरिमेनोपॉज के लक्षण क्या हैं?

क- अचानक मासिक स्राव बंद हो जाना।
ख- मासिक स्राव में अनियंत्रित बदलाव।
ग- योनि में जलन होना।

3. 40 प्लस की महिलाओं में मसल्स बनने-

क- ज्यादा शुरू हो जाते हैं।
ख- पहले जैसे ही रहते हैं।
ग- मसल्स घटने शुरू हो जाते हैं।

4. ब्रेस्ट कैंसर की आशंका सबसे ज्यादा कब होती है?

क- पहले मासिक स्राव के बाद।
ख- मेनोपॉज के बाद।
ग- रेग्युलर पार्टनर के साथ इंटीमेट होने से।

5. घुटनों में दर्द, कमर में दर्द, मांसपेशियों में दर्द महिलाओं में आमतौर पर ये समस्याएं कब शुरु होती हैं?

क- मेनोपॉज के बाद।
ख- मेनोपॉज के पहले।
ग- किसी भी समय।

अंक तालिका

क्र.सं.	क	ख	ग
1-	5	2	1
2-	2	5	1
3-	0	1	5
4-	0	5	0
5-	5	1	1

निष्कर्ष

अगर आपने यहां मौजूद सभी सवालों को ध्यान से पढ़ा है और इन सवालों के उसी जवाब को अपने विकल्प के रूप में चुना है, जिसे आप बिल्कुल सही मानती हैं तो अब यह जानने के लिए तैयार हो जाइए कि आपको महिलाओं में 40 प्लस के बदलावों के बारे में कितनी जानकारी है?

क- अगर आपने 20 या 20 से ज्यादा अंक हासिल किए हैं, तब तो कहना ही क्या! आपको 40 प्लस की न केवल समस्याओं के बारे में सब कुछ पता है बल्कि इनसे कैसे निपटें, इसकी भी आपको समझ है। आपसे दूसरी महिलाएं भी सीख और समझ सकती हैं।

ख- अगर आपके कुल हासिल अंक 15 या 15 से कम लेकिन 10 से ज्यादा हैं तो आपको काफी कुछ पता है। थोड़ा सा गंभीर होकर ध्यान देंगी तो बाकी सब जानकारी आसानी से पता हो जाएगी।

ग- अगर आपके कुल हासिल अंक 10 या इससे कम हैं तो अभी आपको अलग-अलग उम्र की समस्याओं के बारे में ज्यादा कुछ नहीं पता। बेहतर है कि इसे जानिए नहीं तो आगे समस्याएं बढ़ सकती हैं।

मी टाइम पॉजिटिव-हैप्पी बनेगी लाइफ

आप जीवन भर दूसरों को समझने की कोशिश में अपना समय लगा देती हैं। लेकिन खुद को समझने के लिए मी टाइम नहीं निकालतीं। आप कितने भी व्यस्त हों लेकिन खुद के लिए समय जरूर निकालें और इसकी अहमियत समझें। यह मी टाइम ही है, जो आपके चेहरे पर रौनक लाएगा, जिंदगी को खुशहाल बनाएगा।

सेल्फ केयर

कुमकुम मिश्रा

एक तो जीवन की तमाम व्यस्तताएं, ऊपर से इन दिनों कोरोना का तनाव। इन विषम स्थितियों ने हमें अनमना और चिड़चिड़ा बना दिया है। इससे निकलने का एक ही तरीका है, खुद के लिए समय निकालें, खुद से बोलें-बतियाएं। कहने का मतलब है कि मी-टाइम की इंपॉर्टेंस को समझें। ऐसा करने के कई फायदे हैं।

खुद को समझ पाते हैं बेहतर

जब हम खुद से बातचीत करते हैं, तो एक खुशी मिलती है, क्योंकि खुद को हम नए एंगल से जानते हैं। वास्तव में आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी ने हमसे खुद से गुफ्तगू के बहाने छीन लिए हैं। ऐसी कंडीशन में चाहिए, हम मी-टाइम चुराएं। मी-टाइम उस वक्त को भी कहते हैं, जिसमें आप अपने आपसे मुखातिब होती हैं, बहस करती हैं, खुद पर इल्जाम लगाती हैं और खुद को शाबासी भी देती हैं।

अपने आपसे होता है प्यार

असल में हम कभी यह नहीं समझना चाहते कि खुद से प्यार करना क्या होता है? लेकिन मी-टाइम हमें खुद से प्यार करना सिखाता है। लोग अकसर कहते हैं, सभी जानवर अपने लिए जीते हैं। हम इंसान हैं, इसलिए हमें दूसरों के लिए जीना चाहिए। लेकिन यह भी जानें कि दूसरों के लिए जीते-जीते खुद को कहीं खो न दें। ज्यादातर लोगों में यही देखने को मिलता है। हम दूसरों की खुशी, दूसरों की पसंद-नापसंद, दूसरों की चाहत, दूसरों की ख्वाहिश पर इतना जोर देते हैं कि अपने अस्तित्व को ही भूल जाते हैं। लेकिन मी-टाइम हमें अहसास कराता है कि हमारा भी एक वजूद है। यही वजूद हमारी पहचान है। इसे हमें किसी के लिए नहीं छोड़ना चाहिए। इसलिए मी-टाइम जरूर निकालें।

इस तरह निकालें मी टाइम

मी-टाइम निकालना आसान काम नहीं है। इसे अपनी व्यस्त दिनचर्या से चुराना पड़ता है।

- मी टाइम चुराने की बात है तो आप रात को जब आंख मूंद लेती हैं, उस समय भी खुद से चार बातें कर सकती हैं। इस समय आपको कोई नहीं देख रहा होता है। कमरे की लाइट बंद होती है। यहां भी रोकने वाला कोई नहीं होगा। इस दौरान अपने बारे में सोचें। खुद को लेकर योजनाएं बनाएं।

- आप जब ऑफिस का काम करते हुए थक जाती हैं तो कुछ देर के लिए आंखें मूंद लें और मन ही मन खुद से गुफ्तगू करें। ऐसी गुफ्तगू करें, जो आपको एनर्जी से भर दे।
- चाय पीते वक्त भी आप खुद से मन ही मन बात कर सकती हैं। यकीन मानें, यह बहुत आसान है।
- अगर कोरोना टाइम में आप ऑफिस से घर जाती हैं और घर से ऑफिस। इस बीच आपके पास कुछ समय होता है। इस सफर के दौरान आपको जो समय मिलता है, उसे आप मी-टाइम के रूप में इस्तेमाल करें।

- मी-टाइम नहाते वक्त भी चुरा सकती हैं। इस बीच आप खुद से ही पॉजिटिव बातें करें। असल में ऐसा करके आप एक काल्पनिक दुनिया को बढ़ावा दे रही होती हैं। जहां अपनी खुशी, चाहत को बेरोक-टोक खुद से ही कह सकती हैं।

जागरूक जनता

www.jagrukjanta.com

विश्वसनीय समाचार पत्र

जो दिखेगा वही बिकेगा

जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।

आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की जागरूक जनता के साथ

विज्ञापन | क्लासीफाइड | डिस्प्ले | प्रॉपर्टी | वैवाहिक

विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

> "इस फिल्म में वह अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के साथ नजर आने वाले हैं। इसके अलावा दोनों एक वीडियो सॉन्ग में भी नजर आने वाले हैं। इसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर शेयर कर दी है। इस वीडियो सॉन्ग पोस्टर को अर्जुन कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्टर पर रैड कलर में 'अर्जुन कपूर, रकुल प्रीत सिंह। द गुड, द बैड, द प्रीटी।' इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'रकुल प्रीत और मैं पहली बार एक साथ हमारे पहले सॉन्ग के साथ धमाल करने जा रहे हैं।"

म्यूजिक वीडियो में भी दिखेंगे अर्जुन और रकुल

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर आपनी आगामी फिल्म 'सरदार का ग्रैंड सन' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के साथ नजर आने वाले हैं। इसके अलावा दोनों एक वीडियो सॉन्ग में भी नजर आने वाले हैं। इसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर शेयर कर दी है। इस वीडियो सॉन्ग पोस्टर को अर्जुन कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्टर पर रेड कलर में 'अर्जुन कपूर, रकुल प्रीत सिंह। द गुड, द बैड, द प्रीटी।' इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'रकुल प्रीत और मैं पहली बार एक साथ हमारे पहले सॉन्ग के साथ धमाल करने जा रहे हैं।' वहीं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर सॉन्ग का पोस्टर शेयर कर लिखा, 'अर्जुन और मैं इस गर्मियों में तापमान बढ़ाने अपने पहले सॉन्ग के साथ आ रहे हैं।' इस सॉन्ग को टी-सीरीज के बैनर तैल बनाया गया है। वहीं अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह नैटफ्लिक्स ओरिजनल फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' में नजर आने वाले हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म में अपनी को-स्टार के साथ फोटो शेयर किया था। इस फोटो में उनके साथ नीना गुप्ता, सोनी राजदान, दिव्या सेठ, रकुल प्रीत सिंह और फिल्म की निर्देशक काश्वी नायर भी नजर आ रही हैं। फिल्म की कहानी साल 1947 से शुरू होकर 2020 तक तीन पीढ़ियों पर आधारित है। इस फिल्म में अभिनेता अर्जुन कपूर और एक्ट्रेस रकुल प्रीत न्यू जनरेशन के कपल्स की भूमिका में नजर आने वाले हैं तो वहीं जॉन अब्राहम और अदिति राव हैदरी 1947 में देश के बंटवारे के वक्त जोड़े में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन काश्वी नायर कर रही हैं, फिल्म को एम्मे एंटरटेनमैंट और टी-सीरीज के बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है।

'डॉक्टर जी' का हिस्सा बनी शेफाली शाह

आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डॉक्टर जी' की घोषणा करने के बाद, जंगली पिक्चर्स ने हाल ही में एक अन्य लोकप्रिय और बहुमुखी अभिनेता को टीम में शामिल कर लिया है जबकि फिल्म में दोनों कलाकार डॉक्टरों की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं अब निर्माताओं ने अभिनेत्री शेफाली शाह को भी उसी प्रोफैशन में शामिल कर लिया है। यह प्रफुल्लित अभिनेत्री इस कैंपस कॉमेडी ड्रामा में आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिसे नवोदित निर्देशक अनुभूति कश्यप द्वारा निर्देशित किया जाएगा जबकि शेफाली शाह के किरदार से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखा गया है, लेकिन यह पता चला है कि पावरहाऊस कलाकार फिल्म में एक वरिष्ठ डॉक्टर - डॉ नंदिनी की भूमिका को निर्बाधित करेंगी। पहली बार, तीन कलाकार एक साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे, जिसने निश्चित रूप से दर्शकों के बीच उत्सुकता को अधिक बढ़ा दिया है। शेफाली शाह एक उम्दा अभिनेत्री हैं जो दिल धड़कने दो व दिल्ली क्राइम जैसे फिल्म और शो में शानदार काम कर चुकी हैं, साथ ही उनकी किटी में कई अन्य दिलचस्प प्रोजैक्ट शामिल है। फिल्म के नरेशन के कारण प्रत्याशा पहले से ही अपने चरम पर है और अब कलाकारों की टोली में शेफाली के शामिल हो जाने से उत्सुकता दो गुना बढ़ गई है। इस तिकड़ी का संयोजन निश्चित रूप से देखने लायक होगा। निर्देशक, अनुभूति कश्यप ने साझा किया, 'मैं शेफाली को टीम में शामिल करने पर रोमांचित महसूस कर रहा हूं, वह अपनी सभी भूमिकाओं को इतनी सहजता और सूक्षमता के साथ निभाती हैं-मैं उनका प्रशंसक हूं! यह मेरी पहली फिल्म है, मैं वास्तव में प्रतिभा के ऐसे पॉवरहाऊस के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।' शेफाली शाह ने कहा, 'मैं डॉक्टर जी का हिस्सा बनने पर उत्साहित हूं। अनुभूति के साथ सुमित, सौरभ, विशाल सहित लेखकों ने एक शानदार स्क्रिप्ट लिखी है। मैं वास्तव में अनुभूति, आयुष्मान, जंगली पिक्चर्स और अद्भुत टीम के साथ काम करने के लिए तत्पर हूं।' जंगली पिक्चर्स की सी.ई.ओ. अमृता पांडे ने शेयर किया, 'जब हमने डॉक्टर जी के लिए कास्टिंग शुरू की थी, तो इस भाग के लिए एकमात्र नाम शेफाली का आया। हमें विश्वास है कि वह इस भूमिका में दमदार एनर्जी लाएंगी। हम उनका सैट पर आने और इस फिल्म को अधिक खास बनाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।' आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत फिल्म 'डॉक्टर जी' अनुभूति कश्यप द्वारा सह-लिखित और निर्देशित है।

सोनम कपूर को आई परिवार की याद

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर इन दिनों अपने देश इंडिया (भारत) को बेहद मिस कर रही हैं। सोनम कपूर इस समय लंदन में हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया है कि वह भारत को काफी मिस कर रही हैं। सोनम कपूर ने अपने पति आनंद आहूजा के साथ एक तस्वीर शेयर कर पोस्ट लिखा है। तस्वीर के साथ सोनम ने लिखा, 'मैं भारत को इतना मिस कर रही हूं और अपने परिवार और दोस्तों से मिलने अपने घर वापस आना चाहती हूं, लेकिन मैंने महसूस किया कि ऐसा करके मैं अपने नए घर को निराश करूंगी, जिसने मुझे मेरे खूबसूरत पति के साथ इतना कुछ दिया है। लंदन में खराब दिन दूसरी जगहों के अच्छे दिनों से अच्छा है।' सोनम कपूर ने लिखा, 'लंदन में सबसे अच्छी बात यह है कि यहां कई मतों और धर्मों के लोगों के रहने के बाद भी रोमांटिक व्यक्तियों के लिए जगह है और यहां कवि, रहस्यवादी और नायक अपने समकक्षों से मुकाबला करने की उम्मीद कर सकते हैं।' सोनम कपूर की मां सुनीता कपूर और पापा अनिल कपूर ने कॉमेंट करते हुए लिखा, 'मिस यू सो मच।' इस पर सोनम कपूर ने लिखा, 'मैं भी आपको मिस कर रही हूं।' बता दें सोनम कपूर, अनिल कपूर और सुनीता कपूर की बेटी एवं फिल्म निर्माता सुरिन्द्र कपूर की पोती हैं। वह निर्माता बोनी कपूर, अभिनेता संजय कपूर और संदीप मरवाह की भतीजी हैं। सोनम कपूर तीनों बच्चों में सबसे बड़ी हैं, अन्य बहन ऋया और भाई हर्षवर्धन हैं।

उन्होंने भारतीय शास्त्रीय और लैटिन नृत्यों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। सोनम ने अपने लम्बे समय से रहे ब्वायफ्रैंड आनंद अहूजा से 2018 में शादी की है। उनकी पॉपुलर फिल्मों में 'आयशा', 'रांझणा', 'भाग मिलखा भाग', 'पैडमैन', 'नीरजा', 'वीरे दी वैडिंग' शामिल हैं। 'नीरजा' को नैशनल अवॉर्ड भी मिल चुका है। यह उनके करियर की सबसे बढ़िया फिल्म मानी जाती है।

'नच बलिए' के ऑफर को राहुल वैद्य ने ठुकराया

'बिग बॉस 14' के रनरअप राहुल वैद्य लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब राहुल को लेकर एक खास जानकारी सामने आई है जिसे सुनकर उनके फैंस बेहद खुश हो जाएंगे। 'बिग बॉस' के बाद अब बहुत जल्द राहुल 'खतरों के खिलाड़ी' के अगले सीजन में नजर आने वाले हैं। खबरों के मुताबिक, 'राहुल वैद्य को स्टार प्लस के 'नच बलिए' से भी ऑफर आया था लेकिन सिंगर ने इसे ठुकरा कर रोहित शेट्टी के एडवैंचर्स रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में जाने का फैसला लिया है। खबरों की मानें तो इससे पहले भी राहुल को 'खतरों के खिलाड़ी' से ऑफर आए थे, लेकिन अपनी हैल्थ इशूज को लेकर उन्हें उस वक्त मना कर दिया था। वहीं अब वह इस रियलिटी शो का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। खतरों के खिलाड़ी के मेकर्स की तरफ से 'बिग बॉस 14' के खत्म होने के बाद तुरंत राहुल वैद्य को संपर्क किया गया था लेकिन राहुल के पीठ में चोट लगने की वजह से दोनों पक्ष ये सुनिश्चित करना चाहते थे कि राहुल बिना किसी दिक्कत स्टंट्स परफॉर्म कर पाए और अब राहुल पूरी तरह से फिट हैं और इसलिए उन्हें ये शो करने के लिए हां कही है। राहुल वैद्य इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में बने हुए हैं। बीते दिनों खबर आई थी कि सिंगर ने अपनी गर्लफ्रैंड दिशा परमार के साथ शादी रचा ली है और उनकी शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं जिसके बाद दोनों के शादी का वीडियो सामने आया जो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं इन तस्वीरों के वायरल होते ही ये कयास लगाया जाने लगा कि कि दोनों ने चोरी-चुपके शादी रचा ली है लेकिन ये तस्वीरें और वीडियोज उनके आने वाले म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान की है। दोनों जल्द एक गाने में नजर आने वाले हैं जहां दोनों दूल्हा-दुल्हन बने दिखाई देंगे।

रणबीर को लेकर अभिषेक का खुलासा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर के निधन को लगभग एक साल होने वाला है। ऋषि तो चले गए, लेकिन उनसे जुड़े कितने ही किस्से और कहानियां हैं जो उनके फैंस हमेशा जानना चाहते हैं। वहीं बॉलीवुड के कई सेलेब्स अक्सर ऋषि कपूर को लेकर कोई न कोई बातें बताते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने भी ऋषि कपूर से जुड़ा एक बेहद ही दिलचस्प किस्सा साझा किया जो उन्हें बहुत पसंद है।

ऋषि कपूर के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने बताया कि वो अक्सर अपने बेटे रणबीर कपूर के लिए चिंतित रहते थे। ऋषि रणबीर को अपने ज्यादा करीब नहीं कर पाए, लेकिन वो हमेशा उनके लिए परेशान रहते थे। इतना ही नहीं वो रणबीर के बारे में सब जानने के लिए एक सैलिब्रिटी गॉसिप वाली वैबसाइट पर नजर रखते थे। ये बात अभिषेक बच्चन को काफी अच्छी लगी थी।

इससे जुड़ा एक किस्सा बताते हुए अभिषेक बच्चन ने कहा कि, एक बार हम शिमला में शूटिंग कर रहे थे। सुबह के वक्त मैं उनसे मिलने उनके कमरे में गया। मैं ऋषि कपूर के साथ कॉफी पीता था। जब मैं उनके कमरे में गया तो वो लूंगी में थे और उन्होंने चश्मा लगा रखा था और उनकी नजर कंप्यूटर पर थी । आगे अभिषेक बच्चन ने कहा कि, जब मैंने ऋषि जी से पूछा कि वो क्या कर रहे हैं तब उन्होंने मुझे एक सैलिब्रिटी गॉसिप वैबसाइट दिखाई और कहा कि वो इसके जरिए रणबीर के जीवन में क्या चल रहा है सब जान लेते हैं और उन पर नजर रखते हैं। मुझे लगा ये कितनी अच्छी बात है। उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं था वो सब बता देते थे । बता दें कि ऋषि कपूर हमेशा एक कड़क पिता रहे और कभी भी रणबीर को अपने करीब नहीं आने दिया। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि उन्हें हमेशा इस बात का अफसोस रहेगा कि रणबीर उनके नजदीक नहीं हैं। रणबीर अपनी मां नीतू कपूर के सबसे ज्यादा करीब हैं। ऋषि कपूर का साल 2020 में 30 अप्रैल के दिन मुंबई में निधन हो गया था। उनके निधन ने पूरे कपूर परिवार, बॉलीवुड और फैंस को गहरा सदमा दिया था।

यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा कार्तिक

लव रंजन ने रोमांटिक कॉमेडी 'प्यार का पंचनामा' (2011) में कार्तिक आर्यन को बड़ा ब्रेक दिया था। फिल्म में उनके काम की जबरदस्त सराहना हुई। इसके बाद अब तक वो 'प्यार का पंचनामा 2' (2015) 'सोनू की टीटू की स्वीटी'(2018), 'लुका छिपी' (2019) और 'पति पत्नी और वो' (2019) जैसी कई हिट फिल्मों में नजर आ चुके हैं। धीरे-धीरे बॉलीवुड में रोमांटिक और कॉमिक इमेज बना चुके हैंडसम और चॉकलेटी ब्वाय कार्तिक आर्यन अब किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह बहुत जल्दी अक्षय कुमार की सुपर हिट फिल्म 'भूल भुलैया' के रीमेक में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वह करण जौहर की 'दोस्ताना 2' भी कर रहे हैं। कार्तिक आर्यन के प्रशंसक उनकी आने वाली फिल्म 'धमाका' को लेकर काफी अधिक उत्साहित हैं। कार्तिक ने इस फिल्म की शूटिंग रिकॉर्ड समय में कम्पलीट की है। उनकी यह फिल्म बहुत जल्दी दर्शकों के सामने आ सकेगी। प्रस्तुत हैं कार्तिक आर्यन के साथ की गई बातचीत के मुख्य अंश :

'धमाका' और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताईये?

राम माधवानी के निर्देशन में बन रही 'धमाका', साऊथ कोरियन फिल्म 'द टेरर लाइव (2013)' का हिंदी रीमेक है। इसमें मैं अर्जुन पाठक नाम के युवक का किरदार निभा रहा हूं जो पेशे से एक पत्रकार है। इसमें मेरे अपोजिट मृणाल ठाकुर हैं।

पहले 'धमाका' पूरी तरह महिला केंद्रित थी और मेकर उसे तापसी पन्नू के साथ बनाना चाहते थे लेकिन किसी वजह से उन्होंने इंकार कर दिया। बाद में स्क्रिप्ट हीरो ओरियंटेड बनाकर आपको ऑफर की गई?

हो सकता है कि ऐसा हो लेकिन इस बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है।

सोनम कपूर की 'नीरजा' के लिए नाम कमा चुके राम माधवानी के साथ आपकी यह पहली फिल्म है। क्या आपको यकीन है कि आपकी यह फिल्म भी 'नीरजा' की तरह ऑडियंस का दिल जीतने में कामयाब रहेगी?

जी बिल्कुल, इसमें कोई शक नहीं है। इसके राइट्स 85 करोड़ जैसी भारी-भरकम कीमत पर नैटफ्लिक्स ने खरीदे हैं। शायद उन्हें भी लगता है कि इसमें किसी तरह के नुक्सान की गुंजाइश नहीं है। फिल्म का सब्जैक्ट ऐसा है जो ऑडियंस के साथ निश्चित ही कनैक्ट करेगा।

शाहरुख खान की प्रोडक्शन कंपनी 'रैड चिलीज एंटरटेनमैंट' ने आपको जिस फिल्म के लिए लिया है, उसके बारे में कुछ बताईये?

यह एकदम अनोखी लव स्टोरी होगी। इसे अजय बहल डायरैक्ट करेंगे। इस का नाम फ्रैंडी होगा। मैं इसमें पहली बार कैटरीना के साथ काम करूंगा।

बेहद बोल्ड, बिंदास और स्टाइलिश कैनेडियन मॉडल डिंपल शर्मा के साथ, आपके अफेयर की खबरें आजकल सुर्खियों में छाई हुई हैं?

मैंने डिंपल के साथ 2014 में एक एड किया था। मैं तो खुद हैरान हूं कि आखिर उनके साथ नाम जोड़े जाने में लोगों ने साल की देरी क्यों कर दी। यह काम तो बहुत पहले हो जाना चाहिए था। यह पहली बार नहीं है जब मेरा नाम किसी के साथ जोड़ा गया है। इसके पहले भी मेरी को-स्टार नुसरत के साथ मेरा नाम जोडा जा चुका है और मुझे लगता है कि जब तक मैं यहां हूं, यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा।

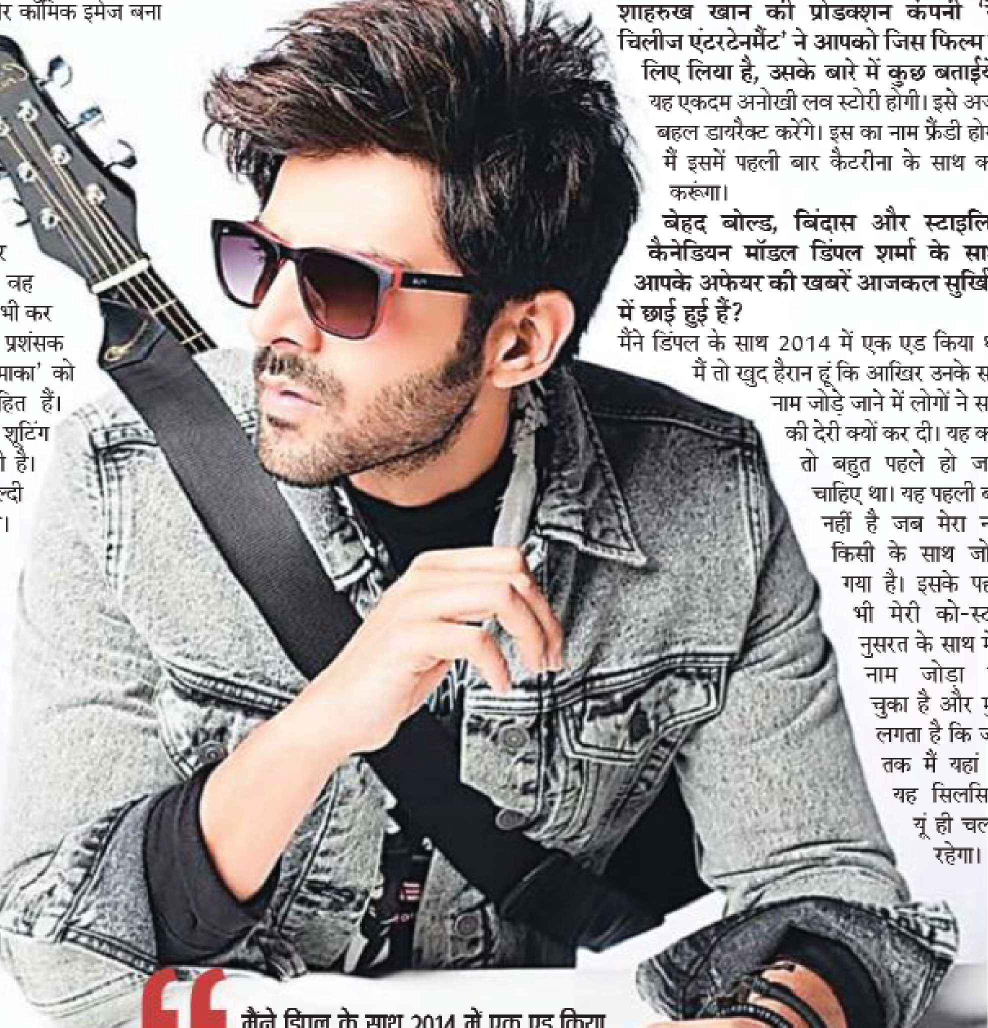

> "मैंने डिंपल के साथ 2014 में एक एड किया था। मैं तो खुद हैरान हूं कि आखिर उनके साथ नाम जोड़े जाने में लोगों ने साल की देरी क्यों कर दी। यह काम तो बहुत पहले हो जाना चाहिए था। यह पहली बार नहीं है जब मेरा नाम किसी के साथ जोड़ा गया है..."